RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

https://rashtriyamukhyadhara.com/

बोकारो, गुरुवार

28.5.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 216

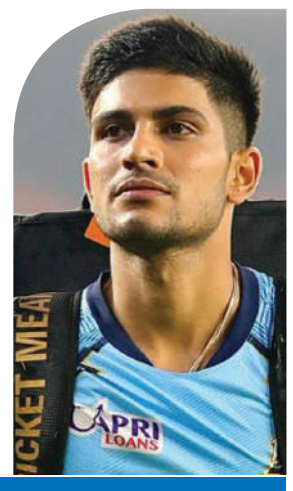

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री के आवास पर तलाशी के दौरान ईडी अधिकारियों के काफिले पर समर्थकों का हमला, तोड़फोड़

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल)-एक्सालॉजिक वित्तीय लेनदेन और धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के बाद बुधवार को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में जबरदस्त राजनीतिक तनाव और हिंसक प्रदर्शन देखने को मिला। पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान नेता प्रतिपक्ष पिनाराई विजयन के आवास पर कई घंटों तक चली तलाशी के बाद जब ईडी अधिकारियों की टीम परिसर से बाहर निकली, तब वहां मौजूद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी (सीपीआई-एम) कार्यकर्ताओं की भीड़ उग्र हो गई और अधिकारियों के काफिले पर हमला कर दिया। केरल पुलिस ने लगभग 100 पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तलाशी अभियान खत्म होने के बाद जैसे ही ईडी अधिकारी सरकारी वाहनों की ओर बढ़े, प्रदर्शनकारी केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। तनावपूर्ण माहौल के बीच भीड़ ने आक्रामक रूप धारण कर लिया। प्रदर्शनकारियों ने ईडी अधिकारियों को ले जा रही गाड़ियों पर पत्थर और लाठियों से हमला बोल दिया। इससे गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। घटनास्थल पर मौजूद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और केरल पुलिस के जवानों को हालात संभालने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। सुरक्षा बलों ने ईडी अधिकारियों को सुरक्षा घेरे में लेकर बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन उग्र भीड़ लगातार काफिले को रोकने की कोशिश करती रही। स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख स्थानीय पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया गया और ईडी अधिकारियों के वाहनों को सुरक्षित रवाना कराया गया। दरअसल, ईडी की यह कार्रवाई आज सुबह तिरुवनंतपुरम के बेकरी जंक्शन

के पास स्थित पिनाराई विजयन के किराए के आवास पर शुरू हुई। केंद्रीय सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया था, जबकि ईडी अधिकारी अंदर दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन से जुड़े साक्ष्यों की गहन जांच कर रहे थे। तलाशी की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में सीपीआई-एम कार्यकर्ता और समर्थक मौके पर पहुंचने लगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता वी. शिवनकुट्टी और कडकमपल्ली सुरेंद्रन भी घटनास्थल पर पहुंचे और ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बताया। घंटों चली तलाशी के दौरान ईडी अधिकारियों ने कथित तौर पर कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, मोबाइल फोन, लैपटॉप, डिजिटल स्टोरेज डिवाइस और हाथ से लिखी डायरी के कुछ पन्ने जब्त किए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, एजेंसी इन दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की जांच कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सीएमआरएल और एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस के बीच हुए वित्तीय लेनदेन में कहीं मनी लॉन्ड्रिंग या अवैध भुगतान के संकेत तो नहीं हैं।

गौरतलब है कि यह पूरी कार्रवाई केरल उच्च न्यायालय द्वारा सीएमआरएल की उस याचिका को खारिज किए जाने के बाद हुई, जिसमें ईडी की जांच और समन पर रोक लगाने की मांग की गई थी। अदालत के फैसले के एक दिन बाद ही ईडी ने पिनाराई विजयन, उनकी बेटी वीना विजयन, दामाद एवं पूर्व मंत्री पी.ए. मोहम्मद रियास तथा मामले से जुड़े अन्य लोगों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू कर दी। घटना के बाद सीपीआई-एम नेताओं ने भाजपा और केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। पार्टी नेताओं का आरोप है कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को राजनीतिक रूप से परेशान करने और बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि "यह कार्रवाई पूरी तरह राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है और पिनाराई विजयन को निशाना बनाने की साजिश है।" वहीं, भाजपा नेताओं ने कहा कि जांच एजेंसियां कानून के तहत अपना काम कर रही हैं और भ्रष्टाचार या मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। भाजपा नेताओं ने ईडी अधिकारियों के काफिले पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस बीच केंद्रीय अधिकारियों के वाहनों पर हमले के बाद केरल पुलिस ने लगभग 100 पहचाने गए सीपीआई-एम कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस वीडियो फुटेज, मीडिया रिकॉर्डिंग और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान करने में जुटी हुई है। कई संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और जल्द गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है। घटना के बाद राजधानी तिरुवनंतपुरम में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। कई संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

तृणमूल सांसद काकोली घोष ने सभी पदों से दिया इस्तीफा, पार्टी पर उठाए सवाल

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के बारासात से लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया। काकोली ने बुधवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बक्सी को पत्र लिखकर तृणमूल महिला कांग्रेस की चेयरपर्सन समेत सभी संगठनात्मक जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाने का अनुरोध किया है। इससे तीन दिन पहले ही उन्होंने जिला अध्यक्ष पद छोड़ दिया था। अपने पत्र में काकोली ने राज्य में सामने आए विभिन्न भ्रष्टाचार मामलों और आरजी कर प्रकरण को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने लिखा कि राशन घोटाला, शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार और कई प्रशासनिक अनियमितताओं ने आम लोगों के मन में भारी असंतोष और अविश्वास पैदा किया है।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की पूर्व छात्रा रहीं काकोली ने 2024 में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या की घटना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस मामले को दबाने के आरोपों ने समाज को झकझोर दिया और इसका व्यक्तिगत रूप से उन पर भी गहरा असर पड़ा। पत्र में उन्होंने बिना नाम लिए पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी पर भी निशाना साधा। काकोली ने लिखा कि जिस पद पर रहते हुए किसी महिला सांसद के प्रति एक "अशिक्षित और अभद्र" सांसद के अनुचित व्यवहार को रोका न जा सके और वरिष्ठ नेतृत्व से सहयोग या सहानुभूति न मिले, उस पद पर बने रहने का कोई अर्थ नहीं है।

उन्होंने पार्टी की चुनावी रणनीतिकार संस्था आई-पैक को लेकर भी सवाल उठाए। काकोली ने लिखा कि संगठन पर यदि किसी अपारदर्शी और अलोकतांत्रिक प्रभाव का दबदबा बढ़ता है, तो यह पार्टी की विचारधारा और परंपरा के लिए शुभ संकेत नहीं है। सांसद ने स्पष्ट किया कि उनका फैसला किसी व्यक्तिगत नाराजगी या अभिमान का परिणाम नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अब पार्टी की सामान्य कार्यकर्ता के रूप में काम करेंगी और लोकतंत्र तथा जनता के प्रति नैतिक जिम्मेदारी के कारण उन्होंने संगठनात्मक पदों से खुद को अलग किया है। हाल ही में तृणमूल ने उन्हें संसदीय दल के मुख्य सचेतक पद से हटाया था और यह जिम्मेदारी फिर से कल्याण बनर्जी को सौंप दी गई थी। इसके बाद काकोली ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा था कि 1976 से पहचान और 1984 से राजनीतिक सफर शुरू हुआ। चार दशक की निष्ठा का यही पुरस्कार मिला। राजनीतिक हलकों में उस समय भी चर्चा तेज हो गई थी, जब मंगलवार को काकोली शुभेंदु अधिकारी की प्रशासनिक बैठक में शामिल हुई थीं। हालांकि उन्होंने कहा था कि प्रशासन सभी का होता है और वहां दलगत राजनीति नहीं देखी जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के एसआईआर को बताया वैध व संवैधानिक

एजेंसी, नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने भारत में चुनाव प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने की दिशा में बुधवार को एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाया। उच्चतम न्यायालय ने मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने के चुनाव आयोग के अधिकार को वैध और संवैधानिक बताते हुए कहा कि इसका सीधा संबंध निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने से है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग ने अपनी वैधानिक शक्तियों के बाहर काम नहीं किया। निर्णय में साफ तौर पर कहा गया कि एसआईआर की प्रक्रिया को केवल

इसलिए चुनाव आयोग के अधिकार से बाहर नहीं कहा जा सकता क्योंकि यह सामान्य संशोधन प्रक्रिया से अलग है। पीठ ने अपने निर्णय में कहा है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का मतलब सिर्फ वोट डालने की प्रक्रिया ही नहीं है, बल्कि यह मूल रूप से 'मतदाता सूचियों की सत्यनिष्ठा, सटीकता और विश्वसनीयता' पर निर्भर करता है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव हैं। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि वह चार सप्ताह के भीतर संदिग्ध नागरिकता के आधार पर मतदाता सूचियों से हटाए गए लोगों के नाम गृह मंत्रालय (केंद्र सरकार) को भेजे। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह फैसला उन याचिकाओं पर सुनाया है जिनमें पिछले साल जून में बिहार में एसआईआर कराने के लिए चुनाव आयोग की अधिसूचना और अधिकार को चुनौती दी गई थी। इस मामले में लंबी सुनवाई और सभी पक्षों की बहस के बाद पीठ ने इस वर्ष 29 जनवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे बुधवार (27 मई) को सुनाया गया। मतदाता सूची में संशोधन को 'कानूनी रूप से मान्य' बताते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का आदेश देकर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन नहीं किया है क्योंकि इस तरह की प्रक्रिया से मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित होती है और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों में सहायता मिलती है। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि चुनाव आयोग किसी मतदाता की नागरिकता निर्धारित नहीं कर सकता है। मतदाता सूची में शामिल करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा नागरिकता का निर्धारण अंतिम नहीं है। मतदाता सूची से हटाए गए संदिग्ध मतदाताओं की पूरी तरह से जांच होनी चाहिए और यदि उनकी नागरिकता भारतीय सिद्ध होती है तो उनके मतदाता होने का अधिकार बहाल किया जा सकता है।

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा देश का खाद्यान्न उत्पादन, 3765 .63 लाख टन का अनुमान

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2025-26 के लिए प्रमुख कृषि फसलों के तीसरे अग्रिम अनुमान जारी करते हुए कहा कि देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 3765.63 लाख टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 3577.32 लाख टन की तुलना में लगभग 188 लाख टन यानी 5.3 प्रतिशत अधिक है, यह अबतक का सर्वाधिक उत्पादन भी है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार खेती को मजबूत करने और किसानों की खुशहाली बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। यही वजह है कि कृषि उत्पादन में निरंतर सुधार हो रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बुधवार को मीडिया को बताया कि

फसलवार सारांश के अनुसार कुल खाद्यान्न उत्पादन 3765.63 लाख टन है। इसमें चावल 1540.24 लाख टन, गेहूं 1206.57 लाख टन और मक्का 550.93 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर हैं। श्री अन्न 175.84 लाख टन, तूर 35.92 लाख टन, चना 125.14 लाख टन और मसूर 17.62 लाख टन अनुमानित है। इसी तरह, कुल तिलहन उत्पादन 430.59 लाख टन अनुमानित है। इसमें मूंगफली 130.74 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर है, सोयाबीन 125.96 लाख टन है और रेपसीड एवं सरसों 137.68 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर है।

भारतीय कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस ने कच्छ में पकड़ी 100 किलो कोकीन

बरामद नशीले पदार्थ का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 1150 करोड़ बताया गया

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और गुजरात एटीएस ने मुंद्रा तट के पास चलाए गए संयुक्त समुद्री तस्करी-रोधी अभियान में 115 किलोग्राम कोकीन जब्त की है, जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 1150 करोड़ रुपये बताया गया है। जहाज को आगे की जांच के लिए बंदरगाह पर लाया गया है। आईसीजी, गुजरात एटीएस और अन्य संबंधित एजेंसियां संयुक्त रूप से इस मामले की जांच कर रही हैं। समुद्री मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ आईसीजी पांच वर्षों से अभियान चला रहा है। गुजरात एटीएस के साथ संयुक्त रूप से चलाया गया यह पंद्रहवां नशीले पदार्थ विरोधी ऑपरेशन है, जो समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने और नशा मुक्त भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इसी क्रम में आईसीजी ने गुजरात एटीएस के समन्वय से 25-26 मई की रात के समय मुंद्रा तट के पास संयुक्त खुफिया आधारित तस्करी रोधी अभियान चलाया। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि इंटरसेप्टर नावों पर एटीएस के जवान भी सवार थे। अभियान के दौरान मुंद्रा से लगभग पांच नॉटिकल मील की दूरी पर लंगर डाले हुए कंटेनर जहाज 'एमवी यूरोप' पर कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं। इस जहाज से कुछ थैलियों को समुद्र में फेंकते हुए देखा गया। तेज परिचालन प्रतिक्रिया और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन करते हुए आईसीजी और गुजरात एटीएस की संयुक्त टीम तुरंत उस स्थान पर पहुंची और रात के समय बेहद कम दृश्यता की अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद समुद्र से पांच थैलियां बरामद कीं। उन्होंने बताया कि जांच करने पर इस थैलियों में एक सफेद पाउडर जैसे पदार्थ के पैकेट मिले, जिनकी जांच में कोकीन होने की पुष्टि हुई। इस ऑपरेशन के दौरान कुल 115 पैकेट जब्त किए गए, हर पैकेट का वजन लगभग एक किलोग्राम था। कुल मिलाकर जब्त किए गए नशीले पदार्थों का वजन लगभग 115 किलोग्राम था।

ईंधन लागत के दबाव के बीच एयर इंडिया और इंडिगो अपनी उड़ानों में करेगी कटौती

घरेलू उड़ानों में 22 फीसदी की कटौती करेगी एयर इंडिया

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट और विमानन क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों के बीच एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया और इंडिगो ने अपनी उड़ानों में कटौती का फैसला लिया है। देश की दोनों प्रमुख विमानन कंपनियों ने एक जून से अपनी उड़ान क्षमता में कटौती करेंगी। ये कटौती अगले तीन महीने तक लागू रहेगी, जिससे हवाई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को दी गई जानकारी

में बताया कि टाटा की अगुवाई वाली एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने विमान ईंधन यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की ऊंची कीमतों की वजह से बढ़ती परिचालन लागत के चलते अपनी घरेलू उड़ानों में 22 फीसदी तक कटौती करने का फैसला किया है। घाटे में चल रही एयरलाइन ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में भी करीब 27 फीसदी की कमी की है। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि जून से अगस्त के बीच चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय सेवाओं में पहले घोषित बदलावों के साथ-साथ कुछ घरेलू मार्गों पर भी अस्थायी रूप से उड़ानों की संख्या घटाई गई है।

एयर इंडिया के अनुसार ये फैसला लगातार ऊंची ईंधन कीमतों के कारण परिचालन पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए लिया गया है। ये कटौती 1 जून से शुरु हो जाएगी, जो अगले 90 दिनों यानी 3 महीनों तक लागू रहेगी। एयर इंडिया ने कहा कि मांग और परिचालन स्थितियों की लगातार समीक्षा की जाएगी और परिस्थितियां सामान्य होने पर उड़ानों की संख्या फिर बढ़ाई जा सकती है।

जेवर एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के लिए उपलब्ध होंगी इलेक्ट्रिक बसें : योगी

एजेंसी, लखनऊ

जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के संचालन के साथ यात्रियों को आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक आवागमन के लिए प्राथमिक चरण में 110 इलेक्ट्रिक बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की चौथी बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा क्षेत्र में 500 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 15 जून से प्रस्तावित उड़ान संचालन से पहले सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था

को पूरी तरह सुदृढ़ किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के तेजी से विस्तार पर भी जोर दिया। अधिकारियों ने अवगत कराया कि प्रदेश में वर्तमान में लगभग 15.5 लाख इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हैं तथा वर्ष 2030 तक 10 हजार चार्जिंग स्टेशन विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभी तक लगभग 2500 चार्जिंग स्टेशन संचालित हो चुके हैं।

असम विधानसभा में पारित हुआ यूसीसी विधेयक, देश का तीसरा राज्य बना असम

एजेंसी, गुवाहाटी

असम विधानसभा में बुधवार को लंबी और तीखी बहस के बाद समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित कर दिया गया। इसके साथ ही असम यूसीसी लागू करने वाला देश का तीसरा राज्य तथा पूर्वोत्तर का पहला राज्य बन गया। विधानसभा में विधेयक को सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन मिला, जबकि विपक्षी दलों ने इसके कई प्रावधानों पर आपत्ति जताई। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि यह कानून सभी नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को समान अधिकार और न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है। विधानसभा में बहस के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि यह कानून व्यक्तिगत धार्मिक परंपराओं में हस्तक्षेप करेगा, लेकिन विरोध के बावजूद विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया। 'समान नागरिक संहिता (यूसीसी), असम, 2026 बिल' पर पूरे दिन चली चर्चा के बाद, स्पीकर रंजीत कुमार दास ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से इसे पास कराने के लिए पेश करने को कहा।

आसाराम की आजीवन कारावास की सजा बरकरार, करना होगा सरेंडर

एजेंसी, जोधपुर

राजस्थान उच्च न्यायालय की जोधपुर पीठ ने अपने ही आश्रम की नाबालिग छात्रा से यौन उत्पीड़न मामले में आसाराम को राहत देने से इनकार करते हुए उसकी आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी है। बुधवार को जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की डिवीजन बेंच ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने आसाराम समेत तीन आरोपितों की अपीलों पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि निचली अदालत द्वारा दी गई सजा में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि अदालत ने उन्हें गैंगरेप की धारा से बरी कर दिया, लेकिन अन्य गंभीर आरोपों में दोषसिद्धि कायम रखी गई है।

साथ ही कोर्ट ने आसाराम को तत्काल सरेंडर करने के आदेश दिए हैं। आसाराम उर्फ आसुमल की यौन शोषण मामले में प्राकृतिक जीवन तक आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर अपील पर बुधवार को फैसला आया। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अपने फैसले में आसाराम को पूरी तरह से आरोप मुक्त नहीं किया है। उनकी सजा खत्म करने की अपील खारिज हुई है, लेकिन पॉक्सो एक्ट की गैर जमानती अपराध, आईपीसी की गैंग रेप और षड्यंत्र कर अपराध करने से जुड़ी धाराओं में दोषी नहीं माना है। खंडपीठ ने भारतीय दंड संहिता की दुष्कर्म, पॉक्सो की यौन शोषण और जेजे एक्ट सहित अन्य धाराओं को लेकर लोअर कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को सही ठहराया है, यानी सजा बरकरार रहेगी। खंडपीठ ने आसाराम के सेवादार शरतचंद्र और शिल्पी को पूरी तरह से आरोप मुक्त कर दिया है। इस मामले में पीड़िता के अधिवक्ता पीसी सोलंकी ने बताया कि कोर्ट ने सजा पर रोक नहीं लगाई है। आजीवन कारावास की सजा बरकरार है, राहत जरूर दी है। सोलंकी ने बताया कि बरी किए गए आरोपितों के आदेश के खिलाफ पीड़िता से बात कर हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। इस फैसले के बाद आसाराम को अब जेल में सरेंडर करना होगा। बता दे कि गत बीस अप्रैल को आसाराम, शरतचंद्र और शिल्पी की ओर से सजा के खिलाफ दायर अपीलों पर सुनवाई पूरी हुई थी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

मीडिया से बेहतर तालमेल का पाठ सीखेंगे बोकारो के प्रशासनिक पदाधिकारी

बोकारो : जिले में कुछ प्रशासनिक पदाधिकारियों के अप्रिय रवैये तथा पत्रकारों के साथ असम्मानजनक व्यवहार की घटनाओं के बीच उपायुक्त अजय नाथ झा ने अहम कदम उठाया है। जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के लिए मीडिया से बेहतर समन्वय एवं संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से एक विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों, योजनाओं और जन हितकारी कार्यक्रमों की सूचनाओं को प्रभावी तथा सकारात्मक तरीके से आम जनता तक पहुंचाना है। इस संबंध में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि प्रशासन एवं मीडिया के बीच बेहतर संवाद होने से शासन की योजनाओं और कार्यों की सही जानकारी लोगों तक पहुंचती है, इसलिए सकारात्मक एवं तथ्यात्मक सूचना साझा करना सभी पदाधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान समय में त्वरित सूचना प्रसार के दौर में मीडिया प्रबंधन और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इस कार्यशाला के माध्यम से पदाधिकारियों को अपना संवाद कौशल विकसित करने और मीडिया के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने का बेहतरीन अवसर मिलेगा।

15 वर्षों से बंद पड़ी पत्थर खदान में डूबने से बीए के छात्र की मौत

बोकारो : जिले के पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र से बुधवार को एक बेहद दुखद और हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां पिछले 15 वर्षों से बंद पड़े एक गहरे पत्थर खदान के पानी में डूबने से स्थानीय निवासी अंकित कुमार (25 वर्ष) नामक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय पुलिस और भारी संख्या में जुटे ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से, पानी में झांगड़ (लोहे का कांटा) डालकर लगभग 4 घंटे की भारी मशक्कत के बाद युवक को गहरे पानी से बाहर निकाला जा सका। खदान से बाहर निकालने के तुरंत बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपस्थित चिकित्सकों ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के पश्चात पोस्टमार्टम की कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे रोते-बिलखते परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। खदान में ही स्नान कर रहे प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना के संबंध में बताया कि मृतक अंकित कुमार प्रत्येक दिन की भांति बुधवार की सुबह लगभग 9 बजे अपनी स्कूटी लेकर खदान की ओर गया था। खदान के समीप स्थित काली मंदिर में उसने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की और फिर ग्राम देवता डुंगरी स्थान का दर्शन किया। इसके बाद वह खदान के किनारे आकर खड़ा हो गया, जहां पहले से ही कुछ बच्चे ट्यूब के सहारे तैर रहे थे। अंकित करीब 10 मिनट तक किनारे पर खड़ा होकर बच्चों को तैरते हुए देखता रहा। इसके बाद उसने अचानक 'मां काली' का जोरदार जयकारा लगाया और सीधे गहरे खदान के पानी में कूद गया।

पानी में कूदने के बाद जब अंकित काफी देर तक सतह पर वापस नहीं आया, तो वहां नहा रहे अन्य युवकों को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना उसके परिजनों और ग्रामीणों को दी। खबर मिलते ही मृतक के परिजन और दर्जनों की संख्या में ग्रामीण भागते हुए खदान पहुंचे। स्थानीय स्तर पर युवकों ने पानी में उतरकर उसे ढूंढने का काफी प्रयास किया, लेकिन अत्यधिक गहराई होने के कारण सफलता नहीं मिल रही थी। इसके बाद ग्रामीणों द्वारा तुरंत कई झांगड़ मंगाए गए और पानी के भीतर एक सिरे से सघन खोजबीन शुरू की गई। करीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अंततः युवक के शव को पानी से बाहर निकाला जा सका। मृतक अंकित ग्रेजुएशन (बीए) फाइनल ईयर का छात्र था। इकलौते जवान बेटे को खो देने के बाद माता-पिता सहित पूरे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से बंद पड़े इस खतरनाक खदान की बैरिकेडिंग कराने या इसे पूरी तरह सुरक्षित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

भाजपा जिलाध्यक्ष गीता बालमुचू ने लगाया हत्या के प्रयास का आरोप

पूर्वी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिला भाजपा अध्यक्ष गीता बालमुचू ने अपने सड़क हादसे को महज दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए बड़ा खुलासा किया है। टाटा मेन अस्पताल में इलाजरत गीता बालमुचू ने पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां के समक्ष दावा किया कि उनकी हत्या की साजिश रची गई थी और जानबूझकर उनकी कार को निशाना बनाया गया। अस्पताल पहुंचकर दुलाल भुईयां के साथ कमल राम यादव,कुंज विभार, सुनील सिंह सदानंद टोपनो,सुबुल प्रमाणीक,अनिल कांडी के साथ घायल भाजपा जिलाध्यक्ष का हालचाल जाना। मुलाकात के बाद उन्होंने मीडिया को बताया कि गीता बालमुचू ने उन्हें घटना की पूरी जानकारी दी। उनके अनुसार घटना वाले दिन वह किसान आंदोलन के कार्यक्रम में शामिल होकर चाईबासा लौट रही थीं। इसी दौरान सिंहपोखरिया के पास एक बड़े वाहन ने संदिग्ध परिस्थिति में उनकी कार को टक्कर मारने का प्रयास किया। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को मोड़कर बचाने की कोशिश की, लेकिन उसी दौरान ट्रक और एक अन्य कार की टक्कर से उनका वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। गौरतलब है कि गत गुरुवार को सिंहपोखरिया के पास हुए इस भीषण हादसे में गीता बालमुचू की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें वाहन से बाहर निकालकर पहले चाईबासा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर के टाटा मेन अस्पताल रेफर किया गया। फिलहाल उनके चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटों का इलाज चल रहा है।

प्लंबर ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम। निर्मलनगर में प्लंबर ने फांसी लगाकर दी जान, मानसिक बीमारी से थे परेशान सीतारामडेरा थाना क्षेत्र स्थित निर्मलनगर में मंगलवार रात एक 53 वर्षीय प्लंबर विजय दास ने अपने घर में फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। घटना के समय वह घर में अकेले थे। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बुधवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। परिजनों के अनुसार विजय दास पिछले काफी समय से मानसिक बीमारी से जूझ रहे थे। उनका इलाज एमजीएम अस्पताल में चल रहा था। बीते गुरुवार को उनकी मानसिक स्थिति अधिक बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह घर लौटे थे, लेकिन उनकी हालत सामान्य नहीं थी। परिवार का कहना है कि बीमारी और मानसिक तनाव के कारण ही उन्होंने यह कदम उठाया। पत्नी की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़ा गया। अंदर का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए। विजय दास कमरे में फंदे से लटके हुए थे। आनन-फानन में उन्हें नीचे उतारकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। विजय दास अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों को छोड़ गए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। मामले में यूडी केस दर्ज किया गया है।

झारखंड के 20 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राजधानी रांची सहित राज्य के 20 जिलों में गुरुवार को बारिश, तेज आंधी और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने इसे लेकर बुधवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम का मिजाज बदला रहेगा। हालांकि उत्तर-पश्चिमी झारखंड के चार जिलों गढ़वा, पलामू, लातेहार और चतरा में गुरुवार को बारिश की संभावना कम जताई गई है। इसके अलावा शेष जिलों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने और वज्रपात की आशंका व्यक्त की गई है। विभाग ने यह भी कहा है कि दो जून तक राज्य के विभिन्न जिलों में मौसम अस्थिर बना रह सकता है। इस दौरान कई स्थानों पर गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। इसे लेकर मौसम विभाग की ओर से येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों को खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, पेड़ और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी है। तापमान की बात करें तो राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान डाल्टनगंज में 43.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान गोड्डा में 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बुधवार को राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद आसमान में बादल छा गए और मध्यम गति से हवा चलने लगी। इससे लोगों को तेज गर्मी से कुछ राहत महसूस हुई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री और न्यूनतम 25.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री और न्यूनतम 25.7 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 43.5 डिग्री और न्यूनतम 27.3 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 40.5 डिग्री और न्यूनतम 27.6 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें और आकाशीय बिजली गिरने की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। किसानों को भी मौसम को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मृत कोलकर्मी पहलाद बाउरी के आश्रित पुत्र को मिला नौकरी, वार्ता के बाद बनी सहमति

राष्ट्रीय मुख्यधारा : राजीव रंजन

कतरास (धनबाद): तेतुलमारी कोलियरी में कार्यरत बीसीसीएल कर्मी पहलाद बाउरी की इलाज के दौरान मौत के बाद उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है। प्रबंधन और संयुक्त मोर्चा के बीच हुई सफल वार्ता के बाद मृतक कर्मी के छोटे पुत्र गोपाल कुमार बाउरी को नियोजन देने पर सहमति बन गई।

बताया गया कि पहलाद बाउरी तेतुलमारी कोलियरी में मेकैनिकल फिटर के पद पर कार्यरत थे। उनकी मृत्यु के बाद परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया था।

तेतुलमारी कोलियरी कार्यालय परिसर में आयोजित वार्ता में बीसीसीएल प्रबंधन और यूनियन प्रतिनिधियों ने मिलकर आश्रित को नौकरी देने का निर्णय लिया। इस दौरान कार्मिक प्रबंधक समेत कई अधिकारी और यूनियन के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

परिवार और स्थानीय श्रमिक संगठनों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे मानवीय पहल बताया है।

तेज आंधी-तूफान ने आम की फसल को पहुंचाया भारी नुकसान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा, पोटका, बहरागोड़ा और चाकुलिया प्रखंडों में मंगलवार देर रात आए तेज आंधी-तूफान ने किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। अचानक चली तेज हवाओं और बारिश के कारण कई गांवों में आम के बागानों से बड़ी मात्रा में कच्चे और तैयार आम टूटकर जमीन पर गिर गए। इससे किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया है। सबसे अधिक नुकसान उन किसानों को हुआ है जिन्होंने इस वर्ष बेहतर उत्पादन की उम्मीद में आम के बागानों की विशेष देखभाल की थी। ग्रामीण क्षेत्रों में बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत लगाए गए आम के बागान भी तूफान की चपेट में आ गए। कई जगहों पर पेड़ों की बड़ी-बड़ी डालियां टूट गईं, जबकि हजारों की संख्या में आम जमीन पर बिखर गए। किसानों का कहना है कि तेज हवा इतनी जोरदार थी कि कुछ बागानों में छोटे पेड़ भी उखड़ गए। माचाडीहा गांव के किसान और पूर्व मुखिया प्रभाष हांसदा ने बताया कि उनके बागान में भी करीब 10 क्विंटल आम झड़ गए। बाजार में तत्काल खरीदार नहीं मिलने के कारण उन्हें कई लोगों के बीच मुफ्त में आम बांटना पड़ा। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन समय पर व्यवस्था करता तो किसानों को कुछ राहत मिल सकती थी। अब फसल बर्बाद होने से उनकी चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि इस बार मौसम अनुकूल रहने के कारण आम की पैदावार काफी अच्छी हुई थी और व्यापारियों से अच्छे दाम मिलने की उम्मीद थी। आंधी-तूफान के बाद प्रभावित किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कर मुआवजा देने की मांग की है। किसानों का कहना है कि यदि सरकार राहत नहीं देती है तो उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी कृषि विभाग से प्रभावित गांवों का दौरा कर वास्तविक नुकसान का आकलन करने की मांग की है।

मिथिला कला मंच का गूगल मीट पर ऋतुरंग बारहमासा पर कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद की इकाई मिथिला कला मंच द्वारा गूगल मीट पर ऋतुरंग बारहमासा के संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों से जुड़े कलाकारों व साहित्यकारों अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से ऋतुरंग बारहमासा की अद्भुत छटा बिखेरकर सभी को आनंदित किया। आसनसोल की पूनम झा के संचालन व जमशेदपुर से जुड़े प्रसिद्ध साहित्यकार व शिक्षाविद् डॉ अशोक अविचल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ भगवती वंदना से हुआ। पूनम झा ने इस भगवती वंदना के बाद राग कामोद में घिरि-घिरि आयल आयल घनकारी.. की सुमधुर प्रस्तुति दी। तत्पश्चात बनारस से जुड़े अशोक मिश्रा ने वर्तमान में प्रचंड गर्मी की तपिश को यूं बयां किया-भऽ रहल अछि आगिक वर्षा, सूर्यक चेन बड़ जोर यौ.., देवघर की मीनाक्षी झा ने बारहमासा गीत की कर्णप्रिय प्रस्तुति दी। सोनीपत से विनीता ठाकुर ने हम छी नारी, हमर चिनबार.., दिल्ली से मिनाक्षी झा ने सब बिसरि कोना गेलौ सजना.., दिल्ली से ही प्रतिभा झा ने विरह गीत पिया बिनु जियरा नयन बहय छै.., भैरहवा नेपाल से सोनू ठाकुर ने मैथिली गीत किऐ दुइये दिनक छुट्टी लऽ कऽ गाम ऐलियै..., जमशेदपुर से नूतन जी ने बसंत गीत चैते पियार संग रंग, आइ विभोर भेलै.., कोलकाता से हिमाद्री मिश्रा ने पावस तू ज्ञानी देश, एत बरसे नैना मोरे.., मिथिला कला मंच के मीडिया प्रभारी बोकारो के अरुण पाठक ने वर्षा ऋतु पर सुंदर गीत वर्षा के बुन-बुन जहर माहुर सन सखी की कहब दुख साओन मास.., नीलम झा ने जीवन आनंद सँ खिल-खिल जाय..., जमशेदपुर से राधा कुमारी ने अहीं बेटी दुलरूआ, अहीं आँखिक पुतली.., दरभंगा से डॉ रतन कुमारी ने सखि हे, पिया नहि घर अयला, बरसन लागे ना... सुनाकर सबकी प्रशंसा पायी। रांची से डॉ धनाकर ठाकुर, जमशेदपुर से डॉ रविन्द्र कुमार चौधरी, धनबाद से आशा मिश्रा, निशा झा, बोकारो से शंभु झा भी कार्यक्रम से जुड़े रहे।

कार्यक्रम के अध्यक्ष अशोक अविचल ने अपने संबोधन में सभी प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन के माध्यम से मिथिला की संस्कृति, पारंपरिक गीत-संगीत को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने 7 व 8 जून 2026 को खगड़िया के एसबी मेमोरियल स्कूल में आयोजित होने वाले 37वां अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन के बारे में भी जानकारी दी। श्री अविचल ने सभी मैथिलीभाषियों से आग्रह किया कि वे जनगणना में मैथिली भाषा के प्रयोग की जानकारी अवश्य दर्ज कराएं। अंत में यात्री जी की प्रार्थना से कार्यक्रम का समापन हुआ।

झारखंड में घुसपैठियों के लिए डिटेंशन सेंटर बनाए राज्य सरकार : प्रतुल शाहदेव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य सरकार से झारखंड के सीमावर्ती जिलों में मुस्लिम घुसपैठियों के लिए तत्काल डिटेंशन सेंटर स्थापित करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन सरकार की उदासीनता और तुष्टिकरण की नीतियों के कारण झारखंड घुसपैठियों के लिए "सेफ जोन" बनता जा रहा है। बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रतुल शाहदेव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा घुसपैठियों की पहचान और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश प्रकाश प्रभात नवेलकर की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाना राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार यह स्पष्ट कर चुकी है कि देश की आंतरिक सुरक्षा और जनसांख्यिकीय संतुलन के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। शाहदेव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी माना है कि घुसपैठ का असर जनजातीय समाज की सांस्कृतिक और सामाजिक संरचना पर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड के सीमावर्ती जिले पाकुड़, जामताड़ा, दुमका और साहिबगंज लंबे समय से बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या से प्रभावित रहे हैं। अब पश्चिम बंगाल में सख्त कार्रवाई की आशंका के बाद बड़ी संख्या में घुसपैठियों के झारखंड की ओर आने की संभावना बढ़ गई है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी अवैध घुसपैठियों के लिए डिटेंशन सेंटर बनाने की बात कही है। ऐसे में झारखंड सरकार को भी इस गंभीर विषय पर तत्काल कदम उठाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि 1951 और 2011 की जनगणना के आंकड़ों की तुलना से संथाल परगना क्षेत्र में आदिवासी आबादी में 16 प्रतिशत की कमी और मुस्लिम आबादी में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह बदलाव गंभीर चिंता का विषय है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लेकिन हेमंत सरकार के "ढुलमुल रवैये" और तुष्टिकरण की राजनीति के कारण घुसपैठियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने का संदेश जा रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की कि सीमावर्ती जिलों में तत्काल डिटेंशन सेंटर स्थापित किए जाएं तथा घुसपैठियों की पहचान के लिए विशेष सत्यापन अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि इंडियन फॉरेनर्स एक्ट की संबंधित धाराओं के अनुसार संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान और सत्यापन की जिम्मेदारी जिला दंडाधिकारी की होती है। इसलिए राज्य सरकार को सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी कर व्यापक जांच अभियान शुरू करना चाहिए। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि यह केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि झारखंड की सामाजिक संरचना, स्थानीय संसाधनों, रोजगार और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच लगातार आवाज उठाती रहेगी और अवैध घुसपैठ के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026; धनबाद मंडल में चला वृक्षारोपण अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः बुधवार को धनबाद मंडल में "विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026" के अवसर पर धनबाद रेलवे स्टेशन के दक्षिणी छोर पर रेलवे प्रशासन एवं स्वयंसेवी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत स्टेशन परिसर के दक्षिणी भाग को हरित एवं स्वच्छ बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारी, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प भी लिया। इस क्रम में धनबाद मंडल के अन्य स्थानों पर भी वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। यह पहल न केवल स्टेशन परिसर की सुंदरता एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देगी, बल्कि यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करेगी।

गंगा दशहरा पर शिव मंदिर में हरि भजन और भंडारे का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

तोरपा प्रखंड स्थित नर्मदेश्वर शिव मंदिर में गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मंगलवार को हरि भजन, प्रवचन एवं भंडारे का भव्य आयोजन किया गया, जिसकी पूर्णाहुति बुधवार को हुई। कार्यक्रम में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालु शिव महिमा एवं हरि भजन-कीर्तन में भावविभोर होकर झूमते नजर आए। पूरे बासकी गांव में धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा। मंदिर समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई, जिसमें लगभग सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सदस्य राजनाथ सिंह, सुरेन्द्र सिंह, बिकमा महतो, शिवकुमार सिंह, एमपी सिंह, श्रवण सिंह, देवकुमार सिंह, काली सिंह, अर्जुन सिंह, सुदन सिंह, पंकज सिंह, राधेश्याम सिंह, प्रकाश साहू एवं नवयुवक समिति के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन मंदिर के पुरोहित मिथिलेश पाठक की ओर से गंगा आरती के साथ संपन्न कराया गया।

रांची में भाई-बहन लापता, तलाश में जुटी पुलिस, परिजनों ने लोगों से मांगी मदद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झारखंड की राजधानी रांची में बच्चों के लापता होने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के पटेल नगर का है, जहां बीते 25 मई की दोपहर से एक भाई और बहन रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हैं। पुलिस बच्चों की तलाश में लगातार छापेमारी और जांच अभियान चला रही है। लापता बच्चों की पहचान युवांश उर्फ तूफान (6 वर्ष) और उसकी बहन रोशनी कुमारी (10 वर्ष) के रूप में हुई है। बच्चों के पिता चिरंजीव महतो ने जगन्नाथपुर थाना में दोनों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। 5 मई की दोपहर दोनों बच्चे घर के आसपास खेल रहे थे, लेकिन कुछ देर बाद अचानक उनका कोई पता नहीं चला। परिवार वालों ने पहले अपने स्तर पर आसपास के इलाकों, रिश्तेदारों और परिचितों के यहां खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। जगन्नाथपुर थाना प्रभारी ने बुधवार को बताया कि पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए लगातार जांच कर रही है। आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। शुरुआती जांच में एक फुटेज में दोनों बच्चे घर से कुछ दूरी पर जाते हुए दिखाई दिए हैं। इसके बाद पुलिस उनकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए इलाके के अन्य कैमरों की भी बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस टीम रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थलों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि बच्चों के संभावित मूवमेंट का सुराग मिल सके। इसके अलावा आसपास के थानों और संबंधित एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है और बच्चों को जल्द सुरक्षित बरामद करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। इधर, बच्चों के लापता होने से परिवार गहरे सदमे में है। परिजनों ने बताया कि छह वर्षीय युवांश का इलाज भी चल रहा है, जिसके कारण उनकी चिंता और बढ़ गई है। परिवार के सदस्य लगातार बच्चों की सलामती की दुआ कर रहे हैं और हर आने-जाने वाले से जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। परिजनों ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को भी बच्चों के संबंध में कोई जानकारी मिले या वे कहीं दिखाई दें, तो तुरंत मोबाइल नंबर-9572650742 अथवा जगन्नाथपुर थाना के नंबर-9431706169 पर सूचना दें। पुलिस ने भी लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि छोटी सी जानकारी भी बच्चों तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकती है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

महारत्न डीवीसी में महा-घोटाला, नियमों को ताक पर रख लुटाए 300 करोड़

राष्ट्रीय मुख्यधाराः कुमार संजय

बोकारो थर्मल : देश के प्रतिष्ठित और सबसे पुराने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में से एक दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) में बड़े पैमाने पर वित्तीय कुप्रबंधन, गंभीर प्रशासनिक घोटालों, नियमों के क्रूर उल्लंघन और अवैध नियुक्तियों का एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। डीवीसी के पूर्व मुख्य अभियंता अशोक कुमार जैन द्वारा उठाए गए इन अत्यंत गंभीर और नीतिगत मुद्दों के बाद, राज्यसभा सांसद और केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति के वरिष्ठ सदस्य दीपक प्रकाश ने सीधे केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर को एक कड़ा पत्र लिखकर इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष केंद्रीय जांच कराने की मांग की है। सांसद ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि यह पूरा मामला एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की संस्थागत ईमानदारी, वित्तीय पारदर्शिता और व्यापक जनहित से गहराई से जुड़ा हुआ है। इस पूरे विवाद की शुरुआत डीवीसी के पूर्व मुख्य अभियंता अशोक कुमार जैन द्वारा गत 19 मई को राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश को भेजे गए एक विस्तृत और सिलसिलेवार शिकायती पत्र से हुई है, जिसने डीवीसी के गलियारों में हड़कंप मचा दिया है।

चेयरमैन और पूर्व सदस्य (वित्त) के कार्यकाल के में गंभीर वित्तीय घोटाले का आरोप-पूर्व मुख्य अभियंता ने डीवीसी के चेयरमैन एस सुरेश कुमार और पूर्व सदस्य (वित्त) अरूप सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए कई गंभीर वित्तीय घोटालों का ब्योरा दिया है। पत्र में सबसे गंभीर आरोप नकदी संकट को लेकर लगाया गया है, जिसके अनुसार अप्रैल 2026 में डीवीसी के पास अपने ही कर्मचारियों को मासिक वेतन देने तक के पैसे शेष नहीं बचे थे। इस संकट से गुपचुप तरीके से निपटने के लिए प्रबंधन ने नियमों के विरुद्ध जाकर कर्मचारियों के पेंशन फंड ट्रस्ट से पैसे निकालने का मन बना लिया था, जिससे एक बड़ा कानूनी और सामाजिक संकट खड़ा हो सकता था। हालांकि, बाद में भारी दबाव के बीच आनन-फानन में बैंकों से अल्पकालिक ऋण (शॉर्ट टर्म लोन) लेकर इस दायित्व को पूरा किया गया। इस भयंकर नकदी संकट की मुख्य वजह डीवीसी

» सांसद दीपक प्रकाश ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से की उच्च स्तरीय जांच की मांग

में एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) के लिए सैप सॉफ्टवेयर के अधूरे और दोषपूर्ण कार्यान्वयन को माना गया है, जिसके कारण कमर्शियल इंजीनियरिंग विभाग उपभोक्ताओं को समय पर बिजली बिल भेजने में पूरी तरह विफल रहा और पिछले एक साल से डीवीसी को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस कार्य की करोड़ों रुपये की जिम्मेदारी डेलॉयट कंपनी को सौंपी गई थी, जिसने तय समय सीमा में काम पूरा नहीं किया। शिकायत में यह भी संगीन आरोप है कि पूर्व सदस्य (वित्त) ने अपने पद का दुरुपयोग कर अपने ही बेटे को इसी डेलॉयट कंपनी में 60 लाख रुपये सालाना के भारी-भरकम पैकेज पर नौकरी दिलवाई, जिसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए।

आयोग की मंजूरी के बिना 300 करोड़ उड़ाए, मृत लोगों के खाते में दी पेंशन-डीवीसी प्रबंधन पर डीवीसी

अधिनियम 1948 का खुला उल्लंघन करते हुए और केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) की अनिवार्य मंजूरी के बिना ही वार्षिक प्रोत्साहन (एनुअल इंसेंटिव) के रूप में 300 करोड़ रुपये से अधिक का अनुचित व अवैध खर्च करने का आरोप है। इतना ही नहीं, मानवीय लापरवाही और मिलीभगत की हद पार करते हुए बिना लाइफ सर्टिफिकेट (जीवन प्रमाण पत्र) जमा किए ही 1207 ऐसे पेंशनभोगियों को नियमित भुगतान किया गया जो धरातल पर अस्तित्व में ही नहीं थे। बाद में आंतरिक जांच होने पर मृत पेंशनभोगियों के खातों से लगभग 35 करोड़ रुपये की राशि किसी तरह वापस तो ली गई है, लेकिन इस मामले में विभागीय और वित्तीय अनियमितताओं की गहरी जांच अभी भी जारी है। इसके साथ ही चेयरमैन, तीन बोर्ड सदस्यों और सीवीओ के लिए सरकारी पैसे से खरीदी गईं 5 चमचमाती लग्जरी गाड़ियों को बेहद मामूली और कौड़ियों के भाव शुल्क देकर अधिकारियों द्वारा स्वयं खरीद (बाय बैक) करने का एक अजीब और नियम विरुद्ध प्रस्ताव बोर्ड से पास कराया गया, जिसका पूरा ट्रांसफर खर्च भी डीवीसी द्वारा ही वहन किया जाना तय हुआ, जो सरकारी धन की खुली लूट है।

चहेतों के लिए खुले अवैध नियुक्तियों के दरवाजे-नियुक्तियों के मामले में भी डीवीसी के भीतर नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया। बिना किसी स्वीकृत पद के वर्ष 2026 में उत्पल गोस्वामी को सीधे सीनियर मैनेजर (रिन्यूएबल एनर्जी) के पद पर अवैध रूप से नियुक्त कर दिया गया। इसी तरह चेयरमैन की बेहद करीबी मानी जाने वाली अनन्या दत्ता चौधरी को भी सीनियर मैनेजर (एचआर) के पद पर बैकडोर से अवैध नियुक्ति दी गई। इसके साथ ही, डीओपीटी और सीवीसी के कड़े दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए डिप्टी जनरल मैनेजर और सीनियर मैनेजरों की धड़ाधड़ नियुक्तियां की गईं। संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) के आधार पर की जा रही नियुक्तियों में भी पारदर्शिता की भारी कमी पाई गई है। दुर्गापुर के पूर्व मेयर, जो करीब 74 वर्ष के हैं, उन्हें आधिकारिक विज्ञापन में तय 65 वर्ष की अधिकतम आयु सीमा का खुला उल्लंघन करते हुए सीवीसी और जीएफआर-2005 के नियमों को दरकिनार कर एसोसिएट कंसलटेंट (सिविल-प्रशासन) के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त कर दिया गया। इस चयन प्रक्रिया में न तो उम्मीदवारों की कुल संख्या स्पष्ट की गई और न ही मूल्यांकन का कोई सही पैमाना अपनाया गया। उन्हें दिए जा रहे वित्तीय लाभ भी उनके अंतिम आहरित वेतन के बेहद करीब हैं, जो सार्वजनिक धन का सरासर दुरुपयोग है। इसके अतिरिक्त, प्रबंधन द्वारा 26 अन्य सलाहकारों की भी इसी तरह संदिग्ध और बैकडोर नियुक्तियां की गई हैं।

31 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं चेयरमैन, बोले सांसद- साख बचाने को उच्च स्तरीय जांच जरूरी-विदित हो कि डीवीसी के वर्तमान अध्यक्ष एस सुरेश कुमार आगामी 31 मई को अपने पद से सेवानिवृत्त होने वाले हैं, जबकि डीवीसी के सदस्य (वित्त) अरूप सरकार गत 24 अप्रैल को अपना कार्यकाल डीवीसी में पूरा करने के बाद अपने मूल संगठन एनएसपीसीएल में वापस लौट चुके हैं। ऐसे में उनके जाने से ठीक पहले उजागर हुए इस महा-घोटाले ने केंद्र सरकार को भी चौकस कर दिया है। सांसद दीपक प्रकाश ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से विनम्र अनुरोध किया है कि डीवीसी जैसे गौरवशाली और देश के पहले बहुद्देशीय नदी घाटी संगठन की साख बचाने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नियमों के अनुसार अविलंब आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई शुरू की जाए। उन्होंने पुरजोर मांग की है कि एक उच्च स्तरीय विशेष जांच आयोग का गठन कर इन सभी वित्तीय और प्रशासनिक गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि देश के सार्वजनिक धन को लूटने वाले दोषियों का पता लगाकर उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक और आपराधिक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उक्त मामले की पूरी जानकारी डीवीसी के पूर्व मुख्य अभियंता अशोक कुमार जैन ने बुधवार को सीधे देश की राजधानी दिल्ली से साझा की है।

घास जैसी विनम्रता और वृक्ष जैसी सहनशीलता से ही संभव है सच्ची सेवा : आचार्य विश्वदेवानंद

» आनंदमार्गियों ने 40 गांवों के 1000 जरूरतमंदों के बीच बांटी साड़ी-धोती

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः निकटवर्ती आनंद नगर में आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल की ओर से एक विशाल सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुनीत अवसर पर आनंद नगर के आसपास के लगभग 40 गांवों के 1000 जरूरतमंद लोगों के बीच साड़ी और धोती का वितरण किया गया, साथ ही सभी आए हुए नारायणों को श्रद्धापूर्वक भोजन भी कराया गया। इस महा-अभियान का शुभारंभ आनंद मार्ग के श्रद्धेय पुरोधा प्रमुख आचार्य विश्वदेवानंद अवधूत द्वारा फीता काटकर किया गया। सभा को संबोधित करते हुए पुरोधा प्रमुख आचार्य विश्वदेवानंद अवधूत ने जीवन का मूल मंत्र देते हुए कहा कि मनुष्य को घास जैसी विनम्रता और वृक्ष के जैसा सहनशक्ति के भाव को अपने भीतर विकसित करते हुए सदैव निःस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए, क्योंकि यही मनुष्य का मूल कर्तव्य है। मौके पर विश्व स्तरीय आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल के सचिव आचार्य अभीरामानंद अवधूत और आचार्य मधुब्रतानंद अवधूत समेत केंद्रीय कार्यकारिणी के अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि बाबा श्री श्री आनंदमूर्ति जी के निर्देशानुसार सन 1965 में आनंदमार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम की स्थापना की गई थी। स्थापना के बाद से ही यह टीम विश्व के लगभग 180 देशों में संकट के समय सराहनीय कार्य कर चुकी है और अपने इन्हीं सेवा कार्यों की बदौलत इसे संयुक्त राष्ट्र संघ से भी मान्यता प्राप्त हो चुकी है। आनंद मार्ग धर्म महासम्मेलन के पावन अवसर पर संस्था के संरचनात्मक ढांचे में स्थित भुक्ति प्रधान, स्थानीय पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं एवं एसीबी आदि गृहस्थ स्वयंसेवकों की एक महत्वपूर्ण बैठक भी संपन्न हुई। इस उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता संगठन के जनरल सेक्रेटरी आचार्य प्रणवेषनंद अवधूत ने की। मौके पर शिक्षा विभाग सचिव, धर्म प्रचार सेक्रेटरी और वित्त सचिव आदि विभागीय प्रमुखों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

झारखंड के चतुर्थवर्गीय कर्मियों का फूटा दर्द, सीएम को लिखा पत्र

» राज्य गठन के 26 वर्षों बाद भी नहीं मिली प्रोन्नति, लागू हो बिहार मॉडल : सपन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड राज्य चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारी संघ ने सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक बेहद तीखा और भावुक पत्र लिखकर राज्य के निम्न तबके के कर्मचारियों की घोर उपेक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। संघ के प्रदेश महामंत्री सपन कुमार कर्मकार ने मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा है कि राज्य निर्माण से लेकर आज तक चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारियों के प्रमोशन (प्रोन्नति) की व्यवस्था को पूरी तरह बाधित रखा गया है। संघ द्वारा सालों से किए जा रहे आंदोलनों, धरना-प्रदर्शनों और अनगिनत पत्राचार के बावजूद इस निम्न वर्ग के कर्मचारियों को न्याय नहीं मिला है। कर्मचारियों ने पत्र में चेतावनी और उम्मीद के मिश्रित लहजे में मुख्यमंत्री से इस संवेदनशील मुद्दे पर अविलंब सुनवाई की गुहार लगाई है।

मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में संघ ने बेहद कड़े शब्दों में लिखा है कि एक ही महत्वपूर्ण बिंदु पर झारखंड निर्माण के बाद से लेकर आज तक हर स्तर पर आवाज उठाई गई, परंतु मांगें

पूरी होना तो दूर, सरकारी तंत्र द्वारा संघ को कोई सटीक और संतोषजनक उत्तर तक नहीं दिया जा सका। संघ ने याद दिलाया कि अविभाजित (पुराने) बिहार में चतुर्थवर्गीय कर्मियों के लिए पहले 50% और तत्पश्चात 25% पदों पर वरीयता व योग्यता के आधार पर तृतीय वर्ग (क्लर्क आदि) के रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति व प्रोन्नति की व्यवस्था सुचारू रूप से लागू थी। परंतु दुर्भाग्यवश, झारखंड अलग राज्य बनने के बाद आज तक एक भी चतुर्थवर्गीय कर्मचारी को योग्यता के आधार पर प्रोन्नति का लाभ नहीं मिल सका है।

कर्मचारी संघ ने वर्तमान बिहार सरकार के एक प्रगतिशील और कल्याणकारी फैसले का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष बिहार मॉडल की वकालत की है। पत्र में बताया गया है कि बिहार सरकार ने हाल ही में निर्णय लिया है कि चतुर्थवर्गीय कर्मियों को एक अल्प अवधि (कम समय) का विशेष प्रशिक्षण देकर, उन्हें हिंदी लिखने-पढ़ने का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कराकर सीधे तृतीय वर्ग के पदों पर पदस्थापित किया जा रहा है। वहीं, चतुर्थ वर्ग के खाली होने वाले पदों पर बाह्य स्रोत (आउटसोर्सिंग) से नियुक्ति कर कार्य लिया जा रहा है। संघ ने कहा कि बिहार सरकार की मंशा साफ है कि चतुर्थवर्गीय कर्मियों को तृतीय वर्ग में रूपांतरित कर उनके साथ वास्तविक सामाजिक न्याय प्रदान किया जाए, जबकि झारखंड में ऐसा सेवा भाव गायब है।

श्री कर्मकार ने संघ की ओर से मुख्यमंत्री से विशेष रूप से अपील की है कि झारखंड सरकार भी बिहार की तर्ज पर अविलंब कोई ठोस और पारदर्शी योजना बनाए। इसके तहत राज्य के विभिन्न विभागों में कार्यरत नियमित चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर सम्मानजनक रूप से तृतीय वर्ग के पदों पर आसीन करने की कृपा की जाए। संघ ने साफ तौर पर कहा कि अगर सरकार इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाती है, तो राज्य भर के हजारों कर्मचारी और उनका परिवार वर्तमान सरकार का सदैव आभारी रहेगा।

शांति-व्यवस्था बनाए रखने को ले -एसपी ने किया फ्लैग मार्च

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार शाम उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने जिला मुख्यालय के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान जिला कंपोजिट कंट्रोल रूम, कैंप-2, राम मंदिर, भर्रा बस्ती, चिरा चास और सिवनडीह सहित कई इलाकों में पुलिस बाइक पेट्रोलिंग के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया। इस फ्लैग मार्च में डीएसपी, बीडीओ, सीओ और डीपीआरओ सहित प्रशासन एवं पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। डीसी और एसपी ने रितुडीह से सिवनडीह कर्बला मैदान तक पैदल मार्च कर आम जनता से सीधा संवाद किया और लोगों से आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की। उपायुक्त ने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह सजग एवं प्रतिबद्ध है, और उन्होंने सभी नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किया है।

धार्मिक अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई : उपायुक्त

» बकरीद पर बोकारो में सुरक्षा के अभेद्य इंतजाम, हुड़दंगियों और अफवाहबाजों पैनी नजर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बकरीद (ईद-उल-जोहा) पर्व को पूरे जिले में शांतिपूर्ण, आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द के वातावरण में संपन्न कराने के लिए बोकारो जिला प्रशासन और पुलिस महकमा पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। समाहरणालय स्थित गरिमामयी सभागार में बुधवार को उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना द्वारा एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन (प्रेस कॉन्फ्रेंस) आयोजित कर प्रशासनिक तैयारियों का विस्तृत ब्यौरा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के समक्ष पेश किया गया। मौके पर उपायुक्त श्री झा ने अत्यंत कड़े शब्दों में कहा कि जिले की विधि-व्यवस्था और अमन-चैन को बिगाड़ने अथवा सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की धार्मिक अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस बेहद क्रूर और सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे किसी भी संदेश या फोटो को फॉरवर्ड करने से पहले उसकी सत्यता अवश्य जांच लें। प्रशासन पूरी तरह चौकस है और समाज के सभी वर्ग निर्भीक होकर आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाएं।

उपायुक्त ने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बताया कि जिले के अनुमंडल पदाधिकारियों, बीडीओ, सीओ और डीएसपी द्वारा सभी संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में लगातार फ्लैग मार्च किया जा रहा है तथा शांति समिति के माध्यम से आमजनों से सीधा जनसंवाद स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने प्रेस प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि यदि उन्हें धरातल पर किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या सूचना प्राप्त होती है, तो वे सीधे जिला नियंत्रण कक्ष या प्रशासनिक अधिकारियों के साथ साझा करें ताकि त्वरित एक्शन लिया जा सके। इसके साथ ही डीसी ने ड्यूटी पर तैनात सभी छोटे-बड़े अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि वे आम जनता, मीडियाकर्मियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के फोन कॉल्स को अनिवार्य रूप से रिसीव करें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विशेष शाखा के इनपुट पर अलर्ट हुई पुलिस, 9 क्यूआरटी टीमें संभालेंगी मोर्चा-संवाददाता सम्मेलन में सुरक्षा व्यवस्था का खाका खींचते हुए पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने बताया कि राज्य मुख्यालय की विशेष शाखा (स्पेशल ब्रांच) से प्राप्त खुफिया इनपुट को सभी थाना प्रभारियों के साथ साझा कर दिया गया है। संवेदनशील और अति-संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जिले में 9 विशेष क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) को अत्याधुनिक हथियारों के साथ रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पुलिस बल की यह विशेष तैनाती बकरीद पर्व की समाप्ति के 2 दिन बाद तक लगातार जारी रहेगी। शहर की मस्जिदों में सामूहिक नमाज अदा करने का समय शांति समितियों की बैठक में पहले ही निर्धारित किया जा चुका है, जिसकी सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन कैमरों की मदद ली जाएगी। इसके अलावा, इंटरनेट पर जहर उगलने वालों को दबोचने के लिए एक विशेष 'सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल' का गठन किया गया है जो चौबीसों घंटे हर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सतत निगरानी रख रहा है। प्रेस वार्ता के इस मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार एवं सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

247 मजिस्ट्रेटों और मिनी कंट्रोल रूम की पुख्ता व्यवस्था-बकरीद 2026 के इस पावन मौके पर पूरे जिले को सुरक्षा के लिहाज से एक मजबूत चक्रव्यूह में तब्दील कर दिया गया है। जिला मुख्यालय स्तर पर 1 मुख्य नियंत्रण कक्ष (सेंट्रल कंट्रोल रूम) स्थापित किया गया है, जबकि बेरमो अनुमंडल के तेनुघाट में 1 अलग से स्वतंत्र नियंत्रण कक्ष पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त, त्वरित जमीनी कार्रवाई के लिए जिले भर में 6 विशेष मिनी कंट्रोल रूम बनाए गए हैं, जिन्हें सिवनडीह, रितुडीह, सेक्टर-9 स्थित बसंती मोड़, चास का महावीर चौक, बेरमो थाना परिसर एवं गोमिया के साड़म में स्थापित कर चालू कर दिया गया है। चास अनुमंडल में 117 दंडाधिकारी (मजिस्ट्रेट) तथा बेरमो अनुमंडल में 114 दंडाधिकारियों की सीधे तौर पर सड़कों पर ड्यूटी लगाई गई है। किसी भी विकट स्थिति में बैकअप देने के लिए 136 सुरक्षित दंडाधिकारियों को रिजर्व रखा गया है, जबकि मुख्य नियंत्रण कक्ष के भीतर चौबीसों घंटे मॉनिटरिंग के लिए 66 अनुभवी पदाधिकारियों एवं कर्मियों की तैनाती की गई है।

तेज आंधी-पानी और ओलावृष्टि में बिजली के तार टूटे, दुकानों के शेड उड़े

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल एवं इसके आसपास के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बुधवार को दोपहर 2 बजे के बाद मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। तेज कड़कड़ाहट के साथ आई आंधी-पानी और इसके साथ ही हुई ओलावृष्टि (बर्फ गिरने) से जहां पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप से आम जनजीवन को काफी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर इस तेज आंधी के कारण क्षेत्र में आंशिक नुकसान भी हुआ है। आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि कई जगहों पर बिजली के पुराने पोल और तार क्षतिग्रस्त हो गए, जिसके चलते पूरे इलाके की बिजली सप्लाई कई घंटों के लिए पूरी तरह ठप हो गई। दोपहर बाद आई इस तेज आंधी और मूसलाधार बारिश के कारण गोविंदपुर डी पंचायत सचिवालय रोड वाली कॉलोनी में एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। यहां बंच केबल लगाने के लिए गाड़े गए नए पोल से टकराकर पुराने बिजली सप्लाई वाले पोल के दो मुख्य तार आपस में टकरा गए। तारों के टकराने से जोरदार फ्लैशिंग (चिंगारी) हुई और तार टूटकर जमीन पर आ गिरे। गनीमत रही कि उस समय सड़क पर कोई मौजूद नहीं था। हालांकि, इन तारों के टूटने के कारण पूरी कॉलोनी के एक बहुत बड़े भाग की बिजली सप्लाई पूरी तरह बाधित हो गई, जिसे ठीक करने में विभाग को काफी मशक्कत करनी पड़ी। दूसरी ओर, आंधी का असर डीवीसी के फास्ट फूड मार्केट में भी देखने को मिला। एक फास्टफूड दुकान के ऊपर लगी तीन एस्बेस्टस शीट तेज आंधी के झोंके में हवा में उड़ गईं, जिससे दुकान के भीतर रखे सामान को नुकसान हुआ।

बोकारो की स्नेहा बनीं 'मिसेज इंडिया एशिया 2026' की द्वितीय उपविजेता

» डीसी ने दी बधाई, कहा- अब जिले की महिलाओं को करेंगी प्रेरित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः अपनी बुद्धिमत्ता, सौम्यता और आत्मविश्वास के दम पर बोकारो स्टील सिटी की बहू स्नेहा गुप्ता ने न केवल जिले का, बल्कि पूरे झारखंड का मान राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया है। जमशेदपुर में आयोजित प्रतिष्ठित मिसेज इंडिया एशिया 2026 प्रतियोगिता में स्नेहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय उपविजेता का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया। एक उद्यमी, गृहिणी और होटल व्यवसायी के रूप में बहुआयामी प्रतिभा की धनी स्नेहा की यह उपलब्धि बोकारो के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। बुधवार को स्नेहा गुप्ता ने बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा से गोपनीय शाखा कार्यालय कक्ष में मुलाकात की। इस अवसर पर उपायुक्त ने उन्हें इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। डीसी ने स्नेहा की उपलब्धि की सराहना करते हुए एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि स्नेहा गुप्ता को जिले के विभिन्न प्रखंडों का भ्रमण कर स्वयं सहायता समूह की दीदियों और अन्य महिलाओं को जागरूक और प्रेरित करना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर सकें।

12 कठिन चरणों में दिखाया जलवा, मिलीं विशिष्ट उपाधिया-जमशेदपुर के द क्रूज में एमवी प्रोडक्शन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान कुल 12 चुनौतीपूर्ण चरण आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिभा प्रदर्शन, राष्ट्रीय परिधान, साक्षात्कार, सामान्य ज्ञान, खेल, प्रश्नोत्तर और मंच संचालन सहित कई व्यक्तित्व-आधारित चरण शामिल थे। प्रत्येक चरण में स्नेहा गुप्ता ने अपनी बुद्धिमत्ता, आत्मविश्वास और प्रभावशाली मंच प्रस्तुति का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि इस प्रतिष्ठित खिताब को हासिल करने से पहले, स्नेहा गुप्ता को मिसेज इंटेलिजेंट, मिसेज एक्टिव, मिसेज बेस्ट कॉस्ट्यूम और मिसेज चार्मिंग जैसी कई विशेष उपाधियां भी प्रदान की जा चुकी हैं, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और कड़ी मेहनत का प्रमाण हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

करंट लगने से मजदूर की मौत, परिजनों ने बिजली विभाग की लापरवाही को बताया हादसे की वजह

धनबादः धनबाद के मनियाडीह थाना क्षेत्र स्थित जीतपुर में करंट लगने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान 39 वर्षीय टेकलाल मंडल के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों ने बिजली विभाग की लापरवाही को हादसे की वजह बताया है।

जानकारी के अनुसार घर के बाहर 220 वोल्ट का एलटी तार नीचे गिरा हुआ था। बुधवार को टेकलाल मंडल जैसे ही घर से बाहर निकले, वह तार की चपेट में आ गए। करंट लगते ही वह जमीन पर गिर पड़े और छटपटाने लगे। आसपास मौजूद लोग और परिजन उन्हें बचाने के लिए दौड़े। काफी मशक्कत के बाद किसी तरह उन्हें तार से अलग किया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक के भाई गोखुल मंडल ने बताया कि तार काफी देर से नीचे गिरा हुआ था। सुबह घर से बाहर निकलते ही टेकलाल उसकी चपेट में आ गए। उन्होंने कहा कि अगर बिजली विभाग समय पर ध्यान देता तो यह हादसा नहीं होता। परिजनों ने विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

घटना के बाद परिजन शव ले कर धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल पोस्टमार्टम करने पहुंचे। बताया जा रहा है कि मृतक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

धनसार थाना कांड में एसआईटी की कार्रवाई, नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी बिहार से गिरफ्तार

धनबादः धनबाद के धनसार थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले में फरार चल रहे आरोपी लवकुश कुमार यादव को पुलिस ने बिहार के नवादा जिले से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज था। पुलिस ने तकनीकी और गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की है।

धनबाद डीएसपी (लॉ एंड ऑर्डर) प्रकाश सोय ने बुधवार को जानकारी देते हुए कहा कि 4 मई 2026 की शाम धनसार थाना को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए धनसार थाना में कांड संख्या 75/2026 दर्ज किया गया। आरोपी लवकुश कुमार यादव के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर छापेमारी शुरू की गई। हालांकि शुरुआती कार्रवाई के दौरान आरोपी अपने घर से फरार मिला।

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष एसआईटी टीम का गठन किया गया। टीम ने लगातार तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को बिहार के नवादा जिला अंतर्गत रजौली थाना क्षेत्र के लेंगुरा तुलसीबीघा गांव से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी को धनसार थाना लाकर पूछताछ की गई, जहां उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान लवकुश कुमार यादव, पिता सहदेव यादव, निवासी न्यू दिल्ली कॉलोनी, धनसार थाना क्षेत्र, धनबाद के रूप में हुई है। उसका स्थायी पता बिहार के नवादा जिला अंतर्गत लेंगुरा तुलसीबीघा बताया गया है। इस छापेमारी अभियान में धनसार थाना प्रभारी मनोहर करमाली समेत कई पुलिस अधिकारी और सशस्त्र बल शामिल थे।

डीडीसी ने तोपचांची प्रखंड के विभिन्न विकास कार्यों का किया निरीक्षण

» निर्माण कार्य में अनियमितता मिलने पर संवेदक को लगाई कड़ी फटकार

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

तोपचांची (धनबाद): उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने बुधवार को तोपचांची प्रखंड अंतर्गत विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं संवेदकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने सर्वप्रथम ब्राह्मणडीहा पंचायत स्थित चरकोनिया तालाब एवं बड़का तालाब का निरीक्षण किया। इस दौरान तालाब के मेढ़ पर शीघ्र वृक्षारोपण कराने, तालाब के इनलेट की साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा तालाब के बीच में मौजूद बोल्डर को ग्रामीणों की सुरक्षा के मद्देनजर अविलंब हटाने तथा योजनास्थल पर शिलापट्ट लगाने का निर्देश दिया।

इसके उपरांत प्राथमिक विद्यालय सहुबहियार एवं मध्य विद्यालय चिरूडीह का निरीक्षण किया। संबंधित संवेदक को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर विद्यालय प्रबंधन को हैंडओवर करने का निर्देश दिया। दोनों विद्यालय परिसरों में जहां-जहां गड्ढे हैं वहां मिट्टी भराई कराने को कहा। जबकि मध्य विद्यालय चिरूडीह में नव निर्मित बालिका शौचालय में पानी की सुविधा उपलब्ध कराने का मुखिया को 15वें वित्त आयोग मद से जल कनेक्शन कराने का निर्देश दिया।

उप विकास आयुक्त ने तोपचांची स्थित प्रोजिनी नर्सरी का भी भ्रमण किया। जहां उद्यान पदाधिकारी को मॉडल डीपीआर तैयार कर उद्यान को एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया। सुकुडीह एवं घुंगसा पंचायत में मत्स्य योजना से लाभान्वित लाभुकों के यहां संचालित विभिन्न प्रकार के मत्स्य पालन कार्यों का निरीक्षण किया। इस क्रम में लाभुकों से संवाद कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। इसके अतिरिक्त कृषि पदाधिकारी के साथ खेसमी पंचायत में संचालित ड्रिप सिंचाई, सोलर पंप एवं प्रोटेक्टेड हॉर्टिकल्चर योजनाओं का भी निरीक्षण किया।

तोपचांची स्थित प्री-फेब्रिकेटेड डायलिसिस यूनिट का निरीक्षण करते हुए उप विकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आमजन के लिए सेवा प्रारंभ करने का निर्देश दिया। वहीं तोपचांची जल शोधन संयंत्र (वाटर ट्रीटमेंट प्लांट) का भी निरीक्षण कर ग्रामीणों के लिए पेयजल आपूर्ति को सुचारु रूप से संचालित करने का निर्देश दिया। वहीं गुनगुसा एवं सुकुडीह ग्राम में अधिष्ठापित दो बायोफ्लॉक तालाब, 7 टैंक बायोफ्लॉक तथा खदान में केज कल्चर योजनाओं का निरीक्षण किया।

भ्रमण के अंतिम चरण में उप विकास आयुक्त ने चालकारी पंचायत में जिला परिषद मद से निर्माणाधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में अनियमितता पाए जाने पर उप विकास आयुक्त ने संवेदक को कड़ी फटकार लगाई तथा गुणवत्ता में सुधार नहीं होने पर भविष्य में कार्य आवंटित नहीं किए जाने की चेतावनी दी।

निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

राज सिन्हा के प्रयासों से भूली बी ब्लॉक में जलापूर्ति बहाल, स्थानीय लोगों को मिली राहत

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद जिले के भूली बी ब्लॉक के निवासी विगत कई दिनों से जलापूर्ति की गंभीर समस्या से जूझ रहे थे, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित था। स्थानीय निवासियों की इस पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने संबंधित विभागों और अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर समस्या के समाधान हेतु त्वरित पहल की।

विधायक राज सिन्हा ने रेलवे के डीआरएम से वार्ता कर जोड़िया नदी में बाधित जल निकासी को सुचारु कराया। साथ ही, बीसीसीएल प्रबंधन के साथ निरंतर संवाद स्थापित कर क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य पूर्ण करवाया। विधायक के सतत प्रयासों और विभागीय समन्वय के परिणामस्वरूप आज से क्षेत्र में पुनः जलापूर्ति बहाल हो गई है, जिससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

भूली मंडल अध्यक्ष मनोज गुप्ता और संकट मोचन पांडेय ने कहा कि जनसमस्याओं के त्वरित निदान हेतु विधायक राज सिन्हा को सूचना मिलते ही वे पूरी संवेदनशीलता के साथ सक्रिय हो गए थे। भीषण गर्मी में गंभीर जलसंकट के कारण लोगों का जीवन दूभर हो गया था, लेकिन अब जलापूर्ति बहाल होने से भूली वासियों को बड़ी राहत मिली है।

इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि जनता की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी हर समस्या का त्वरित समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने दोहराया कि धनबाद की जनता के विश्वास, सुविधा और सम्मान की रक्षा के लिए वे सदैव समर्पित हैं।

इस दौरान जिला मंत्री मौसम सिंह, मंडल अध्यक्ष मनोज गुप्ता, नीलुकांत सिन्हा, सत्येंद्र ओझा, सुमन सिंह, संकट मोचन पांडेय, प्रयाग रविदास, मनोज प्रमाणिक, निर्मल प्रधान, मनोज मालाकार सहित अन्य कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

साधु बनकर पहुंचे ठग, महिला के गहने लेकर फरार, ग्रामीणों ने तीनों को दबोचा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

मैथन (धनबाद): धनबाद जिले के मैथन ओपी क्षेत्र में साधु का भेष बनाकर महिलाओं को ठगी का शिकार बनाने वाले तीन युवकों को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोप है कि तीनों युवकों ने पूजा-पाठ और टोना-टोटका के नाम पर एक महिला को झांसे में लेकर उसके सोने के आभूषण और पैसे ठग लिए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सतर्कता से तीनों आरोपियों को भागने के दौरान पकड़ लिया गया। फिलहाल मैथन पुलिस तीनों से पूछताछ कर पूरे मामले की जांच में जुटी है।

भुक्तभोगी महिला अंजू मंडल के अनुसार तीनों युवक साधु के वेश में उसके घर पहुंचे थे। पानी पीने के बहाने घर में प्रवेश करने के बाद उन्होंने धार्मिक बातें शुरू कीं और कहा कि घर के गहनों को मंत्र पढ़कर शुद्ध करने से परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और किसी प्रकार की परेशानी नहीं आएगी। साधु के भेष और मीठी बातों में आकर महिला ने अपने जेवरात और कुछ पैसे निकालकर उन्हें दे दिए। आरोपियों ने गहनों को कपड़े में बांधने का नाटक किया और महिला को एक साड़ी में गांठ बांधकर थमा दिया। कुछ देर बाद महिला को शक हुआ। उसने पड़ोस की महिलाओं को बुलाकर गांठ खुलवाई तो उसमें गहने नहीं थे। इसके बाद महिला ने शोर मचाया, जिस पर आसपास के लोग जुट गए और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। ग्रामीणों ने पीछा करते हुए गैलेक्सी सिटी के पास ऑटो से भाग रहे तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। लोगों ने तीनों को रोककर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची मैथन पुलिस आरोपियों को हिरासत में लेकर थाना ले गई। बताया जा रहा है कि पकड़े गए तीनों युवक बिहार के रहने वाले हैं।

मैथन पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपियों ने इससे पहले भी क्षेत्र में इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया है या नहीं। पुलिस तीनों से लगातार पूछताछ कर रही है और उनके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

तेजाब पीड़िता के बच्चों को ऐशिका फाउंडेशन ने दिलाया संरक्षण, एक बच्ची अब भी लापता

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / गोड्डाः ललमटिया थाना क्षेत्र में तेजाब पीड़िता पिंकी देवी के बच्चों को लेकर चल रहे विवाद में धनबाद की अग्रणी सामाजिक संस्था ऐशिका फाउंडेशन ने हस्तक्षेप कर चार बच्चों को उनके मामा के सुपुर्द कराया। वहीं परिवार की सबसे बड़ी बच्ची की तलाश अब भी जारी है।

जानकारी के अनुसार, पिंकी देवी पर उसके पति प्रदीप वर्मा द्वारा तेजाब डालने का आरोप है। साथ ही आरोप है कि प्रदीप वर्मा और उसके भाइयों द्वारा बच्चों को डरा-धमकाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। पीड़िता के भाई मुन्ना वर्मा ने बताया कि पिछले दो दिनों से वह बच्चों की तलाश में रिश्तेदारों के यहां भटक रहे थे, लेकिन हर बार उन्हें गुमराह किया जा रहा था। कभी बच्चों के बड़े चाचा संजय वर्मा के पास होने की बात कही जाती, तो कभी धनंजय वर्मा के पास होने की जानकारी दी जाती थी।

बच्चों का पता नहीं चलने पर मामा मुन्ना वर्मा ने ऐशिका फाउंडेशन से मदद की गुहार लगाई। इसके बाद संस्था की टीम ललमटिया थाना पहुंची और थाना प्रभारी रौशन सिंह से मुलाकात कर मामले की जानकारी दी। संस्था के अनुरोध पर थाना प्रभारी ने एक एसआई को टीम के साथ धनंजय वर्मा के घर भेजा।

बताया गया कि वहां धनंजय वर्मा मौजूद नहीं था, जबकि उसके एक रिश्तेदार ने बच्चों को घर के अंदर छिपाकर रखा था। काफी बातचीत के बाद संस्था की टीम ने चार बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनके मामा मुन्ना वर्मा को सौंप दिया।

बरामद बच्चों में संजना कुमारी (10 वर्ष), संदीप कुमार वर्मा (8 वर्ष), दीपिका कुमारी (6 वर्ष) और लक्ष्मी कुमारी (4 वर्ष) शामिल हैं। वहीं पिंकी देवी की सबसे बड़ी 12 वर्षीय बेटी संध्या की तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि वह अपनी बुआ के पास आसनसोल में हो सकती है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

फाउंडेशन के तरफ से अध्यक्ष बबीता स्वर्णकार, मीडिया प्रभारी विकास कुमार वर्मा, सदस्य पूजा झा, भावना ध्रुव, सुनीता देवी एवं सोनी देवी ने अहम भूमिका निभाई।

धनबाद के चौधरी स्वीट्स में भीषण अग्निकांड, लाखों की संपत्ति खाक, फायर ब्रिगेड ने पाया आग पर काबू

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद के बैंकमोड़ थाना क्षेत्र स्थित केंद्रीय गुरुद्वारा के सामने मौजूद चौधरी स्वीट्स में बुधवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में दुकान का सारा सामान जलकर राख हो गया। दुकान संचालक ने करीब पांच लाख रुपये के नुकसान का दावा किया है। फिलहाल आग लगने के कारणों को लेकर अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं और फायर ब्रिगेड मामले की जांच में जुट गई है।

बताया जा रहा है कि सुबह करीब सात बजे अचानक चौधरी स्वीट्स की दुकान से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी।

मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने काफी देर तक मशक्कत कर आग पर काबू पाया। दुकान के संचालक बबलू ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। दुकान में रखा सारा सामान जल गया। करीब पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि दुकान में तेल गर्म करने के दौरान गैस सिलेंडर लीक होने से आग लगी है। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि दुकान के बाहर अवैध रूप से बड़े-बड़े चूल्हे लगाए जाते हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। आक्रोशित लोगों ने कहा कि दुकान के ऊपर बुजुर्ग दंपति रहते हैं। अगर आग ज्यादा फैल जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्रशासन को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और अवैध तरीके से लगाए गए चूल्हों की जांच की मांग की है। फिलहाल फायर ब्रिगेड और प्रशासन आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच में जुटे हुए हैं।

आयुष्मान भारत योजना में अनियमितता मिलने पर निजी अस्पतालों को जुर्माना जमा करने का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में बुधवार को आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के लिए गठित जिला शिकायत निवारण समिति (डीजीआरसी) की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में निजी अस्पतालों द्वारा आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रस्तुत दावों में से कुछ दावों को नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट ने जांचोपरांत खारिज कर दिया था। उपायुक्त ने वैसे खारिज दावों की विस्तृत समीक्षा की।

इस क्रम में उपायुक्त ने नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट द्वारा जेपी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के 28, सर्वमंगला नर्सिंग होम के 18, एशियन द्वारकादास जालान अस्पताल के 4, आरोग्य नर्सिंग होम के 4, राज क्लिनिक एंड रिसर्च सेंटर के 3 तथा लाइफ लाइन अस्पताल के 2 खारिज दावों की समीक्षा की।

समीक्षा के बाद उपायुक्त ने कहा कि आयुष्मान भारत - मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वास्थ्य सेवा प्रदाता और लाभार्थी इसके दुरुपयोग से मुक्त रहे। उन्होंने कहा कि नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट ने जांचोपरांत जिन मामलों को फ्लैग किया है उन मामलों में संबंधित निजी अस्पतालों से आयुष्मान भारत योजना के नियमानुसार जुर्माना जमा कराएं।

बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ.संजीव कुमार प्रसाद, डॉ.विकास कुमार राणा, आयुष्मान योजना के जिला समन्वयक निशांत राज, क्लस्टर हेड रुपेश सिंह, डीपीसी निवास कुमार तथा निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

आर्ट ऑफ लिविंग के 'अंतर्ज्ञान उत्सव' में झारखंड के 50 बच्चों ने लिया भाग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः आर्ट ऑफ लिविंग के 'अंतर्ज्ञान उत्सव' ने मानव संभावनाओं के क्षेत्र में रचा एक ऐतिहासिक अध्याय, 11,000 से अधिक बच्चे और अभिभावक बने इस अद्भुत आयोजन के सहभागी। इनमें 50 ऐसे बच्चे भी शामिल रहे जिन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हो चुका है। झारखंड के 50 बच्चों ने भारत के सबसे बड़े अंतर्ज्ञान आयोजन में लिया भाग। मानव चेतना और अंतर्ज्ञान की विलक्षण क्षमताओं के अभूतपूर्व प्रदर्शन के रूप में उभरे इस विराट आयोजन में आर्ट ऑफ लिविंग के 'इंट्यूशन प्रोसेस' से जुड़े 11,000 से अधिक बच्चे और उनके अभिभावक आर्ट ऑफ लिविंग अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में एकत्रित हुए। ध्यान, विज्ञान, आनंद और मानवीय संभावनाओं के अद्वितीय अनुभवों से परिपूर्ण यह दिन सभी के लिए विस्मयकारी रहा।

इस भव्य आयोजन में बच्चों ने आंखों पर पट्टी बांधकर पढ़ना, स्मरण-आधारित गतिविधियाँ, तीव्र पैटर्न पहचान, ब्लाइंडफोल्ड टिक-टैक-टो, चित्रों की हूबहू प्रतिकृति बनाना जैसी अनेक अंतर्ज्ञानात्मक क्षमताओं का प्रदर्शन किया किन्तु जिसने उपस्थित जनसमूह को सर्वाधिक आश्चर्यचकित किया, वह था 50 बच्चों का आश्रम परिसर की घुमावदार सड़कों और मोड़ों पर आंखों पर पट्टी बांधकर साइकिल चलाना। यह सब आर्ट ऑफ लिविंग के 'इंट्यूशन प्रोसेस' में सिखाई गई नियमित साधनाओं के अभ्यास का परिणाम था।

दृश्य भले ही जादुई प्रतीत हो रहे थे, परंतु ये सब केंद्रित जागरूकता, ध्यान, श्वास-प्रक्रियाओं, भावनात्मक संतुलन और उन्नत संवेदनशीलता के माध्यम से भीतर निहित अंतर्ज्ञान शक्ति को पुनः जागृत करने का परिणाम मात्र थे।

श्री श्री रविशंकर गुरुदेव ने कहा कि, "बच्चों तक यह ज्ञान और प्रज्ञा पहुँचाकर आप इतिहास रच रहे हैं और मानव विकास के एक नए अध्याय का उद्घाटन कर रहे हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में हम 'पूर्ण चेतना' का पोषण कर रहे हैं। इस आंदोलन का हिस्सा बनने के लिए प्रत्येक अभिभावक प्रशंसा का पात्र है।"

उन्होंने बच्चों से कहा, "आप इस संसार की वास्तविक प्रतिभाएँ हैं।

भविष्य यहीं आकार ले रहा है। वैज्ञानिक, कलाकार और विभिन्न क्षेत्रों के लोग आपकी क्षमताओं को देखकर विस्मित हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

खाद्य आपूर्ति विभाग के उप सचिव ने किया गोदाम ओर दुकानों का निरीक्षण

गोला। झारखंड सरकार के खाद्य आपूर्ति विभाग के उप सचिव जेसी विनीता केरकेट्टा ने बुधवार को गोला प्रखंड का दौरा किया।इस दौरान उन्होंने सबसे पहले प्रखंड मुख्यालय स्थित आपूर्ति कार्यालय पहुंची।इसके बाद प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से जानकारी ली।इसके बाद प्रखंड मुख्यालय स्थित गोदाम का निरीक्षण की। यहां उन्होंने डीलरो को की जा रही चावल,गेहूं,चना दाल, नमक आदि चीजों के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हुए होम डिलीवरी करने का निर्देश दिया।इसके बाद कुसुमडीह ओर मैंनरोड स्थित मौजीलाल साव और धनंजय ओझा के पीडीएस दुकानों की जांच की। यहां पर उन्होंने स्टॉक रजिस्टर ओर वितरण पंजी की जांच की।तथा दुकानदारों को समय पर राशन वितरण करने का निर्देश दिया।मौके पर एमओ दीपक कुमार राय,विधायक प्रतिनिधि जाकिर अख्तर,जिला अध्यक्ष अमर लाल महतो,विजय महतो, बीस सूत्री सदस्य आलम अंसारी आदि

हाथी से बचाव के लिए ग्रामीणों को किया गया प्रशिक्षित

गोला। वन क्षेत्र पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बुधवार को वनक्षेत्र कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस दौरान आए दिन क्षेत्र में जंगली हाथियों के हमलों को रोकने के लिए ओर उससे बचाव के लिए चोपादारु ,सुतरी, डूमरडीह, रोला के ग्रामीणों को हाथी से बचाव हेतु प्रशिक्षण दिया गया। एवं मशाल का वितरण किया गया।मौके पर रेंजर ने कहा कि हाथी के गांव में आने से ग्रामीण घबराए नहीं।ओर विभाग द्वारा दिए गए उपकरण के सहारे उसे गांव से बाहर निकाला जा सकता है।साथ ही इसकी सूचना विभाग को तुरंत देनी चाहिए।जिससे कि समय रहते हाथी भगाओ दस्ता को भेजा जा सकता है।मौके पर वनरछी मनीष कुमार शर्मा,शिवशंकर कुमार,दीपक सिंहा,योगेंद्र कुमार,दीपक दास,मनोज महतो, त्रिलोचन महतो, योगेश मुर्मू, हीरालाल महतो आदि मौजूद थे।

कुणाल बरनवाल ने घायल शंकर की मदद कर पेश की मानवता की मिसाल

डुमरीः निमियाघाट क्षेत्र के समाजसेवी कुणाल बरनवाल ने मानवता की मिसाल पेश की है। उन्होंने निमियाघाट निवासी शंकर कुमार की मदद के लिए आगे आकर सराहनीय कार्य किया। कुछ दिन पूर्व शंकर कुमार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सूचना मिलते ही कुणाल बरनवाल ने तुरंत उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया और उनके इलाज की पूरी व्यवस्था करवाई। शंकर कुमार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कुणाल बरनवाल ने उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान की। इस मदद के लिए शंकर कुमार के छोटे भाई करण कुमार ने कुणाल बरनवाल का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुश्किल घड़ी में मिली यह सहायता उनके परिवार के लिए बड़ी राहत है।

आज सिवनडीह एनएच-23 पर भारी वाहनों की नो-एंट्री, रूट परिवर्तित

बोकारो : बकरीद के दिन यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और नमाजियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु चास की अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) श्रीमती प्रांजल ढांडा द्वारा एक विशेष निषेधाज्ञा और ट्रैफिक आदेश जारी किया गया है। जारी सरकारी आदेश के अनुसार 28 मई 2026 को माराफारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सिवनडीह एनएच-23 मार्ग पर बहुत बड़ी संख्या में अकीदतमंदों के नमाज अदा करने हेतु आने-जाने की संभावना है, जिसे देखते हुए भारी मालवाहक वाहनों (ट्रकों और डंपरों) के परिचालन पर अस्थायी रूप से पूर्ण रोक लगा दी गई है। प्रशासन द्वारा जारी नए रूट चार्ट के अनुसार, आईटीआई मोड़ से बालीडीह की ओर जाने वाले तमाम भारी मालवाहक वाहनों को तेलीडीह हाईवे चौक के पास ही रोक दिया जाएगा। इसी प्रकार, नया मोड़ से बालीडीह की ओर जाने वाले भारी ट्रकों को उकरीद मोड़ हाईवे के पास ही रोक कर खड़ा किया जाएगा। इसके अलावा, पेटरवार की दिशा से आईटीआई मोड़ की तरफ आने वाले सभी भारी वाहनों को जरीडीह टोल प्लाजा एवं बालीडीह स्टेशन मोड़ के पास अस्थायी रूप से रोक दिया जाएगा, ताकि शहर के भीतर जाम और दुर्घटना की स्थिति न बने।

डीवीसी सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ की तदर्थ कमेटी गठित, मो. मोइनुद्दीन बने अध्यक्ष

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी मजदूर संघ कार्यालय में बुधवार को डीवीसी के पेंशनभोगियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए डीवीसी सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ (संबद्ध भारतीय मजदूर संघ एवं अखिल भारतीय विद्युत सेवानिवृत्त कर्मचारी महासंघ) की एक अस्थाई (तदर्थ) कमेटी का विधिवत गठन किया गया। इस विशेष बैठक की अध्यक्षता संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अर्घा बासु ने की। बैठक में भारी संख्या में पहुंचे सेवानिवृत्त कर्मियों ने संगठन की मजबूती और पेंशनरों के हितों को लेकर अपने विचार साझा किए। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर गठित की गई नई तदर्थ कमेटी में मो. मोइनुद्दीन को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया है। उनके मनोनयन पर उपस्थित सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। इसके अलावा संगठन को मजबूती देने के लिए बीरेन्द्र गिरि एवं मो. मनानुद्दीन को उपाध्यक्ष, शांति सामन्ता को सचिव तथा सकलदेव पासवान को महत्वपूर्ण कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त इस पूरी कमेटी को अखिल भारतीय विद्युत सेवानिवृत्त कर्मचारी महासंघ (झारखंड व पश्चिम बंगाल) के प्रांतीय संयोजक राजदेव सिंह ने तत्काल प्रभाव से अपनी आधिकारिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। कमेटी में कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में मो. नसीरुद्दीन, मो. अवरुल हक, शीला शर्मा, बिना देवी, मो. हासिम अंसारी और मो. यूसुफ अंसारी को शामिल किया गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से संकल्प दोहराते हुए कहा कि वे सेवानिवृत्त कर्मचारियों और बुजुर्ग पेंशनधारियों के हक व हितों की रक्षा करने तथा चिकित्सा व पेंशन से जुड़ी उनकी हर छोटी-बड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस नवगठित कमेटी की प्रतिलिपि संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों सहित डीवीसी कोलकाता मुख्यालय और बोकारो थर्मल के उच्च प्रबंधन को भी सूचनार्थ व आवश्यक कार्यार्थ भेज दी गई है।

अब सांस की नली में फंसा सिक्का या बीज पलक झपकते ही निकालेगा 'रिजिड ब्रोंकोस्कोप'

बीजीएच के ईएनटी विभाग में आई अत्याधुनिक जीवनरक्षक मशीन, दूसरे शहरों में भागने से मिलेगी मुक्ति

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : आपातकालीन और जीवनरक्षक चिकित्सा के क्षेत्र में इस्पातनगरी के प्रतिष्ठित बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) ने एक और बहुत बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। अस्पताल के कान, नाक एवं गला (ईएनटी) विभाग के बेड़े में अब रिजिड ब्रोंकोस्कोप नाम का एक विशेष अत्याधुनिक और संवेदनशील उपकरण शामिल हो चुका है। यह आधुनिक मशीन उन बेहद खौफनाक और आपातकालीन स्थितियों में स्थानीय मरीजों के लिए साक्षात वरदान साबित होगी, जब किसी अनहोनी के कारण मरीज के गले या सांस की नली में कोई बाहरी वस्तु (फॉरेन बॉडी) अचानक फंस जाती है और चंद मिनटों में ही दम घुटने के कारण जान पर बन आती है। बोकारो जनरल अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा इस अत्याधुनिक उपकरण का सफल इस्तेमाल कान, नाक एवं गला विभाग में मरीजों की जरूरत के मुताबिक पूरी मुस्तैदी के साथ शुरू भी कर दिया गया है, जो चिकित्सा जगत के लिए एक बड़ी राहत की खबर है।

5 वर्ष से कम उम्र के मासूम बच्चों को सबसे ज्यादा खतरा- चिकित्सीय आंकड़ों और सामान्य अनुभवों के अनुसार, आमतौर पर 5 साल से कम उम्र के छोटे और अबोध बच्चों में यह जानलेवा समस्या सबसे ज्यादा देखी जाती है। बच्चे अक्सर घरों में खेल-खेल के दौरान छोटे सिक्के, प्लास्टिक के छोटे खिलौने, फल या सब्जियों के कड़े बीज, बटन अथवा अन्य हानिकारक नुकीली चीजें अनजाने में अपने मुंह में डाल लेते हैं। यह चीजें मुंह से सरककर सीधे उनकी सांस की नली में जाकर पूरी तरह से

फंस जाती हैं। बीजीएच के वरिष्ठ डॉक्टरों के मुताबिक, यह स्थिति पल भर में बेहद संवेदनशील और डरावनी हो जाती है क्योंकि इससे फेफड़ों तक जाने वाला हवा का मुख्य रास्ता (एयर पैसेज) पूरी तरह से ब्लॉक हो जाता है और ऑक्सीजन की कमी से मरीज की सांसें टूटने लगती हैं। केवल मासूम बच्चे ही नहीं, बल्कि कई बार वयस्क और बुजुर्ग लोग भी अनजाने में या जल्दबाजी में खाना खाते समय इस तरह के गंभीर हादसों का शिकार हो जाते हैं।

बिना किसी चीर-फाड़ के दूरबीन तकनीक से मिलेगी राहत-अब ऐसी किसी भी आपात स्थिति या जानलेवा हादसे के वक्त बोकारो और आसपास के जिलों के निवासियों को रांची या दूसरे राज्यों के बड़े अस्पतालों की ओर भागने की रत्ती भर भी आवश्यकता नहीं है। ऐसी स्थिति होने पर मरीज को बिना एक भी सेकंड गंवाए तुरंत बोकारो जनरल अस्पताल के ईएनटी विभाग में लाया जा सकता है। इस अत्यंत जटिल आपातकालीन प्रक्रिया के दौरान सबसे पहले मरीज को पूरी बेहोशी (जनरल एनेस्थीसिया) दी जाती है ताकि उसे दर्द का अहसास न हो। इसके बाद अस्पताल के कुशल सर्जन 'रिजिड ब्रोंकोस्कोप' के जरिए आधुनिक दूरबीन विधि का उपयोग करके सांस की नली के भीतर गहराई में उतरते हैं और वहां फंसी हुई वस्तु को बिना किसी बड़े चीरे या ऑपरेशन के, बेहद सुरक्षित तरीके से पकड़कर बाहर निकाल लेते हैं।

अभिभावकों से डॉक्टरों की विशेष अपील - बच्चों पर रखें कड़ी नजर-बीजीएच में इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की हाईटेक सुविधा के विधिवत शुरू होने से अब स्थानीय निवासियों को ऐसे संवेदनशील मामलों में समय रहते उचित और बेहद किफायती चिकित्सीय मदद मिल सकेगी। इस बड़ी तकनीकी सफलता के बीच बीजीएच के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सभी अभिभावकों से एक विशेष और जागरूक अपील भी की है। डॉक्टरों ने कहा है कि माता-पिता अपने छोटे बच्चों की गतिविधियों पर हमेशा कड़ी नजर रखें और उनके आसपास छोटे सिक्के, बटन या नुकीले खिलौने बिल्कुल न छोड़ें। इसके बावजूद यदि दुर्भाग्य से कभी ऐसी कोई आपात स्थिति उत्पन्न हो भी जाती है, तो घबराने या घरेलू नुस्खों में समय बर्बाद करने के बजाय पूरे धैर्य के साथ तुरंत मरीज को अस्पताल के ईएनटी विभाग लेकर आएं, क्योंकि अब बीजीएच का आधुनिक तंत्र ऐसी हर चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बकरीद को लेकर जामताड़ा पुलिस अलर्ट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : आगामी त्यौहार ईद-उल-अजहा (बकरीद) को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक शम्भू कुमार सिंह ने जिले के विभिन्न थाना, ओपी एवं पुलिस प्रतिष्ठानों का भ्रमण कर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसरों, सुरक्षा व्यवस्था, गश्ती व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती एवं संवेदनशील क्षेत्रों की जानकारी ली। साथ ही संबंधित थाना प्रभारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए त्योहार के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष

सतर्कता बरतने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, असामाजिक गतिविधि एवं सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के साथ-साथ नियमित गश्ती एवं चौकसी बढ़ाने का भी निर्देश दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने आम नागरिकों से भी आपसी भाईचारा एवं शांति बनाए रखते हुए प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

सहकारिता योजनाओं की प्रगति पर उपायुक्त ने की समीक्षा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान लैंप्स, धान अधिप्राप्ति, समितियों के संचालन, लैंप्स के डिजिटलीकरण, उर्वरक एवं अनुदानित बीज वितरण, गोदामों के रखरखाव, मिनी कोल्ड स्टोरेज, पीएम कृषि समृद्धि योजना और लैंप्स के ऑडिट समेत कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। आलोक कुमार ने धान अधिप्राप्ति के तहत किसानों के निबंधन और उसकी प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि निबंधन में

किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए।

बैठक में बताया गया कि जिले के सभी लैंप्स को उर्वरक लाइसेंस मिल चुका है। इस पर उपायुक्त ने खाद और बीज वितरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं पीएम कृषि समृद्धि योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले हुई प्रगति की समीक्षा कर शेष लक्ष्य को विभागीय गाइडलाइन के अनुसार जल्द पूरा करने का निर्देश दिया।

बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी सुजीत कुमार सिंह, संबंधित प्रखंड कृषि पदाधिकारी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चिल चिलाती धूप में एक किलोमीटर की दूरी तय कर की लोटन सेवा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला : श्रीश्री प्राचीन शिव मंदिर महादेव मंडा गोला में बुधवार को लोटन सेवा के साथ तीन दिवसीय शिव आराधना का पर्व मंडा शुरू हो गया। अहले सुबह सभी शिव भक्त मंदिर पहुंचे, यहां से वे पटासुर नदी के तट पर गए, जहां पुजारी आनंद पंडित द्वारा विधि विधान से पूजा-अर्चना कराई गई। इसके बाद सभी 103 शिव भक्त स्नानकर बजरंग संघ रोड आए। फिर शिव की आराधना करने के बाद वे लोटन सेवा में शामिल हो गए। सभी भक्तों ने जमीन पर लौटते हुए मंदिर पहुंचकर भगवान शिव की पूजा की और रस्सी खींचो कार्यक्रम में भाग लिया। भगवान शिव की भक्ति और शक्ति के कारण इतनी चिलचिलाती धूप में

भी करीब एक किलोमीटर दूरी से लोटन सेवा करते हुए मंदिर के प्रवेश द्वार तक आए। मंदिर की परिक्रमा करते हुए अपना लोटन सेवा कार्यक्रम समाप्त किया। भक्तों ने कहा कि इससे सनातन धर्म को मजबूती मिलती है। मंडा पूजा में अगला कार्यक्रम 28 मई की शाम भव्य छऊ नृत्य और 29 मई की सुबह फुलखूंदी होगा।इस दौरान समाजसेवी सुनील कुशवाहा ने सभी भक्तियां को गमछा और पानी पिलाकर स्वागत किया।मौके पर पूजा समिति के देवेंद्र दांगी, महेंद्र कुमार, दिनेश्वर महतो, लखींद्र कुशवाहा, चतुर्भुज कश्यप, निरंजन कुशवाहा, संदीप कुशवाहा, कृष्णा कुमार, लखन महतो, तेजपाल महतो, पिंटू कुशवाहा, परमेश्वर महतो, गौतम महतो, योगेंद्र महतो, धनंजय महतो, गजानंद महत, अरुण दांगी, सुबोध कुमार दांगी, देवलाल महतो, प्रकाश महतो सहित काफी संख्या में श्रद्धालु

बकरीद को लेकर कुजू पुलिस ने निकला फ्लैग मार्च

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू : आगामी बकरीद पर्व को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी मांडू अमित मिश्रा की उपस्थिति में संयुक्त आदेश में लगे मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ एक बैठक किया गया और सभी को वरीय पदाधिकारी के निर्देश का अनुपालन करने का आदेश दिया गया। तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी मांडू, मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारीयों/कर्मियों के साथ कुजू ओ0पी0 क्षेत्र के शहरी क्षेत्र , दिगवार तथा कर्मा में फ्लैग मार्च निकाला गया।इस दौरान थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए लोगों से अपील की गई है।साथ ही किसी भी अप्रिय घटनाओं की सूचना तुरंत पुलिस को देने की बात कही है।साथ उन्होंने थाना की सभी पुलिसकर्मियों से पूरी तरह से मुस्तैद रहने का निर्देश जारी किया है।

आज आमलोगों के लिए खोल दिया जाएगा 135 करोड़ की लागत से बना डीवीसी का रेलवे ओवर ब्रिज

» डिजाइन की गड़बड़ी से बनने में लगे 10 साल, एचओपी अरजरिया के आने के बाद आई तेजी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल वासियों और डीवीसी कर्मियों के लिए एक बहुत बड़ी और राहत भरी खबर है। स्थानीय डीवीसी प्रबंधन द्वारा 135 करोड़ रुपए की भारी-भरकम लागत से नवनिर्मित रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) को 28 मई को आम जनता एवं डीवीसी कामगारों के आवागमन के लिए पूरी तरह खोल दिया जाएगा। इस बहुप्रतीक्षित ओवर ब्रिज का

विधिवत उद्घाटन डीवीसी के चीफ जीएम सह प्रोजेक्ट हेड (एचओपी) सुशील कुमार अरजरिया के द्वारा एक सादे समारोह में किया जाएगा। इस ब्रिज के चालू हो जाने से क्षेत्र के हजारों लोगों को रेलवे फाटक बंद रहने के कारण लगने वाले लंबे जाम और रोज-रोज की बड़ी परेशानी से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। बता दें कि इस महत्वपूर्ण आरओबी के निर्माण में लगभग 10 वर्षों का एक लंबा समय व्यतीत हो गया। शुरुआती दौर में ब्रिज के तकनीकी डिजाइन में आई गड़बड़ी सहित कई अन्य प्रशासनिक कारणों से इसके निर्माण कार्य में काफी लेटलतीफी हुई। इस ब्रिज का निर्माण राइट्स कंपनी के द्वारा किया गया है। लगभग 2 वर्षों तक इस ब्रिज का निर्माण कार्य पूरी तरह बंद पड़ा हुआ था। इसके बाद बतौर एचओपी बोकारो थर्मल में जब सुशील कुमार अरजरिया की पदस्थापना हुई, तब उनके कड़े रुख के बाद इस रुके हुए कार्य में तेजी आई। कार्य को समय पर पूरा करने के लिए डीवीसी ने इस प्रोजेक्ट को सिविल के वरीय प्रबंधक के कार्यक्षेत्र से अलग कर कंस्ट्रक्शन हेड देव प्रसाद खां एवं प्रबंधक विकास सिंह को सुपुर्द कर दिया था।

28 फरवरी को टल गया था उद्घाटन, राहगीरों को होती थी भारी दिक्कत-एचओपी के सख्त निर्देश पर कंस्ट्रक्शन हेड देव प्रसाद खां और उनकी टीम ने दिन-रात एक कर इस कार्य को पूरा करवाने में काफी मशक्कत की और आखिरकार इसे अंजाम तक पहुँचाया। पूर्व की योजना के अनुसार, इस आरओबी का उद्घाटन 28 फरवरी को ही किया जाना था, परंतु कुछ अपरिहार्य कारणों और रेलिंग आदि के कुछ अधूरे तकनीकी कार्यों को पूरा नहीं कर पाने के कारण उस समय उद्घाटन को टालना पड़ा था। इस ओवर ब्रिज के चालू नहीं होने के कारण आम लोगों, डीवीसी कामगारों और विशेषकर स्कूली बच्चों को प्रतिदिन रेलवे गेट बंद रहने के कारण घंटों धूप में खड़े रहकर भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, जिससे अब उन्हें राहत मिलेगी। ब्रिज चालू होने में हो रही देरी से परेशान होकर बीते 26 मई को स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों और आम जनता ने समाजसेवी जोगेंद्र गिरि के नेतृत्व में इस आरओबी को खुद ही खोल दिया था, जिसे सुरक्षा के मद्देनजर डीवीसी प्रबंधन ने बाद में दोबारा बंद करवा दिया था। इसके बाद डीवीसी के चीफ जीएम सुशील कुमार अरजरिया ने गंभीरता दिखाते हुए गुरुवार को इसे आम जनता के लिए पूरी तरह खोल देने का लिखित आश्वासन दिया था। इसी कड़ी में बुधवार से ही ब्रिज पर बचे हुए रेलिंग की पेंटिंग और साफ-सफाई का कार्य पूरे जोर-शोर से शुरू कर दिया गया है। गुरुवार को एचओपी इस ब्रिज को जनता को सुपुर्द करेंगे, जिसका स्थानीय जनता ने दिल से स्वागत किया है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 28 मई, 2026

मूर्तिकार का सपना

एक मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के नीचे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे तराशने लगा।

वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ के नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने रास्ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा है। जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ -फोड़ कर देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने के बारे में सोचने लगा। उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल लेते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है। पर जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता।

कहो तो कह दूं- काकरोचों ने सोचा भी नहीं होगा कि वे रातों रात इतने फेमस हो जायेंगे...

चैतन्य भट्ट

कॉकरोच जनता पार्टी सीजेपी आजकल चर्चा में है। अमेरिका में बनी इस भारतीय पार्टी के रातों रात लगभग दो लाख फॉलोअर्स हो गये। नौबत यहां तक पहुंची कि सीजेपी के ट्विटर हैंडल पर बैन लगाना पड़ा। वास्तव में सीजेपी एक व्यंग्यात्मक आंदोलन है जिसे 16 मई 2026 को आम आदमी पार्टी के पूर्व कम्युनिकेशंस रणनीतिकार अभिजीत दीपके द्वारा सोशल मीडिया पर शुरू किया गया था। भारत में जन्मे और फिलहाल बोस्टन यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत दीपके को दाद देना पड़ेगी कि उन्होंने दुनिया के सबसे मजबूत कीड़े को एक राजनीतिक संकेत में बदल दिया। उन्होंने अमेरिका से इस अभियान की शुरुआत की जिसमें यूरोप के कुछ साथी भी जुड़ गये। दूर देशों की इस शुरुआत ने भारत के राजनीतिक खेमों में हलचल मचा दी। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक बुलबुला है जो जल्द ही फुस्स हो जायेगा लेकिन कुछ का विश्वास है कि सीजेपी अगले चुनावों में जनमानस पर असर डालने में कामयाब होगी। चूंकि भारत में बेरोजगारों की संख्या करोड़ों में है और यह वर्ग सक्रिय वोटर होने के साथ सोशल मीडिया से भी जुड़ा रहता है इसीलिये इसके चुनावी असर से इंकार नहीं किया जा सकता। सीजेपी की जादुई शोहरत का ये आलम है कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी इसी तर्ज पर कॉकरोच अवामी लीग

सीएएल बना ली गई है जिसके हजारों फॉलोअर्स भी बन गये हैं। एक तरफ अभिजीत दीपके को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं दूसरी तरफ उनके फॉलोअर्स बढ़ते ही जा रहे हैं।

मालूम हो कि कॉकरोच की महिमा केवल महिलाओं को डराने और रसोईघर में धमा चौकड़ी करने तक सीमित नहीं। वैज्ञानिकों का कहना है कि कॉकरोच दरअसल दुनिया के सबसे ताकतवर प्राणियों में से एक है और परमाणु युद्ध होने के बाद भी पृथ्वी पर सिर्फ इसी का बच पाना सम्भव है। छोटे अंधेरे कोनों और दरारों में छिपे रहने से इस पर विस्फोट का असर होना असंभव है। साथ ही परमाणु युद्ध से होने वाले रेडिएशन का इस पर कोई असर नहीं होगा क्योंकि इसकी रेडीएशन सहने की क्षमता इन्सान से लगभग 15 गुना ज्यादा है। इसके अलावा कॉकरोच की जीवित रहने की क्षमता भी अद्वितीय है क्योंकि यह खीरा यानी ककड़ी के अलावा दुनिया का कोई भी पदार्थ खा कर मजे से जिन्दा रह सकता है।

इसी तरह भारत का बेरोजगार भी बेख़ौफ़ है। बीमारी, बेरोजगारी, पैसों की तंगी, परिवार के ताने और महबूबा की नाराज़गी से भी इसे कोई फर्क नहीं पड़ता। ये अपनी बेफिक्री और मटरगश्ती में मशगूल रहता है। बीच बीच में टाइम मिलने पर ये किसी सरकारी नौकरी का फॉर्म भी भरता है जिनमें से अधिकांश या तो पेपर लीक होने से निरस्त हो जाती हैं या फिर जुगाड़ वालों के हिस्से में चली जाती हैं। दशहरा, गणेशोत्सव, होली इसके प्रिय त्यौहार हैं जिनमें चंदा वसूली से लेकर साज सज्जा और डांस वगैरह की गतिविधियों में इसका काफी मनोरंजन होता है। लेकिन बेरोजगार का सबसे प्रिय त्यौहार है चुनाव। इस मौके पर डेढ़ दो महीने का खाना पीना और धन लाभ बड़ी राहत भरा होता है। यही वो समय है जिसमें बेरोजगार खुद को उपयोगी और ताकतवर समझने लगता है। अक्सर नेता इन्हें नौकरी का लालच देकर बेगार भी करवाते हैं और चुनाव खत्म होते ही बाकी वायदों की तरह इस वायदे को भी भूल जाते हैं। देश आगे बढ़ता जा रहा है, विकास का गुणगान हो रहा है, लेकिन बेरोजगार है कि बस बेरोजगार ही है। अब जब इसे कॉकरोच का खिताब दे दिया गया है तब सरकार को सावधान हो जाना चाहिये। जिसे परमाणु युद्ध भी नहीं मार सकता वो भला सरकार से क्या डरेगा। नेता खुशकिस्मत हैं कि बेरोज़गार अभी संगठित नहीं हैं। अगर सीजेपी के बैनर तले सब इकट्ठे हो गए तो क्या होगा कोई नहीं जानता

गधा सबसे समझदार

अभी तक तो अपने को ये मालूम था कि यदि किसी व्यक्ति को गधा कह दिया जाए इसका मतलब है कि वो बहुत ही बेवकूफ होता है लेकिन अब पता लगा है कि गधा तो घोड़े से भी ज्यादा समझदार होता है न केवल घोड़े बल्कि सभी जानवरों की तुलना में गधा सबसे ज्यादा समझदार होता है और ये पता कैसे लगा है जनरल ऑफ वेटरनरी बिहेवियर का एक अध्ययन जो स्पेनिश वैज्ञानिकों ने 300 गधों पर किया था उसके आधार पर ये निष्कर्ष निकला कि आइक्यू में गधों का स्कोर मानव पैटर्न से बिल्कुल मिलता जुलता है यानी अब किसी को यदि गधा कहा जाएगा तो इसका मतलब है कि वह बुद्धिमान और समझदार व्यक्ति है । सारी परिभाषाएं इस अध्ययन ने बदल कर रख दीं । गधे भी भारी खुश है कि अभी तक हमको बतौर गाली संबोधित किया जाता था लेकिन अब पता लगा कि हम लोग कितने बुद्धिमान और समझदार हैं हम लोग सीधे-साधे हैं ज्यादा बोलते नहीं कभी-कभी रेंकने लगते हैं तो इसका ये मतलब थोड़ी है कि हम सबसे ज्यादा मूर्ख और बेवकूफ हैं। सारे गधे मिलकर स्पेनिश वैज्ञानिकों का सम्मान करना चाह रहे हैं जिन्होंने बता दिया कि गधा एक बुद्धिमान और समझदार प्राणी होता है अपने को तो लगता है अब कुत्ता, बिल्ली, घोड़ा पालने की बजाय घर में एक गधा पाल लिया जाए कम से कम कहने को तो रहेगा कि घर में एक समझदार व्यक्ति है भले ही वह जानवर क्यों ना हो।

मंगल से पंगा मत लो

मशहूर उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के आईपीओ फाइलिंग में लिखा है कि मंगल ग्रह पर इंसानों को बसाने का इरादा है और वो भी थोड़े बहुत नहीं बल्कि दस लाख के आसपास इंसान वहां बसाये जाएंगे । ज्योतिष के आधार पर तो मंगल काफी क्रोधी ग्रह माना जाता है जिन लड़के लड़कियों की कुंडली में मंगल होता है वे मांगलिक मानी जाती हैं उनकी शादी ब्याह में बड़ी दिक्कतें आती हैं बताया जाता है कि जिनकी कुंडली में मंगल होता है उनकी पहले किसी पेड़ या भगवान से शादी करवा दी जाती है ताकि मंगल का दोष खत्म हो जाए, मंगल का दोष खत्म करने के लिए हनुमान जी की प्रार्थना की जाती है, लोग मंगलवार का उपवास भी रखते हैं, ज्योतिषियों की सलाह पर उंगली में मूंगा भी धारण कर लेते हैं ताकि मंगल ग्रह शांत रहे ,अब ऐसे खतरनाक और गुस्सैल ग्रह पर दस लाख लोगों को बसाने की जो स्कीम मस्क साहब चला रहे हैं शायद वे जानते नहीं हैं कि मंगल से पंगा लेना ठीक नहीं है यदि मंगल नाराज हो गया तो सारा धंधा ठप्प हो जाएगा । अभी तक तो चांद पर लोगों को बसाने की बात चल रही थी अब यह चांद को छोड़कर मंगल तक पहुंच गए ।अरे भैया वहां लोगों को बसा दोगे तो वहां होटल खुल जाएंगे ,चाय के टपरे लग जाएंगे, चाट फुलकी के ठेले स्थापित हो जायेंगे फुटपाथों पर अतिक्रमण हो जाएगा, मंगल की सड़कों पर जाम लगने लगेगा, लोग बाग पान गुटखा खाकर इधर-उधर थूकने लगेंगे, कोई कहीं भी खड़ा होकर लघु शंका कर देगा इन सबसे मंगल महाराज नाराज नहीं होंगे तो क्या खुश होंगे? अभी भी वक्त है मस्क साहब दस बार सोचो और किसी शांत ग्रह में जाने की बात करो तो चल भी जाएगा मंगल से पंगा लेना बहुत महंगा पड़ेगा ये हम अभी से बता देते हैं फिर ना कहना कि पहले क्यों नहीं बताया था

,सुपर हिट ऑफ द वीक

श्रीमान जी ने अपने बॉस से कहा सर कुछ दिनों की छुट्टी चाहिए.

छुट्टी एक शर्त पर मिलेगी. ये बताओ कि कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा?

सर हो सकता है बाहुबली ने कटप्पा को छुट्टी नहीं दी हो.श्रीमान जी ने उत्तर दिया

बताओ कितने दिन की छुट्टी चाहिए? बॉस ने घबरा कर कहा

विजयी व्यक्ति स्वभाव से, बहिर्मुखी होता है। पराजय व्यक्ति को अन्तर्मुखी बनाती है।
- प्रेमचंद

मुस्कुराहट, आपकी ख़ूबसूरती में सुधार करने का एक सस्ता तरीका है। - अज्ञात

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, द्वादशी, गुरुवार, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्रे, व्यय योगे, वालव करणे, कन्या की चंद्रमा, त्रिपुस्कर योग 34/07, जलखनन, देव प्रतिष्ठा, द्विरागमन, वान क्रय विक्रय तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल...

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, दार्शनिक, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्यमी, सेनापति, सेना नायक, कमांडर, ब्रिगेडियर होगा।

मेष राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष, व्यावसायिक क्षमता अवश्य ही बन जायेगी।
वृष राशि :- मानसिक खिन्नता, स्वभाव में बेचैनी, इष्ट-मित्रों से क्लेश तथा मानसिक कार्य बनेंगे।
मिथुन राशि :- मानसिक खिन्नता, स्वभाव में बेचैनी, इष्ट-मित्रों से लाभ अवश्य ही मिलेगा।
कर्क राशि :- धन-लाभ, किसी तनाव से बचें, व्यावसायिक क्षमता की गति धीमी होगी।
सिंह राशि :- लेनदेन के मामले स्थगित रखें, किसी के चंगुल में फंसने से अवश्य बचिये।
कन्या राशि :- बड़े लोगों के सम्पर्क से कार्य सफलता में वृद्धि के योग अवश्य ही बनेंगे।
तुला राशि :- दूसरों की समस्याओं में उलझने से बचें, लाभांवित योजना अवश्य ही बनेगी।
वृश्चिक राशि :- कार्य-व्यवसाय में समृद्धि की योजना फलीभूत होने के योग बनेंगे।
धनु राशि :- विरोधियों से तनाव, क्लेश, धन का व्यय, मानसिक उद्विघ्नता बनी ही रहेगी।
मकर राशि :- धन लाभ होकर हाथ से जाता रहेगा, विघटनकारी तत्व परेशान अवश्य करेंगे।
कुंभ राशि :- अनावश्यक विवाद कष्टप्रद हो, भाग्य का सितारा प्रबल होगा, ध्यान रखें।
मीन राशि :- स्थिति नियंत्रण में हो, स्वास्थ्य नरम रहे, परिश्रम विफल होगा।

खादी की नई ऊर्जा नई चेतना *गाँव, गरीब और आत्मनिर्भर भारत की बदलती तस्वीर

विनोद कुमार सिंह

भारत की सभ्यता केवल महानगरों की चमक से नहीं,बल्कि गाँवों की मिट्टी की भीनी - भीनी सुगंध,कुटीर उद्योगों की आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा से निर्मित हुई है। यही कारण है कि जब भी हमारे समाने "खादी" का नाम आता है,तो केवल एक वस्त्र नहीं,बल्कि भारतीय स्वाभिमान,स्वदेशी चेतना और आत्मनिर्भरता का पूरा इतिहास आँखों के सामने जीवंत हो उठता है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने जिस खादी को स्वतंत्रता आंदोलन का आधार बनाया था,वही खादी आज विकसित भारत के आर्थिक अभियान की नई शक्ति बनती दिखाई दे रही है।हाल ही में जारी खादी ग्रामोद्योग आयोग(KVIC) की वार्षिक रिपोर्ट केवल सरकारी आँकड़ों का दस्तावेज नहीं है,बल्कि यह उस बदलते ग्रामीण भारत की कहानी है,जहाँ गाँव अब केवल कृषि आधारित जीवन का प्रतीक नहीं,बल्कि उत्पादन,रोजगार और उद्यमिता के नए केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025-26 में खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री 1.87 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक स्तर को पार कर गई।यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एक दशक पहले तक खादी को सीमित बाजार और पारंपरिक उत्पादों तक सीमित समझा जाता था।आज वही खादी वैश्विक बाजार में "इको फ्रेंडली", "सस्टेनेबल" और "हैंडमेड इंडिया" की पहचान बन रही है। आप को स्पष्ट कर दे कि यह परिवर्तन अचानक नहीं आया। इसके पीछे वर्षों का सतत प्रयास, ग्रामीण कारीगरों की मेहनत, महिलाओं की भागीदारी और बदलती सरकारी नीतियों का समन्वय दिखाई देता है। "वोकल फॉर लोकल" और "लोकल टू ग्लोबल" जैसे अभियानों ने खादी को नई ऊर्जा दी है।अब खादी केवल राजनीतिक प्रतीक या औपचारिक परिधान नहीं रही, बल्कि फैशन,लाइफस्टाइल और युवा पीढ़ी की पसंद का हिस्सा बनती जा रही है।आज दिल्ली, मुंबई,लखनऊ,अहमदाबाद और बेंगलुरु जैसे महानगरों के बड़े शोरूमों से लेकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक खादी उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। खादी के वस्त्रों के साथ-साथ शहद, अगरबत्ती,साबुन,हस्तशिल्प,हर्बल उत्पाद,जैविक सामग्री और ग्रामीण उद्योगों से जुड़े अनेक उत्पाद बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बहुआयामी विस्तार का संकेत है।खादी की सबसे बड़ी शक्ति उसका "रोजगार मॉडल" है। बड़े उद्योग जहां मशीन आधारित उत्पादन पर निर्भर होते हैं,वहीं खादी मानव श्रम और स्थानीय कौशल को केंद्र में रखती है। यही कारण है कि यह क्षेत्र करोड़ों लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध करा रहा है।विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी ने ग्रामीण समाज की आर्थिक संरचना को नई मजबूती दी है।गाँव की वह महिला, जो कभी केवल घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित मानी जाती थी,आज चरखे,सिलाई,खाद्य प्रसंस्करण, मधुमक्खी पालन,अगरबत्ती निर्माण और हस्तशिल्प के माध्यम से परिवार की आर्थिक शक्ति बन रही है।इससे केवल आय नहीं बढ़ रही, बल्कि सामाजिक सम्मान और आत्मविश्वास भी मजबूत हो रहा है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के माध्यम से हजारों नई इकाइयों की स्थापना ने ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित किया है।यह योजना केवल ऋण वितरण का माध्यम नहीं, बल्कि गाँवों में छोटे उद्योगों की नई संस्कृति विकसित करने का अभियान बनती जा रही है।आज अनेक युवा नौकरी खोजने के बजाय स्वयं उद्यमी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।खादी की बढ़ती सफलता भारत की सांस्कृतिक कूटनीति को भी नई पहचान दे रही है। विश्व के अनेक देशों में भारतीय हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रति आकर्षण बढ़ा है।खादी अब केवल कपड़ा नहीं,बल्कि भारतीय संस्कृति,प्रकृति प्रेम और सतत विकास का वैश्विक संदेश बन चुकी है।जिस समय पूरी दुनिया पर्यावरण संकट और मशीन आधारित अंधाधुंध उपभोग से जूझ रही है,उस समय खादी "कम संसाधन, अधिक रोजगार और प्रकृति के संतुलन" का भारतीय मॉडल प्रस्तुत करती है। हालाँकि चुनौतियाँअभी भी कम नहीं हैं।आधुनिक डिज़ाइन, गुणवत्ता नियंत्रण,डिजिटल मार्केटिंग और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के अनुरूप नवाचार की आवश्यकता लगातार बनी हुई है। युवाओं को खादी उद्योग से जोड़ना भी समय की बड़ी आवश्यकता है। यदि तकनीक और परंपरा का संतुलित समन्वय किया जाए,तो खादी आने वाले वर्षों में भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है।भारत का विकास केवल महानगरों की उँची इमारतों से नहीं मापा जा सकता। वास्तविक विकास तब माना जाएगा,जब गाँव का कारीगर, महिला,युवा और किसान आर्थिक रूप से मजबूत होगा।खादी ग्रामोद्योग आयोग की यह रिपोर्ट इसी सकारात्मक परिवर्तन का संकेत देती है कि भारत अब आत्मनिर्भरता की उस दिशा में आगे बढ़ रहा है,जहाँ विकास का केंद्र गांव और श्रम की प्रतिष्ठा होगी।

सुप्रीम जजमेंटः SIR संवैधानिक, नागरिकता छीनने का टूल नहीं

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए बिहार विधानसभा चुनाव से पूर्व चुनाव आयोग द्वारा चलाई जा रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) को पूरी तरह वैध और संवैधानिक घोषित कर दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसे निष्पक्ष एवं शुद्ध मतदाता सूची सुनिश्चित करने का पूर्ण अधिकार है। न्यायालय ने यह भी कहा कि विशेष परिस्थितियों में सामान्य प्रक्रिया से भिन्न तरीका अपनाना न तो संविधान के विरुद्ध है और न ही किसी कानून का उल्लंघन। इस प्रक्रिया को न्यायालय में चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि विशेष गहन पुनरीक्षण सामान्य संशोधन प्रक्रिया से बिल्कुल अलग है और इससे मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। किंतु उच्चतम न्यायालय ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि चुनाव आयोग द्वारा मांगे जाने वाले 11 प्रकार के दस्तावेजों का समूह मनमाना नहीं है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि अपने आदेश के माध्यम से आधार कार्ड को भी स्वीकार्य दस्तावेजों में शामिल किए जाने के पश्चात याचिकाकर्ताओं की आपत्ति का कोई आधार नहीं बचता। सुप्रीम कोर्ट ने विपक्ष के उस नैरेटिव की हवा निकाल दी, जिसमें वह एसआईआर को लोगों की नागरिकता छीनने का टूल बताकर प्रोपेगैंडा कर रहा था।

सुप्रीम कोर्ट के 27 मई को सुनाए गए निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि उच्चतम न्यायालय ने विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष के उस सबसे बड़े तर्क को सीधे खारिज कर दिया, जिसमें कहा जा रहा था कि यह प्रक्रिया पिछले दरवाजे से नागरिकता जांच करने का एक षड्यंत्र है। याचिकाकर्ताओं और विभिन्न विपक्षी दलों की यह आशंका थी कि मतदाता सूची से नाम हटाकर वास्तव में किसी की नागरिकता पर प्रश्नचिह्न लगाया जा रहा है। न्यायालय ने इस सोच को पूरी तरह गलत करार दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चुनाव आयोग नागरिकता के प्रश्न को केवल इस सीमित दायरे में देख सकता है कि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किया जाए अथवा नहीं। चुनाव आयोग का काम नागरिकता तय करना नहीं है, यह एक पूर्णतः भिन्न और अलग प्रक्रिया है। यदि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटाया जाता है, तो इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि वह भारत का नागरिक नहीं रहा। नागरिकता और मतदाता सूची में नामांकन दो अलग-अलग विषय हैं और इन्हें एक नहीं माना जा सकता।

न्यायालय के इस विश्लेषण ने विपक्ष की उस रणनीति को बड़ा झटका दिया, जिसके अंतर्गत विशेष गहन पुनरीक्षण को लोगों में भय और असुरक्षा फैलाने का माध्यम बनाया जा रहा था। विशेष रूप से अल्पसंख्यक और प्रवासी मतदाताओं में यह धारणा बनाई जा रही थी कि इस अभियान के माध्यम से उनके नाम सूची से हटाए जाएंगे और उनकी नागरिकता खतरे में पड़ जाएगी। न्यायालय ने इस भ्रम को पूरी तरह निर्मूल कर दिया। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया आरंभ होते ही विपक्षी दलों ने इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना लिया था। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने इस प्रक्रिया पर कड़े प्रहार करते हुए कहा था कि यह गरीबों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को मतदान से वंचित करने की सोची-समझी योजना है। उन्होंने कहा था कि जिन लोगों के पास कागज-पत्र नहीं हैं, उनके नाम काट दिए जाएंगे और इस तरह लाखों वंचित मतदाता अपने मताधिकार से हाथ धो बैठेंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भी इस प्रक्रिया की आलोचना करते हुए इसे संविधान की भावना के विरुद्ध बताया था। उनका कहना था कि लोकतंत्र में मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया पारदर्शी और सर्वस्वीकृत होनी चाहिए, न कि एकतरफा और मनमाने तरीके से लागू की जानी चाहिए। वामपंथी दलों ने भी न्यायालय में इस प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं का समर्थन किया था और कहा था कि यह पूरा अभियान संदिग्ध है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था कि यह सत्ता पक्ष के इशारे पर चुनाव आयोग द्वारा चुनाव परिणामों को प्रभावित करने का प्रयास है। उन्होंने मांग की थी कि इस प्रक्रिया को तत्काल रोका जाए और इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। किंतु उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद अब विपक्ष के ये सभी तर्क न्यायिक दृष्टि से निराधार सिद्ध हो गए हैं। न्यायालय ने न केवल इस प्रक्रिया को संवैधानिक करार दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदाता सूची सुनिश्चित करने का पूरा अधिकार है। इस निर्णय के बाद विपक्ष के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनावी हथियार की तरह इस्तेमाल करना अब बेहद कठिन हो जाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस निर्णय से बिहार चुनाव की पूर्व-संध्या पर चुनाव आयोग की साख को बल मिला है। अब तक विपक्ष यह दावा कर रहा था कि चुनाव आयोग पक्षपातपूर्ण ढंग से काम कर रहा है, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने आयोग की स्वायत्तता और संवैधानिक अधिकारों की पुष्टि कर उस आरोप को भी कमजोर कर दिया है।

यह निर्णय इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि न्यायालय ने अपनी टिप्पणियों में बहुत स्पष्टता के साथ यह रेखा खींच दी कि मतदाता सूची में नाम होना और नागरिक होना, ये दोनों अलग-अलग प्रश्न हैं। यदि किसी कारणवश किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटता है, तो उसके नागरिक अधिकार उससे नहीं छिनते। वह व्यक्ति आवश्यक प्रक्रिया के माध्यम से पुनः अपना नाम सूची में दर्ज करा सकता है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य केवल मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना है। मृत व्यक्तियों के नाम, एक से अधिक स्थानों पर दर्ज नाम और फर्जी प्रविष्टियां हटाना इस प्रक्रिया का मूल लक्ष्य है। आयोग का कहना है कि यदि मतदाता सूची शुद्ध नहीं होगी, तो चुनाव की विश्वसनीयता पर ही प्रश्नचिह्न लग जाएगा। राष्ट्रीय जनता दल के नेता और याचिकाकर्ता मनोज झा, जो प्रमुख याचिकाकर्ताओं में से एक हैं, ने फैसले पर कहा कि न्यायालय का आदेश स्वीकार है, लेकिन चिंता बरकरार रहेगी। हम न्यायपालिका के सम्मान को स्वीकारते हैं, पर जो भय हमारी सामुदायिक जमीन पर फैला था, उसे समझने की जरूरत है। आयोग से अनुरोध है कि वह पारदर्शिता, संवेदनशीलता और व्यापक जन-सहभागिता सुनिश्चित करे, ताकि कमजोर वर्गों के मताधिकार सुरक्षित रहें। झा ने यह भी कहा कि वे और उनकी पार्टी कानूनी विकल्पों और जन-आंदोलन दोनों के जरिए दबाव बनाए रखने का अधिकार रखती है। उन्होंने आयोग से आपत्तियों के निराकरण के लिए आसान रेमेडी और ग्रिवांस रिड्रेसल मैकेनिज्म की मांग दोहराई।

बहरहाल, उच्चतम न्यायालय का निर्णय तकनीकी तौर पर चुनाव आयोग को एक मजबूत वैधानिक कवच देता है और एसआईआर को जारी रखने का रास्ता साफ करता है। पर राजनीतिक पटल पर यह फैसला केवल एक चेकमेट की तरह काम करेगा, जहां न्यायिक पुष्टि के बाद भी मैदान पर सियासी दल अपने नैरेटिव में, जमीन पर काम और वोटर-कनेक्शन को लेकर नए आयाम तलाशेंगे। मनोज झा और राजद का बयान दिखाता है कि अदालत के फैसले को स्वीकार कर लिया गया है, पर राजनीतिक संघर्ष और निगरानी जारी रहेगी, विशेषकर जब निर्णय का असर संवेदनशील समूहों पर सीधे महसूस होता है। इसलिए अगले कुछ हफ्तों में यह देखने योग्य होगा कि प्रशासनिक व्यवहार, पारदर्शिता और शिकायत निवारण के तंत्र कितनी जल्दी और किस तरह काम में आते हैं; वही तय करेंगे कि यह फैसला अपने आप में लोकतंत्र की मजबूती बनकर उभरता है या केवल एक कानूनी विजय तक सीमित रहता है। लब्बोलुआब यह है कि उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय के पश्चात अब यह सुनिश्चित हो गया है कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया बिना किसी बाधा के जारी रहेगी। न्यायपालिका ने एक बार फिर यह स्थापित कर दिया है कि संवैधानिक संस्थाओं को उनके दायरे में काम करने से न केवल रोका नहीं जाना चाहिए, बल्कि उनके अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए। यह निर्णय आने वाले चुनावों में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है, जहां अब दलों को अपने मुद्दे और एजेंडे नए सिरे से तय करने होंगे।

महिलाओं के हार्मोनल स्वास्थ्य को समझने का नया दृष्टिकोण

मनोज कुमार अग्रवाल

महिलाओं में होने वाली सबसे सामान्य हार्मोनल समस्याओं में से एक PCOS (Polycystic Ovary Syndrome) को अब कई विशेषज्ञ PMOS (Polymetabolic Ovary Syndrome) के नाम से संबोधित करने लगे हैं। यह बदलाव इस बात को दर्शाता है कि यह समस्या केवल ओवरी तक सीमित नहीं है, बल्कि शरीर के मेटाबॉलिज्म और हार्मोनल संतुलन को भी प्रभावित करती है।

नाम बदलने की आवश्यकता क्यों पड़ी ?लब्ध प्रतिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक डॉ ऋद्धि अग्रवाल ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह एक पहले PCOS को मुख्य रूप से ओवरी में सिस्ट और अनियमित पीरियड्स से जोड़कर देखा जाता था। लेकिन अब डॉक्टरों और शोधकर्ताओं का मानना है कि कई महिलाओं में PCOS के लक्षण होते हैं, जबकि ओवरी में सिस्ट नहीं पाए जाते। यह समस्या शरीर में कई प्रकार के मेटाबॉलिक बदलावों से जुड़ी होती है, जैसेः इंसुलिन रेजिस्टेंस

वजन बढ़ना

हार्मोनल असंतुलन

मुंहासे और बाल झड़ना

प्रजनन संबंधी समस्याएं

डायबिटीज और लाइफस्टाइल बीमारियों का बढ़ता खतरा

इसी कारण PMOS शब्द को अधिक उपयुक्त माना जा रहा है। पुराने नाम (PCOS) से अक्सर लोगों को लगता था कि यह सिर्फ महिलाओं के प्रजनन अंगों या सिस्ट की बीमारी है नए नाम (PMOS) से यह स्पष्ट होता है कि यह एंडोक्राइन (अंतःस्त्रावी ग्रंथियों) और मेटाबॉलिज्म से जुड़ी बीमारी है, जिससे निदान में तेजी आएगी और टाइप-2 डायबिटीज, मोटापा व दिल की बीमारियों जैसे खतरों पर बेहतर ध्यान दिया जा सकेगाप्रमुख लक्षणअनियमित मासिक धर्म या अधिक रक्तस्त्राववजन का तेजी से बढ़ना और कम करने में अत्यधिक कठिनाईचेहरे पर मुंहासे और असामान्य रूप से बालों का उगना (Androgen हार्मोन के कारण)बचाव और प्रबंधनचूंकि यह एक मेटाबॉलिक सिंड्रोम है, इसलिए जीवनशैली में बदलाव इसका सबसे बड़ा उपचार है :खान-पानः प्रोसेस्ड फूड और चीनी से बचें। ब्लड शुगर नियंत्रित रखने के लिए फाइबर और प्रोटीन से भरपूर आहार लें व्यायामः नियमित रूप से व्यायाम और योग को दिनचर्या में शामिल करेंवजन कम करनाः 5 से 10 प्रतिशत वजन घटाने से भी हार्मोन्स में काफी सुधार देखा जाता है

युवतियों में बढ़ते मामले

विशेषज्ञों के अनुसार, तनाव, खराब खानपान, शारीरिक गतिविधियों की कमी और अनियमित दिनचर्या के कारण किशोरियों और युवा महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

इसके सामान्य लक्षण हैं:

अनियमित या मिस्ड पीरियड्स

अचानक वजन बढ़ना

चेहरे पर अधिक बाल आना

लगातार मुंहासे

बाल पतले होना

थकान और मूड स्विंग्स

डॉक्टर महिलाओं को सलाह देते हैं कि ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें और समय पर चिकित्सकीय सलाह लें। डॉ ऋद्धि अग्रवाल के अनुसार PMOS में होम्योपैथी की भूमिका काफी सहज और बेहतर परिणाम देती है। यह चिकित्सा पद्धति का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह साइड इफेक्ट यानि कोई दुष्प्रभाव नही डालती है यही कारण है कि आजकल होम्योपैथी को PMOS के लिए एक समग्र और सहायक उपचार पद्धति माना जा रहा है। यह केवल लक्षणों को दबाने के बजाय व्यक्ति के संपूर्ण हार्मोनल, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान देती है।

होम्योपैथिक उपचार में रोगी की शारीरिक और मानसिक स्थिति को समझकर उपचार योजना बनाई जाती है। इसका उद्देश्य शरीर के प्राकृतिक संतुलन को बेहतर बनाना और संपूर्ण स्वास्थ्य को सहयोग देना होता है।

डॉ ऋद्धि के अनुसार होम्योपैथी निम्न क्षेत्रों में सहायक हो सकती है:

हार्मोनल संतुलन सुधारने में मदद

पीरियड्स की अनियमितता को कम करने में सहायता तनाव से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद शरीर के मेटाबॉलिक स्वास्थ्य को समर्थन देना मुंहासों और बालों से संबंधित समस्याओं में प्राकृतिक सहायता विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और तनाव प्रबंधन लंबे समय तक हार्मोनल स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ॰ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

10 लाख की लूट, थाना से 300 मीटर दूर बाइक सवारों ने ज्वेलर्स के बैग छीनकर भागे

हाजीपुर। वैशाली जिले में देर रात एक बड़ी लूट की घटना को अंजाम दिया गया। यह वारदात गोरौल थाना से महज 300 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे पुलिस गश्त पर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना गोरौल थाना क्षेत्र के गोरौल चौक पर स्थित राहुल व हर्ष ज्वेलर्स दुकान के पास हुई। दुकान मालिक राहुल कुमार रात में दुकान का शटर बंद कर घर जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन बदमाशों ने उनके हाथ से आभूषण से भरा बैग झपट्टा मारकर छीन लिया और मौके से फरार हो गए। दुकानदार ने शोर मचाया और अपराधियों का पीछा भी किया, लेकिन वे भागने में सफल रहे। पीड़ित दुकानदार राहुल कुमार ने बताया कि छीने गए बैग में दुकान की चाबी के साथ लगभग 10 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और 24 हजार रुपये नकद थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी की, लेकिन अपराधियों का कोई सुराग नहीं मिल पाया। दुकान में सीसीटीवी कैमरा लगा है, लेकिन चूंकि दुकान की चाबी भी लूटे गए बैग में थी, इसलिए दुकान अभी तक नहीं खुल पाई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। इस घटना के बाद से पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं और स्थानीय व्यापारियों में दहशत का माहौल है। मामले के खुलासे और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए जिले की डीआईयू (जिला खुफिया इकाई) टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

भूमि विवाद पंचायत हिंसक झड़प में बदली, जनप्रतिनिधियों के सामने 12 लोग घायल, दोनों पक्ष ने दिया आवेदन

हाजीपुर। वैशाली के बेलसर थाना क्षेत्र के नगवां गांव में भूमि विवाद को लेकर बुलाई गई पंचायत हिंसक झड़प में बदल गई। इस घटना में महिलाओं सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलसर ले जाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायलों को सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर किया गया है। नगवां पंचायत में लंबे समय से चले आ रहे जमीन विवाद के समाधान के लिए यह पंचायत आयोजित की गई थी। पंचायत की अगुवाई सरपंच प्रतिनिधि क्रांति पटेल और मुखिया प्रतिनिधि विंदा सिंह कर रहे थे। दोनों पक्षों के लोग बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने के लिए एकत्र हुए थे। पंचायत के दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। प्रतिनिधियों ने बताया कि कुछेक मुद्दों को बेवजह तूल दिया गया। इसी बीच, एक पक्ष के जैनुल टेलर और दूसरे पक्ष के रफाकत हुसैन के बीच किसी बात पर तीखी बहस छिड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कुछ ही देर में माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोप है कि रफाकत हुसैन पक्ष के लोगों ने पंचायत के बीच ही जैनुल टेलर पर हमला कर दिया। इसके बाद दोनों ओर से लाठी-डंडे, तलवार और फरसा चलने लगे। अचानक हुई हिंसा से मौके पर भगदड़ मच गई और पंचायत में मौजूद जनप्रतिनिधियों को वहां से हटना पड़ा। इस मारपीट में एक पक्ष के हसन रजा, नूरुल होदा, अली राजा, जाकिर हुसैन और शबाना खातून घायल हुए हैं। वहीं, दूसरे पक्ष से रफाकत हुसैन, मन्नान, सज्जाद हुसैन, रौशन खातून और मोहम्मद फारूक सहित कई लोग जख्मी बताए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही बेलसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस दोनों पक्षों से आवेदन लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

दहेज हत्या मामले में आरोपी पति बरी, कोर्ट ने 10 साल बाद किया रिहा, वकील बोले- सच की जीत हुई

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर सिविल कोर्ट ने दहेज हत्या के एक मामले में आरोपी संजीत महतो को बरी कर दिया है। एडीजे-1 की अदालत ने उन्हें दस साल बाद आरोपी को बाइज्जत रिहा किया। संजीत महतो पारू थाना क्षेत्र के केशोपुर वभनगांव के निवासी हैं। यह मामला संजीत महतो के ससुर शंकर महतो ने पारू थाना में दर्ज कराया था। इसकी प्राथमिकी संख्या 250/16 थी। अभियोजन पक्ष ने अदालत में चार गवाह पेश किए थे। हालांकि, आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूतों के अभाव में अदालत ने उन्हें रिहा करने का फैसला सुनाया। संजीत महतो का बचाव मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के. झा ने किया। उन्होंने अदालत में मजबूती से अपना पक्ष रखा। रिहाई के बाद वकील झा ने कहा, "सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं।" उन्होंने यह भी बताया कि संजीत महतो एक गरीब परिवार से आते हैं और उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं थे।

देसी कट्टा के साथ 5 बदमाश अरेस्ट, 212 पुड़िया स्मैक सहित आधार कार्ड जब्त

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के कांटी थाना क्षेत्र में 22 मई 2026 को हुई लूटपाट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से लूटा गया सामान, एक देसी कट्टा, 212 पुड़िया स्मैक और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है। बाइक सवार युवक से हुई लूट की इस घटना के संबंध में कांटी थाना में कांड संख्या 316/26 दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी और सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी की और आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की। सबसे पहले सुंदरम कुमार, धर्मनाथ कुमार उर्फ बड़ी और दीपक कुमार उर्फ विवेक कुमार को गिरफ्तार किया गया। उनकी निशानदेही पर कपरपुरा ओवरब्रिज के पास छापेमारी कर लूटा गया आधार कार्ड, ऑनर बुक और एक देसी कट्टा बरामद किया गया। इसके बाद, पुलिस ने कांटी हाईस्कूल के पीछे स्थित लीची बगान में छापा मारा और गौरव कुमार और राज कुमार यादव उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 212 पुड़िया स्मैक और लूटकांड में इस्तेमाल की गई बाइक मिली। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार अपराधियों ने कांटी थाना क्षेत्र में हुई कई अन्य आपराधिक घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, इन अपराधियों का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और इनके खिलाफ पहले से आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और लूट के कई मामले दर्ज हैं। बरामद देसी कट्टा और स्मैक को लेकर पुलिस ने अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की है। फिलहाल, पुलिस पूरे गिरोह और उनके नेटवर्क की जांच कर रही है, साथ ही अन्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

मुजफ्फरपुर में कंपनी की फ्रेंचाइजी लेकर ठगी का आरोपी अरेस्ट, लोगों के साथ-साथ कंपनी को भी ठगा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने एक बड़े साइबर फ्रॉड गिरोह का खुलासा किया है। यह गिरोह एक निजी कंपनी की फ्रेंचाइजी लेकर ग्राहकों के साथ-साथ कंपनी को भी ठगी का शिकार बना रहा था। मामले में पुलिस ने गिरोह के सक्रिय सदस्य मोहम्मद चांद को गिरफ्तार किया है, जबकि इसका मास्टरमाइंड अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि लगातार साइबर ठगी से संबंधित शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद साइबर डीएसपी हिमांशु कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी और मानवीय अनुसंधान के आधार पर जांच शुरू की, जिसमें मोतीपुर थाना क्षेत्र में संचालित एक संदिग्ध नेटवर्क का पता चला। जांच में सामने आया कि सरैया थाना क्षेत्र निवासी मोहम्मद चांद "एक सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड" नामक निजी कंपनी की फ्रेंचाइजी चला रहा था। आरोप है कि वह ग्राहकों से ओटीपी लेकर उनके ऑर्डर में हेरफेर करता था। कई मामलों में ग्राहकों का रिफंड पैसा भी ओटीपी के जरिए अपने खाते में ट्रांसफर करा लिया जाता था। इस पूरी प्रक्रिया में कंपनी की साख और सिस्टम का भी दुरुपयोग किया जा रहा था, जिससे कंपनी भी ठगी का शिकार बनी। सिटी एसपी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मोतीपुर स्थित एक गोदाम से साइबर फ्रॉड से जुड़े काम किए जा रहे हैं। इसके बाद साइबर थाना की टीम ने कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लैपटॉप, मोबाइल फोन, स्कैनर समेत कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। फिलहाल जब्त उपकरणों की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस नेटवर्क के जरिए कितने लोगों को ठगा गया और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

बिहार पुलिस कॉन्स्टेबल का फाइनल रिजल्ट जारी, 13 लाख कैंडिडेट्स ने दिया था एग्जाम

19,838 अभ्यर्थियों का हुआ सिलेक्शन, इनमें 17 ट्रांसजेंडर

एजेंसी, पटना

केंद्रीय चयन पर्षद (CSBC) ने बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2025 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। इस भर्ती प्रक्रिया में कुल 19,838 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जिनमें 17 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी भी शामिल हैं। अभ्यर्थी अपना रिजल्ट CSBC की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। भर्ती के लिए कुल 17,06,628 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें से 13,30,121 उम्मीदवार लिखित परीक्षा में शामिल हुए थे।

PET में 79 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी शामिलः लिखित परीक्षा के आधार पर 99,690 अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (PT) के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। पर्षद के अनुसार, PET में कुल 79,932 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें 50,477 पुरुष, 29,426 महिला, 29 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल थे। शारीरिक दक्षता परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर अंतिम मेरिट लिस्ट तैयार की गई। अंतिम लिस्ट में कुल 19 हजार 838 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इनमें बिहार पुलिस के लिए 16 हजार 852 और बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (BSAP) के लिए 2,986 अभ्यर्थियों को चुना गया है। चयनित अभ्यर्थियों में 12 हजार 509 पुरुष, 7 हजार 312 महिलाएं और 17 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल हैं। इसके अलावा 332 प्रशिक्षित गृह रक्षक और 190 स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को भी चयन सूची में जगह दी गई है।

20 जून से देना होगा योगदानः केंद्रीय चयन पर्षद ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को 20 जून 2026 से 19 जुलाई 2026 के बीच संबंधित नियुक्ति प्राधिकारी के कार्यालय में योगदान देना होगा। नियुक्ति से पहले अभ्यर्थियों का कैरक्टर सर्टिफिकेट और मेडिकल कराई जाएगी।

बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2025 कुल 6 चरणों में आयोजित की गई थी। केंद्रीय चयन पर्षद (CSBC) ने यह परीक्षा 16 जुलाई, 20 जुलाई, 23 जुलाई, 27 जुलाई, 30 जुलाई और 3 अगस्त 2025 को आयोजित कराई थी। इस भर्ती का विज्ञापन मार्च 2025 में जारी किया गया था। भर्ती प्रक्रिया के लिए कुल 16,73,586 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। इनमें से 13,30,121 उम्मीदवार लिखित परीक्षा में शामिल हुए। पर्षद के अनुसार, परीक्षा के दौरान अनियमितता या गलत जानकारी देने के कारण 71 अभ्यर्थियों को अयोग्य घोषित किया गया। लिखित परीक्षा के बाद सफल अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) के लिए बुलाया गया था, जिसके आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की गई।

6 फीट हवा में उछलकर सड़क पर गिरा युवक, मौत

एजेंसी, पटना

पटना के कुर्जी होली फैमिली हॉस्पिटल के पास 100 की स्पीड में बाइक डिवाइडर से टकरा गई। जिसके बाद बाइक स्किट करते ही युवक 6 फीट हवा में उछलकर सड़क पर गिर गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक स्टंट करते हुए हाई स्पीड में दानापुर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइटर से टकरा गई। मृतक की पहचान रहीस (26) के रूप में हुई है, जो पाटलिपुत्र कॉलोनी का रहने वाला था। इंस्टाग्राम पर युवक की the hell rider 26 नाम से आईडी है और इस पर दर्जनों बाइक स्टंट के वीडियो अपलोड है। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

100 की रफ्तार में थी बाइकः चश्मदीद ने बताया कि बाइक की स्पीड करीब 100 किलोमीटर प्रतिघंटा रही होगी। अचानक डिवाइडर से बाइक टकराई तो युवक और बाइक दोनों दो दिशा में फेंका गया। युवक हवा में उछलकर सड़क पर गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। करीब 20 मिनट तक अफरातफरी का माहौल बना रहा। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची। इससे पहले ट्रैफिक रेगुलेशन में तैनात पुलिसकर्मियों ने भीड़ को वहां से हटा दिया।

जांच-पड़ताल में जुटी पुलिसः पाटलिपुत्र थाने की पुलिस जांच-पड़ताल में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पीएमसीएच भेज दिया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्पेन में दीघा-कंकड़बाग प्रोजेक्ट को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

एजेंसी, पटना

बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम (बुडको) के दीघा-कंकड़बाग प्रोजेक्ट को "ग्लोबल वॉटर अवार्ड" से सम्मानित किया गया है। स्पेन में आयोजित 'ग्लोबल वॉटर समिट 2026' में दीघा-कंकड़बाग इंटीग्रेटेड वेस्ट वॉटर प्रोजेक्ट को 'वेस्टवॉटर प्रोजेक्ट ऑफ द ईयर' के रूप में अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला है। इस कार्यक्रम में दुनियाभर के कई देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

गौरव के साथ-साथ आगे बेहतर करने की प्रेरणाः बुडको प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि यह सम्मान बुडको परिवार, नमामि गंगे और सभी भागीदार एजेंसियों की सामूहिक मेहनत और समर्पण का परिणाम है। यह हमारे लिए गौरव के साथ-साथ आगे बेहतर करने की प्रेरणा भी है। हमारा संकल्प है कि बिहार में जल प्रबंधन के क्षेत्र में निरंतर नए मानक स्थापित करें। उन्होंने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आगे के कार्यों के लिए जिम्मेदारी को और बढ़ाती है।

अंतरराष्ट्रीय मान्यता के साथ बुडको ने शहरी जल प्रबंधन और स्वच्छता के क्षेत्र में बिहार को देश के अग्रणी राज्यों की पंक्ति में स्थापित किया है। ग्लोबल वॉटर इंटेलिजेंस (GWI) की ओर से 2006 से दिया जाने वाला पुरस्कार जल क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और सामाजिक प्रभाव के सर्वोच्च वैश्विक मानकों का प्रतीक माना जाता है।

पटना में ठेकेदार के घर रेड, जेवरात-कैश मिले

एजेंसी, पटना

विशेष निगरानी इकाई (SVU) ने बुधवार को पटना में ठेकेदार रिशु श्री के ठिकाने पर रेड की है। मीठापुर स्थित कांताराम सखी एंक्लेव में सुबह 8 बजे 8 सदस्यीय टीम ने फ्लैट नंबर 5A में दबिश दी है। ठेकेदार रिशु श्री पर सरकारी टेंडरों में हेराफेरी और अपनी कंपनी को लाभ पहुंचाने के आरोप हैं। रेड के दौरान निगरानी को जेवरात और कैश मिले हैं। SVU की टीम सुबह से ही दस्तावेजों, बैंक लेनदेन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की गहन जांच में जुटी रही। रिशु श्री पर टेंडर के लिए IAS अधिकारियों को विदेश ट्रिप पर भेजना का भी आरोप है।

रिशु टेंडर के लिए IAS और उनके परिवार को विदेश भेजता थाः 6 महीने पहले प्रवर्तन निदेशालय (ED) की एक रिपोर्ट में रिशु श्री पर दो भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों (IAS) और उनके परिवारों को यूरोप, ऑस्ट्रेलिया की विदेश यात्राएं कराने का आरोप लगा था। बताया जाता है कि, रिशु श्री ने सरकारी टेंडर दिलाने के बदले 2017 बैच के IAS योगेश कुमार सागर और 2014 बैच की IAS अभिलाषा कुमारी शर्मा के पूरे परिवार की विदेश यात्रा का खर्च उठाया था। इसमें यात्रा और ठहरने का पूरा खर्च शामिल था। जांच में यह भी सामने आया है कि IAS अभिलाषा शर्मा के घर की छत पर की गई बागवानी पर आया 9 लाख रुपए का खर्च भी रिशु श्री ने ही मैनेज किया था।

♦ आईएएस अधिकारियों को विदेश ट्रिप पर भेजता था रिशु, दरभंगा में बीडीओ के ठिकानों पर ईओयू की दबिश

मामला अपर मुख्य सचिव (निगरानी) के पास भेजा गया थाः विशेष निगरानी इकाई के ADG पंकज दराद ने ED की चिट्ठी मिलने की पुष्टि की थी। ADG पंकज दराद ने बताया था कि, 'यह मामला अपर मुख्य सचिव (निगरानी) के पास भेजा गया है। उनके अनुमोदन के बाद दोनों IAS अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी (FIR) होगी।'

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहले ही चल रही जांचः रिशु श्री पहले से ही प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) 2002 के तहत जांच का सामना कर रहे हैं। 25 नवंबर को ED ने अहमदाबाद, सूरत, गुड़गांव और दिल्ली सहित देशभर में उनके 9 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान ED को 33 लाख रुपए नकद, महत्वपूर्ण दस्तावेज और कई डिजिटल उपकरण मिले थे। जांच में यह भी संकेत मिला है कि रिशु श्री ने ठेके हासिल करने के लिए कई विभागों के अधिकारियों को मोटी कमीशन दी थी। दरभंगा के केवटी ब्लॉक के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) चंद्र मोहन पासवान के अलग-अलग ठिकानों पर EOU की टीम ने दबिश दी है। EOU की टीम ने कुल छह स्थानों पर एक साथ छापेमारी की है। इनमें दरभंगा जिले के केवटी प्रखंड मुख्यालय स्थित उनका कार्यालय और सरकारी आवास शामिल है। इसके अलावा मधुबनी जिले के बाबूबरही स्थित पैतृक आवास, सीतामढ़ी में एक ठिकाना तथा दरभंगा जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र स्थित निजी आवास पर भी टीम दस्तावेजों और संपत्तियों की जांच कर रही है।

मरंची पीएचसी के बाहर एक घंटे तक तड़पता रहा मरीज, सिविल सर्जन ने जांच के आदेश दिए

एजेंसी, पटना

मोकामा के मरंची प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में एक बेहोश व्यक्ति को कथित तौर पर समय पर इलाज नहीं मिलने का मामला सामने आया है। अस्पताल कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगा है, जिसके बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। घटना ने एक बार फिर बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

डूब रहे युवक को मजदूर ने बचाकर स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचायाः जानकारी के अनुसार, हाथीदह थाना क्षेत्र के राजेंद्र सेतु स्थित दुखहरण स्थान घाट पर स्नान के दौरान करीब 50 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति पानी में डूब गया। मौके पर मौजूद रेल ब्रिज के मजदूरों ने उसे तुरंत बाहर निकाला। उस समय व्यक्ति पूरी तरह बेहोश था।

PHC में पहुंचने के बाद एक घंटे तक बस में ही पड़ाः मजदूरों और स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में उसे एक मिनी बस से मरंची पीएचसी पहुंचाया, ताकि उसकी जान बचाई जा सके और तत्काल इलाज मिल सके। लेकिन पीएचसी पहुंचने के बाद भी मरीज करीब एक घंटे तक बस में ही पड़ा रहा।

अस्पताल कर्मियों ने मरीज को उठाने में सहयोग करने से मना कियाः बस चालक ने अस्पताल कर्मियों से कई बार मदद की गुहार लगाई। उसने बताया कि मरीज भारी और बेहोश है, इसलिए उसे अकेले अंदर लाना संभव नहीं है। आरोप है कि इसके बावजूद स्वास्थ्य कर्मियों ने सहायता करने से इनकार कर दिया और कहा कि "जब तक मरीज को अस्पताल के अंदर नहीं लाया जाएगा, तब तक इलाज शुरू नहीं होगा।"

बिना प्राथमिक उपचार के एनएमसीएच रेफर कियाः घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और अस्पताल परिसर में हंगामा होने लगा। इसके बाद डॉक्टरों ने मरीज को बिना प्राथमिक उपचार दिए सीधे एनएमसीएच, पटना रेफर कर दिया।

♦ डॉक्टरों ने बिना प्राथमिक उपचार के एनएमसीएच रेफर किया

मरीज की स्थिति गंभीर बनी हुई हैः सूचना मिलते ही हाथीदह थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। पुलिस की मदद से मरीज को तत्काल पटना भेजा गया। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस अब तक उसकी पहचान नहीं कर सकी है।

इधर, मामले पर संज्ञान लेते हुए सिविल सर्जन योगेंद्र प्रसाद मंडल ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मियों के खिलाफ सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

कैश वैन से 27 लाख लूटने वाले अपराधी का एनकाउंटर

एजेंसी, पटना

बुधवार की सुबह पटना में दिनदहाड़े सिक्योरिटी वैन से 27 लाख लूट में शामिल बदमाश को पुलिस ने दौड़ाकर गोली मारी है। गोली पैर में लगी है। पुलिस ने उसके एक साथी अजय यादव उर्फ छोटू उर्फ सरवन को भी मौके से गिरफ्तार किया है। बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाश की पहचान अजय पासवान के रूप में हुई है। एनकाउंटर पटना के मसौढ़ी इलाके में हुई है।

पटना में 13 मई को सिक्योरिटी वैन से 27 लाख रुपए की लूट हुई थी। पुलिस को सूचना मिली कि वारदात में शामिल कुछ बदमाश मसौढ़ी इलाके में जमा हुए हैं। पुलिस और STF ने ने बदमाशों के ठिकाने की घेराबंदी की। पुलिस से घिरने के बाद बदमाश भागने लगे, खुद को घिरता देख अजय पासवान ने पुलिस पर 2 राउंड फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। गोली बदमाश अजय पासवान के पैर में लगी और वो जमीन पर गिर पड़ा। आया है कि अजय पासवान और उसके गिरोह ने 2 दिन पहले मसौढ़ी के एक स्वर्ण व्यवसायी को निशाना बनाने की साजिश रची थी। इसके लिए अपराधियों ने व्यवसायी और दुकान की रेकी भी की थी। सिटी एस पूर्वी परिचय कुमार ने कहा कि, सुबह कुछ अपराधियों से मुठभेड़ हुई। पुलिस को सूचना मिली थी बदमाश लूट की प्लानिंग कर रहे हैं।

❐ पटना पुलिस ने दौड़ाकर मारी गोली, ज्वेलरी शॉप की रेकी कर रहा था अजय पासवान

'लव गुरु' मटुकनाथ ने प्रशांत को बताया बाघ का कलेजावाला

एजेंसी, पटना

रिटायर्ड प्रोफेसर मटुकनाथ चौधरी ने इन दिनों राजनीति की बातें कर रहे हैं। मटुकनाथ साल 2006 में जूली की लव स्टोरी से चर्चा में आए थे। उन्होंने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सीट रही 'बांकीपुर' पर युवाओं को वोट से चोट देने की अपील की है। दूसरी ओर प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज को सपोर्ट किया है। मटुकनाथ ने शोषक सरकार के नाम से पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि मतदाता मतदान कर सो जाते हैं। 5 साल बाद लुटेरा फिर आता है। जनता को जगाकर वोट लेकर चला जाता है। जनता फिर सो जाती है। कोई हिसाब मांगने वाला है ही नहीं, तो चाहे जो वादा कर लो, लेकिन सोयी जनता को जगाने और "क्या हुआ तेरा वादा, वो कसम वो इरादा" पर सवाल पूछने वाला प्रशांत और जन सुराज के सैकडों युवा मैदान में उतर चुके हैं। सावधान लुटेरों ! बाघ का कलेजावाला तुम्हारी पीठ पर सवार हो चुका है! वादा पूरा करो या गद्दी छोड़ो। पहले जनता नायक विहीन थी, मार्गदर्शक विहीन थी। प्रशांत के आगमन से वह संकट समाप्त हो गया है। अब चैन की वंशी नहीं बजा पाओगे। वे तुम्हारी नाक में दम कर देंगे। इसके अलावा मटुकनाथ ने अपने फेसबुक पोस्ट पर लिखा कि 'तोड़ो गढ़ प्रतिगामी पार्टी के... बांकीपुर के युवा-शक्तियों! न चुप बैठो हृदय हार के, तोड़ दो सारे बंधन एक परिवार के... देश को पीछे धकेलनेवाले कितने मगरूर हैं।

डॉक्टरों पर 10 करोड़ खर्च, सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल की फैसिलिटी नहीं

एजेंसी, पटना

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में करोड़ों की लागत से 200 बेड का सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल बन रहा है। जी+7 सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल बाहर से लगभग तैयार दिखता है। हालांकि, इसकी आंतरिक फिनिशिंग, तकनीकी उपकरणों की स्थापना और सुरक्षा संबंधी परीक्षण अभी भी अधूरे हैं। लगभग 6 करोड़ 42 लाख 48 हजार रुपए की आधुनिक मशीनें खरीदी जा चुकी हैं। जिनका उपयोग गंभीर बीमारियों के इलाज में किया जाना है, लेकिन इंस्टॉल नहीं हैं। अधिकांश उपकरण पैककर बंद कमरों में रखे हुए हैं। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि उपयोग नहीं होने से मशीनों की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। सूत्र बताते हैं कि इन विशेषज्ञ चिकित्सकों के वेतन पर अब तक 10 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हो चुके हैं। बावजूद इसके मरीजों को सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा।

वारंटी और तकनीकी वैधता खत्म हो सकती हैः अस्पताल प्रशासन की चिंता है कि कई मशीनों की वारंटी और तकनीकी वैधता समय के साथ खत्म होने की स्थिति में पहुंच सकती है। यदि समय रहते इंस्टॉलेशन और ट्रायल नहीं हुआ, तो करोड़ों रुपए की सरकारी संपत्ति बेकार हो सकती है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि किसी भी मेडिकल उपकरण की वास्तविक उपयोगिता तभी साबित होती है, जब वह मरीजों के इलाज में इस्तेमाल हो, लेकिन फिलहाल स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। 40 सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टर मौजूद, लेकिन मरीज नहीं सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं को शुरू करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की प्रक्रिया के तहत लगभग 40 विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति पहले ही की जा चुकी है। इनमें कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, नेफ्रोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, यूरोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग के डॉक्टर शामिल हैं।

यहां तक कि एक ट्रांसप्लांट सर्जन भी अस्पताल में पदस्थापित हैं, लेकिन जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं होने के कारण एक भी ट्रांसप्लांट नहीं हो पा रहा है। अस्पताल के पास न तो तैयार वार्ड हैं, न ICU पूरी तरह चालू है और न ही ऑपरेशन थिएटर तकनीकी रूप से क्लियर हो पाए हैं। ऐसे में विशेषज्ञ डॉक्टरों को वास्तविक चिकित्सीय कार्य नहीं मिल पा रहा है। डॉक्टरों में निराशा बढ़ रही है और कुछ विशेषज्ञ संस्थान छोड़ने की तैयारी में हैं, तो कुछ विशेषज्ञ शैक्षणिक कार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

कूड़े में आग से फैला जहरीला धुआं, नागरिकों को हुई भारी परेशानी

मेरठ , एजेंसी। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के पास मंगलवार को डिग्गी वाले रास्ते पर खुले कूड़े में आग लग गई। इससे इलाके में जहरीला धुआं फैल गया, जिससे छात्र-छात्राओं, राहगीरों और आसपास के अस्पतालों में भर्ती मरीजों को भारी परेशानी हुई। धुएं की चपेट में कई हॉस्पिटल का क्षेत्र भी आ गया। स्थानीय लोगों ने खुले में कूड़ा जलाने को पर्यावरण नियमों की लगातार अनदेखी बताया। उन्होंने कहा कि इससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। छात्र नेता विनीत चपराना ने अपर नगर आयुक्त लवी त्रिपाठी को फोन पर सूचना दी। लवी त्रिपाठी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए नगर निगम की टीम और प्राइवेट गाड़ी मौके पर भेजी। टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने और सफाई की कार्रवाई शुरू की, जिसके बाद स्थिति पर काबू पाया गया। छात्र नेता विनीत चपराना ने कहा कि शहर को कूड़े का अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। चपराना ने नगर निगम से स्थायी समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कूड़े वाले क्षेत्र में नियमित सफाई और निगरानी की व्यवस्था मांगी। स्थानीय लोगों ने भी खुले में कूड़ा जलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

आगरा के इस मार्ग पर 'कभी पैदल मत चलना', विदेशी महिला ने किया पोस्ट; सोशल मीडिया पर बयां किया दर्द

आगरा, एजेंसी। ताजनगरी में पर्यटन को बढ़ावा देने के दावों के बीच एक बार फिर विदेशी सैलानियों की सुरक्षा और उनके असहज अनुभवों का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक विदेशी महिला पर्यटक का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह शहर की सड़क पर पैदल चलते हुए बेहद असहज नजर आ रही हैं। वायरल वीडियो आगरा के यमुना किनारा रोड का बताया जा रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि विदेशी महिला जब सड़क किनारे पैदल गुजर रही होती है, तो वहां मौजूद कुछ स्थानीय लोग और राहगीर उन्हें अजीब तरह से घूरते और बीच-बीच में उन पर फब्तियां कसते (टोकते) नजर आ रहे हैं। इस दौरान महिला का अनुभव इतना खराब रहा कि उन्होंने इसे अपने कैमरे में कैद कर लिया। रूसी भाषा में पोस्ट किए गए इस वीडियो के कैप्शन में महिला ने तंज कसते हुए लिखा, 卐हमने आगरा में दुकान तक पैदल चलने (वॉक करने) का सोचा, आप कभी ऐसा मत करना।卐 विदेशी महिला का यह पोस्ट अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है, जिससे पर्यटन नगरी की छवि पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय जागरूक नागरिकों का कहना है कि मेहमानों के साथ इस तरह का व्यवहार अतिथि देवो भव : की हमारी संस्कृति को ठेस पहुंचाता है।

सार्थक और शाहरुख बने आकर्षण का केंद्र, खदरा बकरा मंडी में उमड़ी भीड़

लखनऊ , एजेंसी। बकरीद से पहले बाजारों में जबरदस्त रौनक दिखाई दे रही है। शहर की बकरा मंडियों से लेकर मसाला, सेवई और कुर्बानी में प्रयोग होने वाले सामान बेचने वाली दुकानों तक लोगों की भीड़ उमड़ रही है। इसके चलते चौक, नक्खास, अकबरी गेट, अमीनाबाद और खदरा बकरा मंडी इलाके देर रात तक गुलजार रहे।खदरा बकरा मंडी में करीब 25 किलोमीटर दूर से पहुंचे रामसनेही के बाबरी नस्ल का सफेद और लंबे सींग वाला बकरा लोगों का ध्यान खींच रहा है।
बकरे का नाम 'सार्थक' बताया गया, जिसकी कीमत 45 हजार रुपये मांगी जा रही थी। वहीं मंडी में 50 हजार रुपये कीमत का 'शाहरुख' नाम का बकरा खरीदकर ले जाते चौक के सैफ को सभी एक पल निहार रहे थे। उसे आकर्षक तरीके से सजाया गया था। इस बकरे के साथ लोग फोटो और वीडियो बनाते दिखाई दिए। मंडी में दूरदराज इलाकों से लोग बोलेरो पिकअप और अन्य वाहनों से बड़ी संख्या में बकरे लेकर पहुंचे हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि बकरीद में अब सिर्फ एक दिन बाकी होने के कारण उन्हें अच्छे दाम मिलेंगे। शाम होते ही मंडियों में खरीदारों की भीड़ और मोलभाव का दौर तेज हो गया। चौक इलाके की कंघी वाली गली के पास कुर्बानी में इस्तेमाल होने वाले चाकू, छुरी, चापड़ और मुगदर की कई दुकानें भी सज गई हैं। दुकानदारों के अनुसार चापड़ 500 रुपये तक और छुरी 100 से 200 रुपये में बिक रही है। धार तेज कराने वालों के यहां भी लोगों की भीड़ लगी रही।सेवई, गरम मसाले और सूखे मेवों की दुकानों पर मुस्लिम महिलाएं और पुरुष खरीदारी करते नजर आए। अमीनाबाद और चौक के बाजारों में कुर्ता-पजामा, पठानी सूट, टोपी और इत्र की दुकानों पर भी अच्छी खासी भीड़ रही। बाजारों में देर रात तक चहल-पहल बनी रही।

तीखी धूप और ज्यादा तापमान बदल रहा है बुंदेलखंड की किस्मत

बढ़ा सौर ऊर्जा उत्पादन, खुलेगा नया प्लांट

लखनऊ , एजेंसी। बुंदेलखंड इन दिनों भीषण गर्मी की मार झेल रहा है। कुछ दिनों से यहां पारा लगातार 46 डिग्री के पार बना हुआ है। लोगों के लिए चिलचिलाती धूप और गर्म हवाएं मुसीबत बनी हुई हैं। लेकिन, इसका दूसरा और सुखद पहलू भी है। अलसुबह से ही तीखी धूप का सीधा फायदा बुंदेलखंड में सौर ऊर्जा उत्पादन को मिल रहा है। अकेले मई में यहां सौर ऊर्जा उत्पादन करीब 20 फीसदी बढ़ गया है। इतना ही नहीं यहां 70 मेगावाट का नया प्लांट भी शुरू कर दिया गया है। अगले माह तक कई नए प्लांट शुरू होंगे।

कभी जल संकट और पलायन के लिए पहचाना जाने वाला बुंदेलखंड आज सौर ऊर्जा उत्पादन की बदौलत पूरे प्रदेश में चमक रहा है। बुंदेलखंड में करीब 25 हजार एकड़ जमीन पर सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित कर दिए गए हैं। इसमें ज्यादातर जमीन बंजर है। यहां अभी तक 885 मेगावाट यूटिलिटी स्केल सौर पावर परियोजना में उत्पादन हो रहा है। मई 2026 में इसमें करीब 17 मेगावाट की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह 336 मेगावाट की ओपेन एक्सेस सौर परियोजनाओं में भी करीब छह मेगावाट की वृद्धि हुई है।

लंबे समय तक धूप मिलने से फायदा

यूपीनेडा के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेंद्र कुमार बताते हैं कि करीब 20 फीसदी वृद्धि की वजह सुबह छह बजे से पहले सूर्योदय और शाम छह बजे के बाद सूर्यास्त होना है। गर्मी के मौसम में लंबे समय तक सूर्य की किरणें मिलने से भरपूर उत्पादन हो रहा है। हालांकि, दोपहर के वक्त तापमान 40 डिग्री से अधिक हो जाता है तो उत्पादन प्रभावित होता है। यदि तापमान 40 डिग्री से कम या उसके आसपास बना रहे तो सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि का आंकड़ा 30 फीसदी तक जा सकता है।

पारा अचानक न बढ़े तो फायदा ज्यादा

जालौन में निजी कंपनी के सौर ऊर्जा प्लांट के इंजीनियर सौरभ सिंह के मुताबिक सर्दी में सात बजे के बाद उत्पादन शुरू होता है। अगर कोहरा हो तो ज्यादा असर पड़ता है। गर्मी में साढ़े पांच बजे से धूप हो जाती है तो उत्पादन जल्दी शुरू होता है और देर शाम तक होता है। अगर दोपहर में पारा 40 डिग्री से नीचे रहे तो ज्यादा फायदा मिलेगा।

ज्यादा तापमान में कम उत्पादन की वजह

यूपीनेडा के विशेषज्ञ बताते हैं कि सोलर पैनल सिलिकॉन जैसे सेमीकंडक्टर (अर्धचालक) पदार्थों से बनते हैं। जब तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाता है तो इनकी कार्यक्षमता कम होने लगती है। सोलर सेल्स में इलेक्ट्रॉन्स उत्तेजित हो जाते हैं जिससे बिजली का प्रवाह ठीक से नहीं हो पाता है। अगर तापमान 25 से 35 डिग्री के बीच रहता है तो फायदा सर्वाधिक मिलता है। सुबह और शाम को इसी मानक के आसपास तापमान मिल रहा है। ऐसे में उत्पादन भरपूर हो रहा है।

कबरई से 70 मेगावाट का उत्पादन शुरू

ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-2 परियोजना के तहत कबरई का 220 केवी उपकेंद्र शुरू हो गया है। यहां से मंगलवार को निजी कंपनी के सोलर प्लांट से पहली बार 70 मेगावाट सौर ऊर्जा की आपूर्ति की गई। उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थापित हो रहे 4000 मेगावाट क्षमता के सोलर प्लांटों से ऊर्जा निकासी के लिए 5400 करोड़ की लागत से कुल 21 विद्युत केंद्र बन रहे हैं। इनमें 10 विद्युत उपकेंद्र चालू किए जा चुके हैं।

यह हमारे लिए उपलब्धि

चरखारी, डकोर, बांगरा, बमौर, बिरधा, जैतपुर, हमीरपुर, बांदा और मड़ावरा उपकेंद्र जल्द हो जाएंगे। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-2 परियोजना के तहत पहली बार सोलर प्लांट से हरित ऊर्जा की सफल निकासी शुरू होना प्रदेश की विद्युत व्यवस्था के लिए उपलब्धि है।-मयूर महेश्वरी, प्रबंध निदेशक, यूपी पीपीटीसीएल

प्रदेश में वर्ष 2026-27 का लक्ष्य

- सोलर पार्क की क्षमता 14 हजार मेगावाट
- रूफटॉप सोलर (आवासीय) 4500 मेगावाट
- रूफटॉप सरकारी (वाणिज्यिक) 1500 मेगावाट
- पीएम कुसुम योजना (सोलर पंप) 2000 मेगावाट
- अभी सौर ऊर्जा उत्पादन 2876 मेगावाट
- बुंदेलखंड में सौर ऊर्जा उत्पादन की स्थिति
- 336 मेगावाट ओपेन एक्सेस सौर पावर परियोजना में उत्पादन
- 394 मेगावाट ओपेन एक्सेस सौर पावर परियोजना में उत्पादन की तैयारी
- 7800 मेगावाट की पावर परियोजना पाइप लाइन में हैं

अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क की स्थिति : बुंदेलखंड में अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क के तहत 3840 मेगावाट की स्वीकृति है। इसमें 430 मेगावाट का उत्पादन हो रहा है, जबकि 3410 मेगावाट पर काम चल रहा है।

टेक्नीशियन ही करता था किडनी ट्रांसप्लांट

900 पन्नों की चार्जशीट तैयार, खुला काला सच

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में अवैध तरीके से हुए किडनी ट्रांसप्लांट का खेल ओटी मैनेजर, ओटी असिस्टेंट, आईसीयू स्टाफ नर्सिंगहोम संचालकों के साथ मिलकर खेला है। पुलिस की चार्जशीट में सामने आया है कि ओटी मैनेजर और टेक्नीशियन मुदस्सिर अली ही किडनी ट्रांसप्लांट करता था। ओटी टेक्नीशियन राजेश कुमार तोमर और कुलदीप सिंह राघव ट्रांसप्लांट में सहयोग करते थे। तीनों को जेल भेजा जा चुका है।पुलिस को विवेचना में साक्ष्य मिले हैं कि किडनी डोनर और रिसीवर को लाने, रुकवाने और सर्जरी के बाद देखरेख की जिम्मेदारी अलग-अलग लोगों की थी। अस्पताल के स्टाफ की पहले ही छुट्टी कर दी जाती थी। किडनी ट्रांसप्लांट मामले में करीब 900 पेज की चार्जशीट तैयार हो गई है। उसे मंगलवार को विधिक राय के लिए भेजा गया है, जिसे मंजूरी मिलते ही कोर्ट में दाखिल किया जाएगा।

जांच के बाद इनकी हुई थी गिरफ्तारी

रावतपुर पुलिस ने 31 मार्च को एसआई मुकेश कुमार की तहरीर पर अवैध तरीके से किडनी ट्रांसप्लांट की एफआईआर दर्ज की थी। जांच के बाद आहूजा नर्सिंगहोम संचालक डॉ. सुरजीत सिंह आहूजा, डॉ. प्रीति आहूजा, शिवम अग्रवाल, राजेश कुमार, राम प्रकाश कुशवाहा, नरेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह राघव, राजेश तोमर, परवेज सैफी, रोहित तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

मेरठ, गाजियाबाद, दिल्ली भेजी गई थीं टीमें

पुलिस की जांच में एनसीआर क्षेत्र के कुछ लोगों के नाम आए। कई टीमें मेरठ, गाजियाबाद, दिल्ली भेजी गई लेकिन कोई नहीं मिला। कुछ दिन बाद गाजियाबाद के मुदस्सर अली ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। पुलिस ने शनिवार को बहराइच के सैफुद्दीन और चकेरी के अखिलेश तिवारी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेजा गया। अभी चार से पांच आरोपियों की तलाश की जा रही है। इसमें डॉ. अफजल, डॉ. वैभव, नवीन पांडेय आदि शामिल हैं।

पुलिस और नर्सिंगहोम के स्टाफ बनाए गए गवाह

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, चार्जशीट में 25 से 30 गवाहों के बयानों को शामिल किया गया है। इसमें कानपुर पुलिसकर्मियों के अलावा मेरठ, गाजियाबाद, दिल्ली के नर्सिंगहोम के स्टाफ हैं। दो होटल कर्मियों और स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर और विशेषज्ञों के बयान भी लिए गए हैं। चार्जशीट में होटल, नर्सिंगहोम, ट्रैवल एजेंसी के दस्तावेज लगाए गए हैं। तीन नर्सिंगहोम के सीसीटीवी फुटेज को शामिल किया गया है। रावतपुर पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर तीन से चार दिन में चार्जशीट कोर्ट में प्रस्तुत कर सकती है।

समीक्षा बैठक , युवा नेता आशीष कश्यप ने भीम आर्मी समेत 200 से अधिक सपाइयों को भी कराया बसपा में शामिल

सुनील बाजपेई

कानपुर। आगामी विधानसभा चुनाव में बहुजन समाजवादी पार्टी अपने विरोधी दलों को बहुत बड़ी टक्कर देने की तैयारी में जुटी हुई है। कानपुर मंडल की समीक्षा बैठक में भी इसी कथन की पुष्टि होती दिखाई पड़ी। इस समीक्षा बैठक में पार्टी पदाधिकारियों ने बूथ गठन, संगठन विस्तार और कार्यकर्ताओं की सक्रियता को लेकर चर्चा की। बैठक में बड़ी संख्या में युवाओं के पार्टी में शामिल होने से बसपा ने शक्ति प्रदर्शन भी किया।

अगर बहुजन समाज पार्टी में युवाओं की भूमिका की बात करें तो उसकी मजबूती में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका आशीष कश्यप जैसे तेजतर्रार और व्यवहार कुशल युवा नेताओं की नजर आ रही है।

खास बात यह भी कि हर किसी के सुख दुख में सदैव खड़े होने वाले और अपनी व्यवहार कुशलता के बल पर हर जाति, हर धर्म और हर वर्ग के मतदाताओं में चुनाव जीतने की हद तक मजबूत पकड़ रखने वाले युवा नेताओं में सुमार आशीष कश्यप बसपा के प्रति समर्पित तो शुरू से ही हैं। उसके लिए काम भी जमकर करते रहे हैं। लेकिन उन्होंने सदस्यता पार्टी प्रमुख बहन मायावती का आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद ही ली है। वह समाजवादी पार्टी और भीम आर्मी के लगभग 200 कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक के दौरान बसपा में शामिल हुए। इस बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व एमएलसी एवं मुख्य मंडल. प्रभारी डा. विजय प्रताप ने कार्यकर्ताओं से हर बूथ पर मजबूत टीम तैयार करने का आह्वान किया। मुख्य मंडल प्रभारी सूरज सिंह जाटव ने भी पार्टी सुप्रीमो मायावती के निर्देशों से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। बैठक में मुख्य मंडल प्रभारी संजय गौतम, अनिल पाल, बौद्ध प्रिय गौतम, नरेंद्र कुशवाहा, जितेंद्र संखवार और जिला अध्यक्ष सुशील कुमार गौतम व विभिन्न जिलों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कबाड़ गोदाम में भीषण आग, पिकअप व मिनी डीसीएम समेत लाखों का सामान जलकर राख

गोंडा, एजेंसी। गोंडा जिले के नवाबगंज कस्बे के झिलिया चौराहे के पास स्टार हॉस्पिटल के सामने स्थित पुराने कबाड़ व्यवसायी राजदीप गुप्ता के गोदाम में मंगलवार देर रात करीब दो बजे अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत फैल गई।

आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने घंटों मशक्कत कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग की ऊंची-ऊंची लपटें दूर तक दिखाई दे रही थीं, जिसके चलते बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए।

गोदाम मालिक राजदीप गुप्ता ने बताया कि आग में उनकी एक पिकअप, एक मिनी डीसीएम वाहन और लाखों रुपये मूल्य का कबाड़ जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि गोदाम में बिजली कनेक्शन भी नहीं था, ऐसे में आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं।

सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग करती रही। थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि दमकल विभाग की सहायता से आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल पुलिस और संबंधित विभाग आग लगने के कारणों की जांच में जुटे हैं।

रहमान खेड़ा में बनेगा कृषि ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस लैब

लखनऊ, एजेंसी। राज्य कृषि प्रबंध संस्थान रहमानखेड़ा लखनऊ में कृषि ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस लैब की स्थापना की जाएगी। इसके लिए मंगलवार को एमओयू किए गए। राज्य कृषि प्रबंध संस्थान (एसआईएमए) में यूनिसेड संस्था के सहयोग से अत्याधुनिक ड्रोन आधारित कृषि प्रयोगशाला स्थापित की जा रही हैं, जिसके क्रियान्वयन के लिए संस्थान के निदेशक राजेंद्र कुमार सिंह, सह प्राध्यापक शैलेंद्र कुमार सिंह, अवर अभियंता आकाश कुमार, और यूनिसेड संस्था की रश्मि कुमारी ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। यह पहल उत्तर प्रदेश में स्मार्ट एवं प्रौद्योगिकी आधारित कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया है।

एक वायरल तस्वीर की वजह से हुआ पूरा विवाद, सोशल मीडिया पर लगे थे निजी आरोप

लखनऊ, एजेंसी। सपा विधायक महाराजी प्रजापति के आवास पर मंगलवार रात हुए हंगामे की जड़ सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक तस्वीर और उस पर की गई टिप्पणियां बताई जा रही हैं। इंटरनेट मीडिया पर शुरू हुई बहस धीरे-धीरे इतनी बढ़ गई कि मामला विधायक आवास पर हुए हमले तक पहुंच गया। पिछले कई दिनों से दोनों पक्षों के बीच तीखी बयानबाजी चल रही थी।

जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले विधायक महाराजी प्रजापति एक कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। इसी दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति के पैर छूने वाली तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। तस्वीर साझा करते हुए कुछ लोगों ने कटाक्ष भरी टिप्पणियां कीं। पोस्ट में सत्ता और प्रभाव को लेकर टिप्पणी की गई। इसके बाद विधायक समर्थकों और पोस्ट साझा करने वाले पक्ष के बीच लगातार जवाबी पोस्ट और टिप्पणियां होने लगीं।

बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया पर बहस बढ़ने के साथ दोनों पक्षों के बीच तनातनी भी बढ़ती गई। आरोप है कि एक-दूसरे को खुली चुनौती देने जैसी टिप्पणियां भी की गईं। इसी बीच बड़ी संख्या में लोग उस युवक के घर पहुंचे, जिस पर पोस्ट का समर्थन करने का आरोप था। हालांकि युवक घर पर नहीं मिला। वहां मौजूद परिजनों ने उससे दूरी होने की बात कही। बाद में कुछ लोगों को जानकारी मिली कि संबंधित युवक विधायक आवास पर मौजूद है। इसके बाद कई लोग आवास विकास कॉलोनी स्थित विधायक आवास पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वहां युवक को बाहर बुलाने की मांग होने लगी। इसी दौरान माहौल गर्म हो गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद ने बड़ा रूप ले लिया।घटना के बाद देर रात तक इलाके में हलचल बनी रही। पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पोस्ट से लेकर रात में हुई घटनाओं तक हर पहलू की गहन पड़ताल की जा रही है।इस हमले के बारे में जब विधायक महाराजी प्रजापति से बात की गई तो उन्होंने कहा कि रात में मैं घर पर नहीं थी।

मुझे ले जाओ, ये मुझे मार देंगे, कत्ल से पहले खुशी ने मौसी को फोन कर कहे थे ये आखिरी शब्द

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के भावनपुर थाना इलाके में छात्रा खुशी उर्फ खुशबू की गला दबाकर हत्या के बाद आरोपी पिता कपिल भारद्वाज ने उसके शव का अंतिम संस्कार कर दिया। खुशी के मामा भूपेंद्र शर्मा ने जब उसकी कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग पुलिस को सुनाई तो पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

ऑडियो में खुशी अपनी मौसी से कह रही है कि मामा से कह दो मुझे यहां से ले जाएं, ये लोग मुझे मार देंगे। इन्होंने जीना मुश्किल कर दिया है। आरोपी ने शुरुआत में पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया लेकिन फिर जुर्म कबूल कर लिया। हापुड़ निवासी भूपेंद्र शर्मा का कहना है कि लगभग चार साल पहले कपिल की दूसरी पत्नी पिंकी के बेटी पैदा हुई थी। इसके बाद से कपिल और पिंकी उनकी भांजी खुशी का उत्पीड़न करने लगे थे।

खुशी ने कई बार भूपेंद्र के परिजन और मौसी को कॉल कर आरोपियों के उत्पीड़न और प्रताड़ना की जानकारी दी थी। खुशी ने अपनी मौसी से कहा था कि ये लोग मारते रहते हैं।

उसकी मौसी ने कहा था कि बेटा मैं तो तुझे उस दिन ही ले आना चाहती थी जिस दिन तेरी मां की मृत्यु हो गई थी। पर नहीं ला पाई थीं।

पड़ोसी की सूचना पर भूपेंद्र शर्मा व उनके परिजन दोपहर साढ़े तीन बजे के करीब आरोपियों के घर पहुंच गए। इसके कुछ देर बाद ही कपिल आदि बृजघाट में खुशी का अंतिम संस्कार लौट गए। इस पर भूपेंद्र शर्मा के परिजन ने कपिल व उसकी पत्नी पर हत्या का आरोप लगाया। इस पर आरोपी भड़क गए और मारपीट करने लगे। कपिल ने उनसे झूठ बोलते हुए कहा कि उसने हत्या नहीं की। पेट में दर्द होने के कारण उसकी मौत हुई है।

परिजन का कहना है कि वह चाहते थे कि पिता के पास रहकर खुशी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर लेगी। एक ऑडियो रिकॉर्डिंग में खुशी से मौसी कह रही हैं कि तू समझदार हो गई है। अपने भाई की मां और पिता बनकर उसे ख्याल रखना है। खुशी ने कहा कि वह भाई का ख्याल तो तब रख पाएगी जब वह खुद ठीक रहेगी। आरोपी खुशी को फोन पर भी बात नहीं करने देते थे।

पुलिस को गुमराह करते रहे आरोपी : जुर्म कबूल करने के बाद भी आरोपी कपिल पुलिस के गुमराह करता रहा। उसका कहना था कि खुशी की स्कूल से शिकायत आती थी। वह मोबाइल चलाती थी। इसलिए उन्होंने हत्या की। महिला पुलिसकर्मियों ने पिंकी के बयान लिए तो वह भी बीमारी से मौत की बात कहकर पुलिस को गुमराह करती रही। पिंकी से पूछताछ की जा रही है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि संपत्ति में हिस्सा न देना पड़े इसलिए खुशी की हत्या की गई है। जांच में यह भी सामने आया है कि सौतेली मां के बेटी होने के बाद आरोपियों ने पहली पत्नी की बेटी के साथ उत्पीड़न शुरू कर दिया था।

बहन को भी मारने लगाया आरोप : भूपेंद्र का कहना है कि 2017 में जब प्रीति की मौत हुई थी तब कपिल और उसके परिजन का कहना था कि उसकी बेड से गिरकर मौत हो गई। अब उन्होंने आरोप लगाया कि प्रीति की भी उस दौरान हत्या की गई थी लेकिन खुशी और राधे के भविष्य को देखते हुए उन्होंने आरोपी पर कानूनी कार्रवाई नहीं की थी। आरोपी के पिता शास्त्रीनगर के सेक्टर-3 स्थित घर में रहते हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

सांसद का कटाक्ष- नेपाली नागरिकों से टैक्स यूरोप जैसा, सुविधाएं सोमालिया जैसी

काठमांडू। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के सांसद दीपक कुमार साह ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि सरकार नागरिकों से यूरोप जैसा टैक्स वसूल रही है, लेकिन सुविधाएं सोमालिया जैसी दे रही है। प्रतिनिधि सभा की बैठक में बुधवार को पूर्व श्रम तथा रोजगार मंत्री रह चुके साह ने कहा कि टैक्स और सुविधाओं के बीच कोई संतुलन नहीं है। साह ने कहा कि जनता की खुशहाली में ही सरकार का हित निहित होता है। उन्होंने सरकार से वार्षिक 5 लाख रुपये तक की आय पर लगाए जा रहे 1 प्रतिशत टैक्स की व्यवस्था में बदलाव करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अभी 5 लाख तक की वार्षिक आय पर 1 प्रतिशत टैक्स लगाने की व्यवस्था है। इसे बढ़ाकर इसी बजट से 10 से 12 लाख रुपये तक किया जाना चाहिए। सांसद साह ने यह भी कहा कि पिछले पांच वर्षों में महंगाई 38 से 40 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है, जबकि वेतन में केवल 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने सरकार से इसी के अनुरूप अन्य नीतियों और व्यवस्थाओं में संतुलन बनाने का आग्रह किया।

श्रीलंका अब 1 जून से नेपाल के पर्यटकों को निःशुल्क वीजा उपलब्ध कराएगा

काठमांडू। श्रीलंका ने नेपाली नागरिकों के लिए अब निःशुल्क पर्यटक वीजा की व्यवस्था लागू कर दी है। नेपाली नागरिकों को अब मुफ्त पर्यटक वीजा (इलेक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइजेशन-ईटीए) प्रदान किया जाएगा। श्रीलंका सरकार ने नेपाल सहित दुनिया के 40 देशों के नागरिकों के लिए यह नई सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। काठमांडू स्थित श्रीलंका दूतावास ने जानकारी दी है कि यह व्यवस्था को १ जून से लागू की जा रही है। इस नए प्रावधान के तहत पर्यटन उद्देश्य से श्रीलंका जाने वाले नेपाली नागरिक 30 दिनों के लिए दो बार प्रवेश की अनुमति वाला पर्यटक वीजा पूरी तरह निःशुल्क प्राप्त कर सकेंगे। इससे पहले इस वीजा के लिए निर्धारित शुल्क देना पड़ता था। माना जा रहा है कि इस कदम से दोनों देशों के बीच पर्यटन संबंध और मजबूत होंगे। श्रीलंका जाने वाले यात्रियों को वहां रवाना होने से पहले श्रीलंका के इमिग्रेशन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट या काठमांडू स्थित श्रीलंकाई दूतावास से संपर्क कर अनिवार्य रूप से ईटीए प्राप्त करना होगा।

नेपाल संसद में सत्ता पक्ष ने एक सप्ताह के भीतर प्रधानमंत्री की उपस्थिति का आश्वासन दिया

काठमांडू। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह एक सप्ताह के भीतर संसद में उपस्थित होंगे। विपक्षी सांसदों की ओर से लगातार अवरोध किए जाने के बीच सत्ता दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने सदन में बुधवार को यह आश्वासन दिया है। आरएसपी के मुख्य सचेतक कवीन्द्र बुरलाकोटी ने बुधवार को प्रतिनिधि सभा की दूसरी बैठक में कहा कि एक सप्ताह के भीतर प्रधानमंत्री की उपस्थिति से संसद को सुचारु रूप से चलाने का माहौल बनेगा। विपक्षी दल यूएमएल की उपनेता पद्मा अर्याल ने सत्तापक्ष पर स्पीकर की अध्यक्षता में हुई कार्यव्यवस्था परामर्श समिति की बैठक में सहमति बनने के बावजूद अपना पक्ष प्रस्तुत करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि संसद सरकार की प्रशंसा करने का मंच नहीं है और विपक्ष ने सरकार को जवाबदेह बनाने की अपनी जिम्मेदारी पूरी की है। अन्य विपक्षी सांसदों ने भी प्रधानमंत्री की संसद में उपस्थिति को लेकर स्पीकर से स्पष्ट रूलिंग देने की मांग की। इसके बाद स्पीकर डीपी अर्याल ने सांसदों से सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की उपस्थिति को लेकर आरएसपी की ओर से जानकारी प्राप्त हो चुकी है। स्पीकर की अपील के बाद विपक्षी सांसदों ने अपना विरोध समाप्त कर दिया और सदन में प्रस्तुत विधेयक पर चर्चा में भाग लिया।

व्यापार समझौते के लिए भारत आएगी अमेरिकी टीम

नई दिल्ली। पारस्परिक और परस्पर लाभकारी व्यापार संबंधित अंतरिम समझौते के लिए मुख्य वार्ताकार के नेतृत्व में अमेरिकी टीम 1 से 4 जून तक भारत दौरे पर आएगी। वाणिज्य मंत्रालय ने आज इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार अंतरिम समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने और बाजार पहुंच, गैर-टैरिफ उपाय, सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा, निवेश प्रोत्साहन, आर्थिक सुरक्षा संरेखण जैसे कई क्षेत्रों पर व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत बातचीत को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी को संयुक्त वक्तव्य जारी कर पारस्परिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार से संबंधित एक अंतरिम समझौते के ढांचे पर सहमति व्यक्त की थी। इस ढांचे ने व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी। मंत्रालय के अनुसार इसी क्रम में भारतीय पक्ष ने 20 से 23 अप्रैल तक वाशिंगटन डी.सी. का दौरा किया और अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ आमने-सामने बैठकें कीं।

पूर्व भारतीय निशानेबाज और ओलंपियन रणधीर सिंह का निधन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय निशानेबाज और ओलंपियन रणधीर सिंह का बुधवार सुबह नई दिल्ली में 79 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से भारतीय खेल जगत, विशेषकर निशानेबाजी समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित रणधीर सिंह भारतीय और एशियाई खेल प्रशासन में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाते रहे। वह 1987 से 2012 तक भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के महासचिव रहे। इसके अलावा 2001 से 2014 तक अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्य भी रहे और बाद में उन्हें मानद सदस्य बनाया गया। सितंबर 2024 में रणधीर सिंह ने इतिहास रचते हुए एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के पहले भारतीय अध्यक्ष बनने का गौरव हासिल किया था। नई दिल्ली में आयोजित 44वीं महासभा में उन्हें 2028 तक चार वर्ष के कार्यकाल के लिए अध्यक्ष चुना गया था। हालांकि खराब स्वास्थ्य के कारण उनका कार्यकाल इस वर्ष समय से पहले समाप्त हो गया। पंजाब के पटियाला से ताल्लुक रखने वाले रणधीर सिंह खेल परिवार से आते थे। वह पांच बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले निशानेबाज रहे। उन्होंने 1978 बैंकॉक एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को निशानेबाजी में पहला एशियाई खेल स्वर्ण दिलाया था। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के सचिव राजीव भाटिया ने बयान जारी कर कहा, "गहरे दुख के साथ हम यह सूचना साझा कर रहे हैं कि राजा रणधीर सिंह का 27 मई 2026 को निधन हो गया। वह महान ओलंपियन, अर्जुन पुरस्कार विजेता और भारत, एशिया तथा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक आंदोलन के सबसे सम्मानित खेल प्रशासकों में से एक थे।" उन्होंने आगे कहा, "निशानेबाजी खेल और ओलंपिक आंदोलन के विकास में उनका योगदान अमूल्य रहा है।

ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में शिकायत दर्ज

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। अधिवक्ता रिंकी चटर्जी द्वारा मंगलवार को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2025 में कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित ईद कार्यक्रम के दौरान ममता बनर्जी ने कथित रूप से हिंदुत्व और हिंदू समुदाय को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके अलावा, 2026 विधानसभा चुनाव से पहले एक धरना मंच से भी हिंदुओं के खिलाफ विवादित बयान देने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का दावा है कि उन्होंने पहले प्रधान नगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की थी, लेकिन पुलिस ने शिकायत लेने से इनकार कर दिया। आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया गया। इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए इसे धार्मिक भावनाओं से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताया है। हालांकि, इस पूरे मामले पर अब तक तृणमूल कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री के आवास पर तलाशी

ईडी अधिकारियों के काफिले पर समर्थकों का हमला, तोड़फोड़

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल)-एक्सालॉजिक वित्तीय लेनदेन और धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के बाद बुधवार को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में जबरदस्त राजनीतिक तनाव और हिंसक प्रदर्शन देखने को मिला। पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान नेता प्रतिपक्ष पिनाराई विजयन के आवास पर कई घंटों तक चली तलाशी के बाद जब ईडी अधिकारियों की टीम परिसर से बाहर निकली, तब वहां मौजूद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी (सीपीआई-एम) कार्यकर्ताओं की भीड़ उग्र हो गई और अधिकारियों के काफिले पर हमला कर दिया। केरल पुलिस ने लगभग 100 पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तलाशी अभियान खत्म होने के बाद जैसे ही ईडी अधिकारी सरकारी वाहनों की ओर बढ़े, प्रदर्शनकारी केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। तनावपूर्ण माहौल के बीच भीड़ ने आक्रामक रूप धारण कर लिया। प्रदर्शनकारियों ने ईडी अधिकारियों को ले जा रही गाड़ियों पर पत्थर और लाठियों से हमला बोल दिया। इससे गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। घटनास्थल पर मौजूद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और केरल पुलिस के जवानों को हालात संभालने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। सुरक्षा बलों ने ईडी अधिकारियों को सुरक्षा घेरे में लेकर बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन उग्र भीड़ लगातार काफिले को रोकने की कोशिश करती रही। स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख स्थानीय पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया गया और ईडी अधिकारियों के वाहनों को सुरक्षित रवाना कराया गया।

दरअसल, ईडी की यह कार्रवाई आज सुबह तिरुवनंतपुरम के बेकरी जंक्शन के पास स्थित पिनाराई विजयन के किराए के आवास पर शुरू हुई। केंद्रीय सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया था, जबकि ईडी अधिकारी अंदर दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन से जुड़े साक्ष्यों की गहन जांच कर रहे थे। तलाशी की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में सीपीआई-एम कार्यकर्ता और समर्थक मौके पर पहुंचने लगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता वी. शिवनकुट्टी और कडकमपल्ली सुरेंद्रन भी घटनास्थल पर पहुंचे और ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बताया।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जींद-सोनीपत रूट पर चलेगी, रेलवे बोर्ड ने दी मंजूरी

एजेंसी, जींद

♦ हाइड्रोजन ट्रेन चलने की हरी झंडी मिलने पर जींद के लोगों में खुशी की लहर

रेलवे बोर्ड ने भारत की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन को मंजूरी दे दी है। यह 10 कोच वाली डेमू ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलेगी।रेलवे मंत्रालय ने उत्तरी रेलवे क्षेत्र के तहत इस ट्रेन को मंजूरी दी है। ट्रेन की अधिकतम गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। यह हाइड्रोजन ईंधन सेल का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करेगी और इसका कुल बिजली उत्पादन 1,200 किलोवाट होगा। ट्रेन वितरित पावर रोलिंग स्टॉक (DPRS) तकनीक पर काम करेगी। रेल अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय की मंजूरी रिसर्च डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) की तकनीकी स्वीकृति के बाद मिली। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीसीआरएस) ने भी पिछले दिनों जींद जंक्शन पहुंच कर सुरक्षा परीक्षण किया था। अधिकारियों ने बताया कि मंजूरी का मतलब तुरंत संचालन शुरू होना नही है। कई अनुपालन प्रक्रियाएं और सत्यापन चरण अभी पूरे होने बाकी हैं। उत्तरी रेलवे के महाप्रबंधक को सभी अनुपालन रिपोर्ट जमा करनी होंगी। ये रिपोर्ट आरडीएसओए सीसीआरएस और पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) जैसे अन्य वैधानिक प्राधिकरणों से संबंधित होंगी। भारतीय रेलवे द्वारा देश की पहली हाइड्रोजन डेमो ट्रेन को आधिकारिक मंजूरी दिए जाने के बाद बुधवार को जिला जींद में उत्सव और खुशी का माहौल रहा। जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह अत्याधुनिक ट्रेन न केवल देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बुधवार को नगर परिषद जींद की अध्यक्ष डा. अनुराधा सैनी ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया।

पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने ओडिशा से तृणमूल विधायक दिलीप मंडल को गिरफ्तार किया

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और डायमंड हार्बर पुलिस की संयुक्त टीम ने दक्षिण 24 परगना के विष्णुपुर से तृणमूल विधायक दिलीप मंडल को ओडिशा के पुरी स्थित एक होटल से गिरफ्तार किया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें कोलकाता लाया जाएगा।मंडल का हाल में एक वीडियो वायरल हुआ था। आरोप है वीडियो में उन्होंने विपक्षी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को धमकी दी थी। हालांकि, वीडियो की सत्यता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

इसी मामले को लेकर उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और 14 मई को पैलान स्थित उनके घर पर छापा मारा। वह घर पर नहीं मिले। बताया गया है कि दो दिन पहले एसटीएफ को सूचना मिली कि दिलीप मंडल पुरी के 'ब्लू लिली' होटल में ठहरे हैं। इसी सूचना के आधार पर एसटीएफ और डायमंड हार्बर पुलिस ने होटल में छापा मारा। रजिस्टर की जांच के बाद पुलिस ने उनके कमरे में पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले में पुलिस पहले ही विधायक के बेटे अर्घ्य मंडल को गिरफ्तार कर चुकी है। उन पर इलाके में अशांति फैलाने का आरोप है। गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से आग्नेयास्त्र बरामद होने का भी दावा किया गया था। इसी मामले में चार अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। शिकायत दर्ज होने के बाद दिलीप मंडल ने कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

ट्विशा शर्मा मौत मामलाः रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के घर पहुंची सीबीआई, की पूछताछ

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले की जांच अपने हाथ में लेने के बाद सीबीआई की टीम मंगलवार को ट्विशा की सास सेवानिवृत्त जज गिरिबाला सिंह के घर पहुंची और उनसे पूछताछ की। दिल्ली से आई टीम सीबीआई ने मामले की जांच तेज करते हुए मंगलवार को कई अहम लोगों के बयान दर्ज किए। दोपहर में सीबीआई टीम ने गिरिबाला सिंह के घर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीबीआई अधिकारियों ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह से शादी के बाद हुए विवाद, ट्विशा और उसके मायके पक्ष के साथ संबंधों और पूरे घटनाक्रम को लेकर पूछताछ कर उनका बयान लिया। इसके बाद टीम तीन ईएमई सेंटर पहुंची, जहां ट्विशा के परिजनों से मामले से जुड़ी जानकारी जुटाई गई। वहीं, सीबीआई की दूसरी टीम पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के कार्यालय पहुंची और उनसे मुलाकात कर केस की विस्तृत जानकारी मांगी।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने एसआईटी से मामले की केस डायरी भी तलब की। प्रारंभिक जांच में डायरी अधूरी पाए जाने पर सीबीआई ने उसे पूरा कर सौंपने के निर्देश दिए हैं। देर रात एसआईटी ने आवश्यक जानकारी जोड़कर पूरी केस डायरी सीबीआई को सौंप दी। मामले में सीबीआई की कार्रवाई के बाद जांच में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। गौरतलब है कि सीबीआई की टीम सोमवार की रात भोपाल पहुंची थी। केन्द्रीय जांच एजेंसी ने कटारा हिल्स थाने में पहले दर्ज एफआईआर को री-रजिस्टर कर ट्विशा के पति समर्थ सिंह और सास, रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया। पुलिस जांच में 20 लाख रुपये अतिरिक्त मांगने की बात सामने आई थी। इसी आधार पर सीबीआई ने दहेज मृत्यु का मामला दर्ज किया है। इधर, ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने को लेकर मंगलवार को भोपाल के जिला न्यायालय में दायर अलग-अलग आवेदनों पर सुनवाई हुई। इस दौरान ट्विशा के परिवार की ओर से दायर सीडीआर सुरक्षित रखने की अर्जी पर एसआईटी ने अपना जवाब कोर्ट में पेश किया। न्यायमूर्ति आकांक्षा कुमार की अदालत में एसआईटी ने बताया कि 12 से 20 मई तक की पूरी सीडीआर सुरक्षित रखने के लिए संबंधित सिम कंपनियों को पत्र भेज दिए गए हैं। कंपनियों से जानकारी मिलते ही उसे केस डायरी का हिस्सा बनाकर अदालत में पेश किया जाएगा। उधर, ट्विशा के जिस जिमनास्टिक बेल्ट से कथित तौर पर फांसी लगाने का दावा किया जा रहा है, वह बेल्ट दोनों बार पोस्टमॉर्टम करने वाली मेडिकल टीम को नहीं दिखाई जा सकी।

पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी मल्टीरोल लड़ाकू एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट से बाहर हुआ एचएएल

एजेंसी, नई दिल्ली

♦ रक्षा मंत्रालय ने निजी क्षेत्र की तीन कंपनियों को भेजा 'रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल'

आखिरकार भारत में बनने वाले पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के निर्माण से हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को शॉर्टलिस्ट की गईं तीन कंपनियों को 'रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल' भेज दिया है। परियोजना के तहत लगभग 15 हजार करोड़ की लागत से 5 प्रोटोटाइप विकसित किए जाएंगे। यह ट्विन-इंजन वाला रडार की पकड़ से दूर रहने वाला लड़ाकू विमान होगा जो सुपर-क्रूज क्षमता के साथ अत्याधुनिक सेंसर से लैस होगा।

निजी क्षेत्र की भागीदारी में पहली बार रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) के साथ मिलकर प्रोटोटाइप बनाए जाएंगे। इसीलिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, लार्सन एंड टुब्रो-भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और भारत फोर्ज-बीईएमएल को टेंडर भेजा गया है। विमान के विकास और उड़ान परीक्षणों के लिए आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में लगभग 2,000 करोड़ की लागत से एक कोर इंटीग्रेशन और फ्लाइट टेस्टिंग सेंटर स्थापित किया जा रहा है। पहले प्रोटोटाइप के रोल-आउट की योजना 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में है, जिसके बाद 2028 तक पहली उड़ान और 2034-2035 तक इसे भारतीय वायुसेना में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। डीआरडीओ के मुताबिक एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) सिंगल-सीट और ट्विन-इंजन वाला विमान होगा, जिसे भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना के लिए तैयार किया जा रहा है। पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ, मल्टीरोल, एयर सुपीरियॉरिटी फाइटर में छठी पीढ़ी की आला प्रौद्योगिकियां भी शामिल होंगी। विमान के डिजाइन वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) ने तैयार की है, जो डीआरडीओ के तहत गठित विमानन डिजाइन और विकास एजेंसी है। एएमसीए का मार्क-1 संस्करण 5.5 पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों से लैस होगा और मार्क-2 में छठी पीढ़ी का प्रौद्योगिकी उन्नयन होगा। पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी फाइटर जेट हवाई श्रेष्ठता, जमीनी हमला, बमबारी, अवरोधन के अलावा अन्य प्रकार की भूमिकाएं निभाएगा। यह सुपरक्रूज, स्टील्थ, उन्नत एईएसए राडार, सुपर मूनवेबिलिटी, डेटा फ्यूजन और उन्नत एविओनिक्स को कई जमीन और समुद्री बचाव के साथ पिछली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को मात देने में सक्षम होगा।

एसआईआर पर भाजपा ने कांग्रेस को आत्मनिरीक्षण की नसीहत दी

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया को पूरी तरह वैध करार देने के फैसले का भारतीय जनता पार्टी ने स्वागत करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस को मेहनत करने के साथ-साथ आत्मनिरीक्षण की भी जरूरत है। यह संवैधानिक धरातल पर विपक्ष और कांग्रेस पार्टी की पराजय है। भाजपा मुख्यालय में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आज एसआईआर प्रक्रिया को पूर्णतः संविधान सम्मत सिद्ध कर दिया है। राजनीतिक पराजय के बाद और देश में अराजकता-अव्यवस्था उत्पन्न करने की नैतिक पराजय के बाद, अब संवैधानिक धरातल पर भी यह विपक्ष और कांग्रेस पार्टी की पराजय है। कहा कि लोकतंत्र की समस्त संस्थाओं को अपनी राजनीतिक अक्षमता को ढंकने के लिए आरोपित करने और लांछित करने के सभी कुप्रयास आज सर्वोच्च न्यायालय के धरातल पर निष्फल सिद्ध हुए। एसआईआर प्रक्रिया को सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान सम्मत माना है और चुनाव आयोग के अधिकार के अंतर्गत माना है।

न्यायलय ने इसे निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक माना है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने आज स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया को पूरी तरह वैध करार दिया। न्यायालय के फैसले के बाद अब देश के 19 राज्यों में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा का रास्ता साफ हो गया है।

मणिपुर में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के पांच कैडर गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल

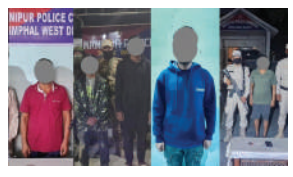

मणिपुर पुलिस ने पिछले दो दिनों में पूरे मणिपुर में प्रतिबंधित उग्रवादी समूहों से जुड़े कई कथित भूमिगत सदस्यों को गिरफ़्तार किया है। साथ ही, पहाड़ी जिलों में अलग-अलग अभियानों के दौरान हथियार, विस्फोटक और संचार उपकरण भी बरामद किए गए हैं। मणिपुर पुलिस मुख्यालय के अनुसार प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक के एक सक्रिय सदस्य, जिसकी पहचान इंफाल पूर्वी जिले के निंगोमथोंग सैरोम लीराक निवासी थिंगुजम गुलापी सिंह (45) के रूप में हुई है, को 26 मई को इंफाल पश्चिमी जिले के सिंगजामेई पुलिस स्टेशन के अंतर्गत काकवा लिलांडो लंपक से गिरफ़्तार किया गया। सुरक्षाकर्मियों ने उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड और एक स्कूटर जब्त किया। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने पीएलए के एक कथित सक्रिय सदस्य, वाइखोम शांता सिंह उर्फ़ टोरबोट (32) को भी गिरफ़्तार किया। वह सबुंगखोक मामंग लीकाई का निवासी है और उसे इंफाल पूर्वी जिले के लामलाई पुलिस स्टेशन के अंतर्गत नोंगदा कामेंग क्षेत्र से गिरफ़्तार किया गया। एक अन्य अभियान में, आरपीएफ/पीएलए के कथित स्वयंभू कैप्टन अयेकपम धर्मेंद्र सिंह (48) को इरिलबुंग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत उसके मौजूदा आवास से पकड़ा गया। वह कई अन्य नामों से भी जाना जाता है, जिनमें धामेन, थावंतबा, कुंजो, ब्रोजेन और थावैलाकपा शामिल हैं। उसके पास से एक मोबाइल फ़ोन और एक आधार कार्ड बरामद किया गया। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के नोंगपोक सेकमाई पुलिस स्टेशन के अंतर्गत फ़ॉरेस्ट गेट के पास मयाई कीथेल से अलग-अलग भूमिगत संगठनों से जुड़े दो कथित सदस्यों को गिरफ़्तार किया था।

भीषण गर्मी में नितिन व राहुल के दौरों से उत्तराखंड में बढ़ेगा सियासी तापमान

एजेंसी, नई दिल्ली

देहरादून। देश के दूसरे हिस्सों की तरह उत्तराखंड में भी आसमान से आग बरस रही है। राज्य में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के दौरों से प्रदेश का राजनीतिक तापमान भी बढ़ने वाला है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का तीन दिवसीय उत्तराखंड प्रवास 28 मई से शुरू होगा। इसके बाद 4 व 5 जून को राहुल गांधी राज्य में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। उत्तराखंड में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में विभिन्न राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में लगी हैं। राज्य में दिग्गजों के दौरों से एक बात साबित होने जा रही है। देवभूमि का वर्ष 2027 का चुनावी संग्राम रोचक होने वाला है।

उत्तराखंड जैसे अपेक्षाकृत छोटे राज्य को भी भाजपा ने अपनी शीर्ष प्राथमिकता में रखा है। मोदी-शाह के दौर में यह बात कई बार साबित हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने 12 वर्ष के कार्यकाल में जितनी बार उत्तराखंड आए हैं, उतनी बार कोई प्रधानमंत्री नहीं आया है। इसके अलावा, भाजपा के शीर्ष नेता उत्तराखंड में लगातार प्रवास करते रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को अभी कार्यभार संभाले ज्यादा दिन नहीं हुए हैं, लेकिन उन्होंने उत्तराखंड का कार्यक्रम लगाने में जरा सी भी देरी नहीं की है।

अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के तीन दिवसीय उत्तराखंड प्रवास के कार्यक्रम से भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा है। भव्य स्वागत की तैयारी है, हालांकि मितव्ययिता का संदेश देने का दबाव भी पार्टी पर है। इसके बावजूद, भाजपा अपने इस बड़े कार्यक्रम के माध्यम से चुनाव को लेकर बड़ा संदेश देने की तैयारी में है। नितिन नवीन तीन दिन उत्तराखंड रहकर लगभग हर वर्ग को छूने का प्रयास करेंगे। पार्टी की तैयारियों की थाह लेंगे और कमजोर नब्ज दबाकर उसे दुरूस्त करने की कोशिश भी करेंगे।

राज्य में विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस भी अपनी रणनीति बनाने में लगी है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि कांग्रेस इस बार भी चुनावी तैयारियों को लेकर भाजपा से काफी पीछे है। भले ही राष्ट्रीय नेताओं का बहुत ज्यादा उत्तराखंड आना-जाना नहीं हो पा रहा हो, लेकिन उसके स्थानीय नेता सक्रियता बढ़ा रहे हैं। कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा भी तय हो गया। राहुल गांधी 4 व 5 जून को उत्तराखंड में रहेंगे। राहुल गांधी के इस दो दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेस ज्यादा से ज्यादा वर्गों तक पहुंचने की कोशिश में है। इसलिए 4 जून को उनका एक कार्यक्रम कुमाऊं के अल्मोड़ा में है, तो दूसरा गढ़वाल के मंडल मुख्यालय पौड़ी में है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

रैना ने शुभमन और सुदर्शन की जोड़ी को आईपीएल की सबसे अच्छी जोड़ी बताया

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इनकी जोड़ी आईपीएल इतिहास की सबसे अच्छी सलामी जोड़ी है। रैना ने कहा कि शुभमन और सुदर्शन ने जिस तेजी और निरंतरता के साथ रन बनाए हैं। ऐसा करने में कोई भी दूसरी जोड़ी सफल नहीं रही है। इन दोनों ने साथ मिलकर केवल 46 पारियों में ही तेजी से खेलते हुए 21 बार 50 या उससे अधिक रनों की साझेदारी की है। इससे उनकी आपसी समझ और मैदान पर एक दूसरे के साथ अच्छे तालमेल का पता चलता है। रैना ने कहा कि इस जोड़ी ने विराट कोहली और क्रिस बेल के अलावा एबी डिविलियर्स और-विराट की जोड़ी को भी पीदे छोड़ दिया है। रैना ने कहा, जहां गेल और कोहली को 21 बार 50 से अधिक रनों की साझेदारी तक पहुंचने में 59 पारियां लगी थीं, वहीं डिविलियर्स और कोहली ने यह उपलब्धि 76 पारियों में हासिल की थी जबकि शुभमन और सुदर्शन ने यह आंकड़ा केलव 46 पारियों में ही हासिल कर लिया। इन जोड़ी ने आईपीएल के अलावा टी20 क्रिकेट में भी कई बड़े रिकॉर्ड बनाये हैं। इस जोड़ी ने अब तक 10 शतकीय साझेदारियाँ बनायी हैं, और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह सबसे तेज जोड़ी है। इस जोड़ी ने आईपीएल में बिना कोई विकेट खोये 200 रन के लक्ष्य को भी आसानी से हासिल किया है। इन दोनो ने ही पारी शुरु करते हुए आईपीएल में 2000 से अधिक रन बनाये हैं, और उनकी साझेदारी का औसत 67 से अधिक का है, जो उनकी निरंतरता और एक-दूसरे के प्रति समझ को स्पष्ट रूप से दिखाता है। यह औसत उनकी बल्लेबाजी की गहराई और हर हाल में प्रदर्शन करने की क्षमता भी दिखाता है। रैना के अनुसार, गिल और सुदर्शन की सबसे बड़ी ताकत उनके बीच की अच्छी समझ और फिटनेस है। उन्होंने समझाया, दोनों बल्लेबाज अविश्वसनीय रूप से फिट हैं और उन्हें अच्छी तरह पता है कि कब आक्रामक होना है और किस गेंदबाज को निशाना बनाना है। एक गेंद की गति का इस्तेमाल करता है, जबकि दूसरा कोण बनाकर शानदार शॉट्स खेलता है, जिससे विपक्षी गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना असंभव हो जाता है। इसका भी सबसे बड़ा लाभ टीम को मिला है।

बुमराह को अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं डिविलियर्स

एजेंसी, जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खराब प्रदर्शन के बाद निशाने पर आये तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का बचाव किया है। डिविलियर्स ने कहा है कि बुमराह अभी भी विश्वकप के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और महज एक सत्र खराब होने से उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता है। डिविलियर्स ने माना है कि बुमराह मुंबई इंडियंस की ओर से उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर कहा कि इस प्रकार का खराब दौर हर क्रिकेटर के जीवन में आता है पर इसका कतलब ये नहीं कि वे बेकार हो गये। साथ ही कहा कि इससे उनकी गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता और वह जल्द ही अपने पुराने रंग में लौटेंगे। बुमराह के लिए यह सत्र बेहद खराब रहा है। पूरे टूर्नामेंट में वह 13 मैच केवस 4 विकेट ही ले पाये। ये उनके जैसे खिलाड़ी के लिए बेहद निराशाजनक है। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 रहा, जो टी20 क्रिकेट के इतिहास में एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंकने वाले गेंदबाज का अब तक का सबसे खराब औसत माना जा रहा है। डिविलियर्स ने बुमराह का बचाव करते हुए कहा कि एक खराब प्रदर्शन किसी भी खिलाड़ी की क्लास को खत्म नहीं कर सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, यह बुमराह के आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा, इसमें कोई संदेह नहीं है। उनका औसत 100 से ज्यादा रहा, लेकिन इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन सबके बावजूद, मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। डिविलियर्स ने बुमराह की क्षमताओं पर अटूट विश्वास व्यक्त किया। साथ ही कहा कि वह जल्द ही अपने पुराने शानदार अंदाज में वापसी करेंगे। यह भी याद रखन चाहिये कि आईपीएल से पहले टी20 विश्व कप में उन्होंने भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बुमराह को तरोताजा होने के लिए प्रबंधन ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए आराम दिया है ताकि वह पूरी तरह से फिट हो सकें। हैइस साल टीम इंडिया का अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहने वाला है और ऐसे में मुख्य गेंदबाजों की फिटनेस प्रबंधन की प्राथमिकता है।

यूनिटी कप फुटबॉल में 27 मई को भारत का मुकाबला जमैका से होगा

» 24 साल बाद इंग्लैंड में अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी भारतीय टीम

एजेंसी, लंदन

भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम आजकल यूनिटी कप 2026 में भाग लेने इंग्लैंड गयी हुई है। भारतीय टीम यहां अपना पहला मुकाबला भारतीय समयानुसार 27 मई की रात को दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से खेलेगी। ये 24 साल बाद पहला अवसर है जब भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। इससे पहले आखिरी बार भारतीय फुटबॉल टीम ने साल 2002 में इंग्लैंड में मैच खेला था। ऐसे में इस मैच को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। फीफा रैंकिंग में अभी भारतीय टीम 136वें स्थान पर है, जबकि जमैका 71वें स्थान पर है। वहीं, पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया और जिम्बाब्वे की टीमें टकरायेंगी। नाइजीरिया की टीम फीफा रैंकिंग में 26वें स्थान पर एक मजबूत दावेदार है, जबकि जिम्बाब्वे 130वें नंबर पर मौजूद है। इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमें तीसरे स्थान के लिए भी प्ले-ऑफ मैच खेलेंगी, जिससे सभी टीमों को कम से कम दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका मिलेगा। सभी मुकाबले लंदन के द वैली स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम के लिए यह इंग्लैंड में अपनी क्षमताओं को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्य कोच खालिद जमील की ये पहली परीक्षा होगी। इस टूर्नामेंट से पहले भारती टीम ने राष्ट्रीय कैंप में भी अभ्यास किया था।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन और पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर सबसे आगे

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल के 19 वें सत्र में अब सबसे अधिक रनों के लिए मिलन वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए मुकाबला अंतिम दौर में पहुंच गया है। ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी भी गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन नंबर एक पर बने हुए हैं। सुदर्शन के अभी तक सबसे अधिक 652 रन हैं। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल है। नंबर एक जबकि गिल 618 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के हेनरिक क्लासेन 606 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। आरसीबी के विराट कोहली के इस सत्र में कुल रन 600 हो गए और उन्होंने इस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स केएल राहुल को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल कर लिया। राहुल 593 रन बनाकर पांचवे नंबर पर हैं। वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में आरसीबी के तेज भुवनेश्वर कुमार 26 विकेट लेकर पहले। वहीं गुजरात के केसिगो रबाडा भी 26 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं। रबाडा इकॉनमी 13.50 रही। भुवनेश्वर इससे बेहतर इकॉनमी रेट के कारण पहले नंबर पर हैं। राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर 21 विकेट लेकर तीसरे जबकि सीएसक के अंशुल कंबोज भी 21 विकेट लेकर चौथे नंबर पर हैं। गुजरात के राशिद खान 14विकेट लेकर पांचवे नंबर पर हैं।

शुभमन ने हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया

एजेंसी, धर्मशाला

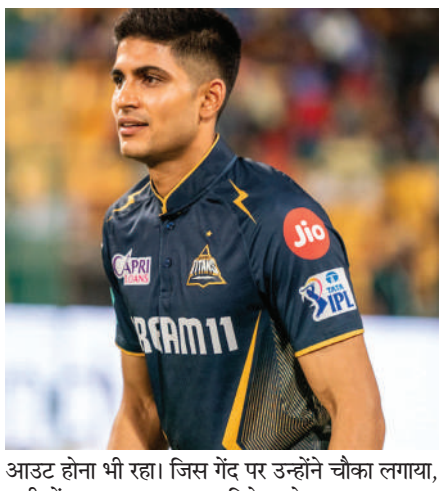

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल आईपीएल 2026 के पहले क्वालिफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली हार से निराश नजर आये। शुभमन ने इस बार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया। साथ कहा कि उनकी टीम दबाव का सामना ठीक से नहीं कर पायी। इस मैच में गुजरात टाइटंस की टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए ढ़ह गयी और उसे 92 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 254 रन बनाये थे। जिसके बाद गुजरात केवल 162 रन ही बना पायी। शुभमन ने टीम की बार के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी टीम मैच में बनी हुई थी पर कई अवसरों पर हुई गलतियों ने मुकाबला उनके हाथ से फिसल गया। साथ ही कहा कि 12वें-13वें ओवर तक उनकी टीम मुकाबले में थी पर जिस प्रकार से कैच गिरे उससे विरोधी टीम हावी हो गयी। शुभमन ने कहा, मुझे लगता है कि हम 12वें-13वें ओवर तक मैच में अच्छी स्थिति में थे। हमारी फील्डिंग बिल्कुल स्तर के अनुसार नहीं थी हालांकि हम ये मैच भूलकर अब दूसरे क्वालीफायर में जीतने का प्रयास करेंगे। उन्होंने साथ हीकहा, दबाव वाले मौकों पर हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। हमार शुरुआत ही अच्छी नहीं रही। आउटफील्ड तेज थी, लेकिन जिस तरह पिच खेल रही थी, उस हिसाब से लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। टीम के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने का एक कारण बल्लेबाज साई सुदर्शन का बदकिस्मती से हिट-विकेट आउट होना भी रहा। जिस गेंद पर उन्होंने चौका लगाया, उसी गेंद पर उनका बल्ला विकेट से टकरा गया। इस पर गिल ने कहा, ऐसे विकेट बहुत कम देखने को मिलते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। टीम की खराब फील्डिंग हार का सबसे बड़ा कारण रही। टीम ने एक ही ओवर में आरसीबी की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले रजत पाटीदार के दो कैच गिरा दिए। पाटीदार ने इन मौकों का पूरा फायदा उठाया और आक्रामक बल्लेबाजी कर केवल 33 गेंदों में नाबाद 93 रन बना दिये जिससे मैच पलट गया। दिए। उनकी पारी में चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिली। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम दबाव में आ गयी और कोई भी बल्लेबाज विकेट पर टिक नहीं पाया।

संक्षिप्त

खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने ईस्ट गारो हिल्स में खेल सुविधाओं का निरीक्षण किया

एजेंसी, विलियमनगर

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने बुधवार को मेघालय के ईस्ट गारो हिल्स जिले के विलियमनगर का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने जिले में खेल सुविधाओं का निरीक्षण किया और जमीनी स्तर पर खेल ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों की समीक्षा की। उन्होंने विलियमनगर स्थित आरजीएचएसएस खेल मैदान में बने आर्टिफिशियल फुटबॉल टर्फ का दौरा किया और क्षेत्र में युवा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। यह दौरा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) की 'पूर्वोत्तर संपर्क सेतु' पहल के तहत आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय को मजबूत करना, विकास योजनाओं की जमीनी समीक्षा करना तथा उत्तर-पूर्व क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देना है। दौरे के दौरान खेल राज्य मंत्री ने तांबो आ'डिंग में निर्माणाधीन 'खेलो इंडिया मल्टीपर्पज इंडोर हॉल' की प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार उत्तर-पूर्व में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री ने मत्स्य पालन और पशुपालन से जुड़ी योजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय लोगों के लिए स्थायी रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया। अधिकारियों के साथ हुई चर्चा में उत्पादकता बढ़ाने, स्थानीय क्षमता विकास और आर्थिक अवसरों के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने स्थानीय हस्तशिल्प उत्पादों और पारंपरिक कलाकृतियों का भी अवलोकन किया।

टी20 में दोहरा शतक लगाना चाहते हैं वैभव सूर्यवंशी

» गेल का 175 रनों का रिकार्ड तोड़ना भी है लक्ष्य

एजेंसी, मुम्बई

डंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई नये रिकार्ड बनाने वाले राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का लक्ष्य अब टी20 क्रिकेट में दोहरा शतक लगाना है। 15 साल की उम्र में ही इस सत्र में 500 से अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप के दावेदारों में शामिल वैभव का कहना है कि वह वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल का 175 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ना चाहते हैं। वैभव ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के एक शो में ये बातें कहीं। जब पीटरसन ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें अर्धशतक का जश्न मनाना अच्छा लगता है तो वैभव का जवाब था, मुझे 50 रन का जश्न मनाना ज्यादा पसंद नहीं है। मैं टी20 में 200 रन बनाना चाहता हूं। मैं गेल का रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। उनका ये बयान सोशल मीडिया में छा गया है। गौरतलब है कि गेल ने आईपीएी 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ मात्र 66 गेंदों में नाबाद 175 रन बनाए थे। इस पारी में गेल ने 13 चौके और 17 छक्के लगाये थे, और इसी मैच में उन्होंने 30 गेंदों में लीग का सबसे तेज शतक भी जड़ा था। ये रिकार्ड आज भी बरकरार है। वहीं वैभव इस सत्र के सबसे बड़े युवा सितारे बनकर उभरे हैं। उन्होंने 14 मैचों में 41.64 की शानदार औसत और 232.27 की विस्फोटक स्ट्राइक रेट से कुल 583 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं, जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 रन रहा है। इस सीजन में उन्होंने 53 छक्के लगाए हैं, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा हैं। वह क्रिस गेल के 59 छक्कों के रिकॉर्ड से सिर्फ 7 छक्के दूर हैं जो इसी सत्र में हासिल कर सकते हैं। वैभव टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी हैं। वैभव ने इस साल अंडर-19 विश्व कप में भी जबरदस्त प्रदर्शन कर 7 मैचों में 439 रन बनाए थे।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं मनु की नजरें

एजेंसी , नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है। उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी। 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा। खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

नॉर्वे शतरंज 2026: प्रज्ञानानंद को फिरोजा ने हराया, दिव्या देशमुख ने हम्पी को दी मात

एजेंसी, ओस्लो (नॉर्वे)

नॉर्वे शतरंज 2026 के दूसरे दौर में मंगलवार को एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार संघर्ष किया और कई मुकाबलों का फैसला आर्मगेडन टाईब्रेक में हुआ। दूसरे दौर का एकमात्र क्लासिकल मुकाबला फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलिरेजा फिरोजा ने भारतीय स्टार आर. प्रज्ञानानंद के खिलाफ जीता। मुकाबले में फिरोजा ने मिडिल गेम के बाद धीरे-धीरे दबाव बनाया और सटीक खेल के दम पर लगातार दूसरी क्लासिकल जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ उन्होंने अंक तालिका में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली।

कार्लसन ने आर्मगेडन में कीमर को हराया-विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन और जर्मनी के शीर्ष खिलाड़ी विन्सेंट कीमर के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला क्लासिकल प्रारूप में ड्रॉ रहा। कार्लसन लंबे समय तक बढ़त बनाते नजर आए, लेकिन कीमर ने कठिन स्थिति में शानदार बचाव करते हुए मुकाबला बराबरी पर समाप्त किया। हालांकि, आर्मगेडन टाईब्रेक में कार्लसन ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए।

गुकेश को वेस्ली सो ने आर्मगेडन में हराया-विश्व चैम्पियन डी. गुकेश और अमेरिका के वेस्ली सो के बीच भी लंबा रणनीतिक मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद खेले गए आर्मगेडन मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

महिला वर्ग में बिबिसारा असाउबायेवा कायम रहीं शीर्ष पर-नॉर्वे शतरंज महिला वर्ग में भी दूसरा दौर बेहद रोमांचक रहा। तीनों क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ रहे और सभी का फैसला आर्मगेडन में हुआ। टूर्नामेंट की शीर्ष खिलाड़ी बिबिसारा असाउबायेवा ने चीन की झू जिनर को आर्मगेडन में हराकर अपनी बढ़त बरकरार रखी। कजाखस्तान की इस ग्रैंडमास्टर ने तेज समय नियंत्रण में शानदार खेल दिखाया।

दिव्या देशमुख ने हम्पी को हराया-भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में दिव्या देशमुख ने कोनेरू हम्पी को आर्मगेडन टाईब्रेक में पराजित किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा था, लेकिन निर्णायक मुकाबले में दिव्या ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। एक अन्य मुकाबले में अन्ना म्यूजिचुक ने महिला विश्व चैम्पियन जू वेनजुन को आर्मगेडन में हराकर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

5 जून तक चलेगा टूर्नामेंट-नॉर्वे शतरंज 2026 का आयोजन 25 मई से 5 जून तक ओस्लो में किया जा रहा है। टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष पुरुष और महिला शतरंज खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता की खास बात इसका अनोखा प्रारूप है, जिसमें क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ होने पर आर्मगेडन गेम खेला जाता है, ताकि हर दौर में निर्णायक परिणाम निकल सके।

फ्रेंच ओपन 2026: यानिक सिनर ने आसान जीत के साथ दूसरे दौर में बनाई जगह

एजेंसी, पेरिस

विश्व नंबर-1 इटली के यानिक सिनर ने फ्रेंच ओपन 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए फ्रांस के क्लेमेंट तबूर को सीधे सेटों में 6-1, 6-3, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। दो बार के मौजूदा चैम्पियन कार्लोस अल्काराज चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं, ऐसे में सिनर को खिताब का सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है। कोर्ट फिलिप शात्रिए पर खेले गए मुकाबले में सिनर ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को संभलने का मौका नहीं दिया। 24 वर्षीय सिनर इस मुकाबले में लगातार 29 मैचों की जीत के साथ उतरे थे। इस दौरान उन्होंने केवल तीन सेट गंवाए थे और इसी महीने सभी मास्टर्स 1000 खिताब पूरे करने की उपलब्धि भी हासिल की थी। सिनर ने मैच की शुरुआत में ही तबूर की सर्विस तोड़कर 2-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने एक और ब्रेक हासिल करते हुए स्कोर 4-1 कर दिया। दमदार फोरहैंड विनर के साथ उन्होंने पहला सेट आसानी से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी इतालवी खिलाड़ी ने शानदार नियंत्रण बनाए रखा और बिना ज्यादा परेशानी के सेट जीत लिया। तीसरे सेट में फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लेमेंट तबूर ने कुछ बेहतरीन शॉट लगाए और घरेलू दर्शकों का भरपूर समर्थन हासिल किया। विश्व रैंकिंग में 171वें स्थान पर मौजूद तबूर ने कुछ समय के लिए सिनर पर दबाव भी बनाया। हालांकि, सिनर ने जल्द ही मैच पर दोबारा नियंत्रण स्थापित कर लिया। उनकी सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स और लगातार आक्रामक खेल के सामने तबूर ज्यादा देर टिक नहीं सके। जीत के बाद यानिक सिनर ने कहा,"मैं यहां वापस आकर बेहद खुश हूं। इस कोर्ट से मेरी कई शानदार यादें जुड़ी हैं। पहले दौर के मुकाबले कभी आसान नहीं होते।" उन्होंने फ्रांसीसी दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा, "समर्थन के लिए धन्यवाद। मुझे पता है कि मैं एक फ्रांसीसी खिलाड़ी के खिलाफ खेल रहा था, फिर भी दर्शकों ने निष्पक्षता दिखाई।"

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 28 मई, 2026

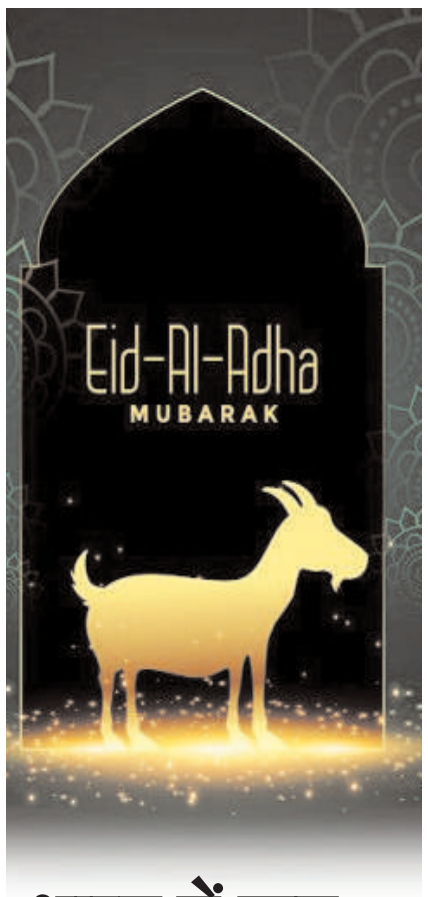

भारत में कब मनाई जाएगी बकरीद और महत्व

बकरीद या ईद-उल-जुहा इस्लाम के प्रमुख त्योहारों में से एक है। भारत में बकरीद की तारीख सऊदी अरब में चांद दिखने पर निर्भर करती है। बकरीद इस्लाम में अल्लाह के प्रति पूर्ण निष्ठा और बलिदान का प्रतीक है। ऐसे में आइये जानते हैं कि भारत में बकरीद कब मनाई जाएगी और ईद-उल-जुहा का त्योहार मनाने के पीछे की मान्यता क्या है।

बकरीद या ईद-उल-अधा या ईद-उल-जुहा को लेकर मुस्लिम समुदाय में बेसब्री से इंतजार है। इस साल बकरीद कब मनाई जाएगी, भारत में बकरीद का चांद कब दिखेगा, इसे लेकर लोगों में दिलचस्पी है। इस्लाम के प्रमुख त्योहारों में से एक बकरीद इस्लामिक कैलेंडर के हिसाब से जिल हिज्ज महीने की 10 तारीख को मनाई जाती है। आइये जानते हैं बकरीद कब है और ये क्यों मनाई जाती है।

बकरीद किस दिन मनाई जाएगी

भारत में बकरीद की तारीख सऊदी अरब में चांद दिखने के आधार पर तय होती है। भारत में बकरीद 28 मई को मनाई जाएगी।

बकरीद क्यों मनाई जाती है

इस्लाम धर्म की मान्यता के अनुसार, बकरीद अल्लाह के प्रति निष्ठा और पूर्ण समर्पण जताने के लिए मनाई जाती है। यह कुर्बानी का त्योहार है, इसमें अपनी किसी प्रिय चीज को अल्लाह को दे दिया जाता है। बकरीद का त्योहार पैगंबर इब्राहिम की कुर्बानी की याद में मनाया जाता है। इस्लामिक मान्यता के मुताबिक, अल्लाह ने पैगंबर इब्राहिम की परीक्षा लेनी चाही। तब उन्होंने अल्लाह के प्रति अपना समर्पण दिखाते हुए अपने बेटे इस्माइल को कुर्बान करने का फैसला किया। वह उन्हें सबसे प्रिय थे। बताया जाता है कि जब इब्राहिम अपने बेटे को कुर्बान करने लगे तभी अल्लाह ने उनकी निष्ठा देखकर इस्माइल की जगह एक भेड़ भेज दिया और इस्माइल की जान बचा ली। यह घटना अल्लाह के प्रति पूर्ण समर्पण और बलिदान की भावना का प्रतीक है।

बकरीद का महत्व

इसके बाद से मुसलमान बकरीद पर अपने सामर्थ्य के अनुसार जानवर की कुर्बानी देते हैं। इसमें कुर्बानी के मांस को तीन हिस्सों में बांट दिया जाता है। पहला जरूरतमंदों को दिया जाता है, दूसरा रिश्तेदारों और दोस्तों को भेजा जाता है और तीसरा हिस्सा अपने परिवार के लिए रखा जाता है। इसके अलावा बकरीद पर नमाज भी पढ़ी जाती है और अल्लाह से दुआ मांगी जाती है। साथ ही मुस्लिम समुदाय के लोग एक-दूसरे को गले लगाते हैं।

अल्लाह के प्रति त्याग और समर्पण का पर्व है बकरीद, इस्लाम में है कुर्बानी और बलिदान का महत्व

अक्सर लोगों के मन में बकरीद की कुर्बानी को लेकर कई तरह के सवाल होते हैं। दरअसल, यह त्योहार कुर्बानी की परंपरा के लिए जाना जाता है, जो अल्लाह के प्रति गहरे विश्वास और त्याग का प्रतीक है।

बकरीद, जिसे ईद-उल-अज़हा या ईदुज्जुहा के नाम से भी जाना जाता है, इस्लाम धर्म का एक प्रमुख त्योहार है। यह पर्व हर साल इस्लामिक कैलेंडर के आखिरी महीने, जु-अल-हिज्जा की 10वीं तारीख को मनाया जाता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक, इस वर्ष बकरीद 28 मई को मनाई जाएगी। यह त्योहार रमजान की समाप्ति के लगभग 70 दिनों बाद आता है और हज के साथ भी जुड़ा हुआ है। इस्लामिक मान्यताओं में बकरीद का महत्व कुर्बानी की परंपरा से जुड़ा हुआ है। आइए इस लेख में बकरीद पर कुर्बानी का महत्व और इसकी पौराणिक पृष्ठभूमि के बारे में विस्तार से जानते हैं।

बकरीद का त्योहार हजरत इब्राहिम की अल्लाह के प्रति अटूट भक्ति और समर्पण की याद में मनाया जाता है। इस्लामिक मान्यता के अनुसार, हजरत इब्राहिम को अल्लाह ने सपने में अपनी सबसे प्रिय चीज की कुर्बानी देने का आदेश दिया। इब्राहिम, जिन्हें 90 वर्ष की आयु में बेटा इस्माइल नसीब हुआ था, अपने बेटे से बेहद प्यार करते थे। फिर भी, उन्होंने अल्लाह के हुक्म का पालन करने का निर्णय लिया। जब उन्होंने इस्माइल को कुर्बानी के लिए तैयार किया, तो इस्माइल ने भी सहर्ष सहमति दी। लेकिन जैसे ही इब्राहिम ने कुर्बानी शुरू की, अल्लाह ने चमत्कार किया और इस्माइल की जगह एक मेमने (दुंबा) को कुर्बान कर दिया। इस घटना ने इब्राहिम की भक्ति और आज्ञाकारिता को सिद्ध किया, और तब से बकरीद पर कुर्बानी की परंपरा शुरू हुई।

कुर्बानी का महत्व केवल बलिदान तक सीमित नहीं है; यह त्याग, समर्पण और अल्लाह के प्रति पूर्ण विश्वास का प्रतीक है। इस दिन मुसलमान हलाल जानवर जैसे बकरे, भेड़ या ऊंट की कुर्बानी देते हैं। कुर्बानी के लिए जानवर का स्वस्थ और बालिग होना जरूरी है। कुर्बानी का मांस तीन हिस्सों में बांटा जाता है। एक हिस्सा परिवार के लिए, दूसरा रिश्तेदारों और दोस्तों के लिए, और तीसरा गरीबों और जरूरतमंदों के लिए। यह प्रथा समाज में एकता, भाईचारे और दान की भावना को बढ़ावा देती है। इस्लाम में कुर्बानी को सवाब का काम माना जाता है, और यह हर सक्षम मुसलमान के लिए वाजिब है, यानी ऐसा कर्तव्य जो फर्ज से ठीक नीचे आता है।

बकरीद का एक और महत्वपूर्ण संदेश यह है कि यह हमें स्वार्थ से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देता है। हजरत इब्राहिम का त्याग हमें सिखाता है कि अल्लाह के प्रति सच्ची भक्ति और विश्वास जीवन के सबसे कठिन निर्णयों में भी हमें सही मार्ग दिखा सकता है। इसके अलावा, यह पर्व हज के साथ भी जुड़ा है, जो इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है। हज के दौरान भी कुर्बानी की जाती है, जो हजरत इब्राहिम और उनके परिवार की कुर्बानी को याद करता है।

बकरीद का त्योहार हमें बलिदान, त्याग और भाईचारे का संदेश देता है। यह न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। इस पर्व पर मुसलमान नमाज अदा करते हैं, नए कपड़े पहनते हैं, और अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों के साथ खुशियां बांटते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि सच्चा बलिदान वही है, जो दूसरों के लिए किया जाए।

बलिदान का पर्व ईद-उल-अज़हा

ईदुज्जुहा (कुर्बानी की ईद) धूमधाम से मनाई जाएगी। यह पर्व हजरत इब्राहीम की अल्लाह के प्रति समर्पण की याद दिलाता है। इस अवसर पर बकरों की बिक्री में तेजी देखी जा रही है लोग अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं। कुर्बानी के लिए कुछ नियम भी हैं जिनका पालन करना आवश्यक है।

इस्लाम के पवित्र महीने जिल्हिज्जा में दसवीं तारीख को मनाई जाने वाली ईद-उल-अजहा, जिसे कुर्बानी की ईद भी कहा जाता है, इसका विशेष महत्व है। इस पर्व का मूल उद्देश्य हजरत इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) की उस अद्भुत परीक्षा को याद करना है, जब अल्लाह ने उन्हें अपने प्रिय बेटे हजरत इस्माइल (अलैहिस्सलाम) की कुर्बानी के लिए आज्ञा दी थी। जब इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) ने अपने बेटे की कुर्बानी के लिए तैयारी की, तो अल्लाह ने उनकी ईमानदारी और त्याग को देखते हुए बेटे की जगह एक दुम्बा (भेड़) को कुर्बान करने का आदेश दिया। तब से इस पर्व को हर वर्ष मनाया जाने लगा। मौलाना नजमुद्दीन अहमद कासमी ने बताया कि जब कुर्बानी तकवा के साथ अदा की जाती है, तभी अल्लाह उसे स्वीकार करते हैं। कुर्बानी का उद्देश्य केवल खून और गोश्त अदा करने का नहीं है, बल्कि यह ईमानदारी और अल्लाह के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। ईद-उल-अजहा (कुर्बानी की ईद) 28 मई को मनाई जाएगी, जिसके चलते बकरों की बिक्री में काफी तेजी आई है। लोग अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार, बकरों की खरीदारी कर रहे हैं। जो लोग आर्थिक रूप से सक्षम हैं, वे तीनों दिन बकरों की कुर्बानी करते हैं। मुस्लिम धर्मावलम्बियों के लिए यह पर्व धूमधाम से मनाने का एक अवसर होता है, जो आपको परिवार और दोस्तों के साथ एकजुट करने का भी शुभ अवसर प्रदान करता है।

कुर्बानी के नियम

- जिनका धन और संपत्ति का पूरा माप साहेबे नेशाब में आता है, उनके लिए कुर्बानी अति आवश्यक है, जो कि साढ़े सात तोला सोना या साढ़े बावन तोला चांदी की श्रेणी में आता है।
- यदि पति और पत्नी दोनों इस श्रेणी में आते हैं, तो उन दोनों पर कुर्बानी वाजिब होती है। वहीं, अगर माता-पिता साहेबे नेशाब नहीं हैं, तो उन पर कुर्बानी का नियम लागू नहीं होता।
- कुर्बानी सबसे पहले जीवित व्यक्ति के नाम से की जाती है, और उसके बाद मरे हुए परिजनों के नाम से होती है।

बकरीद से पहले क्यों मनाई जाती है मीठी ईद

मुस्लिम समुदाय के बीच मीठी ईद रमजान के पवित्र महीने के अंत का प्रतीक है. चांद के दीदार के अगले दिन ईद-उल-फितर मनाया जाता है. वहीं ईद-उल-अजहा को कुर्बानी का दिन कहा जाता है.

मुस्लिम धर्म के लिए ईद बहुत खास त्योहार है. ये साल में दो बार मनाया जाता है. पहले र में ईद-उल-फितर का त्योहार होता है, फिर ईद-उल-जुहा या ईद-उल-अजहा मनाया जाता है. ईद-उल-फितर को मीठी ईद और ईद-उल-अजहा को बकरीद कहा जाता है. मीठी ईद के करीब डेढ़ से दो महीने बाद बकरीद मनाई जाती है. मुस्लिम समुदाय के बीच मीठी ईद रमजान के पवित्र महीने के अंत का प्रतीक है. रमजान में सभी मुसलमान रोजे रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं और आखिरी दिन जब चांद का दीदार हो जाता है, तब अगले दिन ईद-उल-फितर मनाया जाता है. वहीं ईद-उल-अजहा को कुर्बानी का दिन कहा जाता है. आइए जानते हैं कि साल में दो बार ईद मनाए जाने के पीछे क्या हैं मान्यताएं.

ऐसे हुई मीठी ईद की शुरुआत

ईद-उल-फितर या मीठी ईद पहली बार 624 ईस्वी में मनाई गई थी. कहा जाता है कि इस दिन पैगम्बर हजरत मोहम्मद ने बद्र के युद्ध में विजय हासिल की थी. पैगम्बर साहब की जीत की खुशी जाहिर करते हुए लोगों ने उस समय मिठाइयां बांटीं थीं. कई तरह के पकवान बनाकर जश्न मनाया था. तब से हर साल बकरीद से पहले मीठी ईद मनाई जाने लगी.

कुरआन के अनुसार मीठी ईद को अल्लाह की तरफ से मिलने वाले इनाम का दिन माना जाता है. इस्लामी कैलेंडर के नौवें महीने में पूरे माह रोजे रखे जाते हैं और जब अहले ईमान रमजान के पवित्र महीने के एहतेरामों से फारिग हो जाते हैं और रोजों-नमाजों और उसके तमाम कामों को पूरा कर लेते हैं तो अल्लाह एक दिन अपने इबादत करने वाले बंदों को बख्शीश व इनाम से नवाजता है. बख्शीश व इनाम के दिन को ईद-उल-फितर का नाम दिया गया है.

ईदुज्जुहा को लेकर मान्यता

वहीं अगर ईद-उल-अजहा की बात करें तो इस दिन का इतिहास हजरत इब्राहिम से जुड़ी एक घटना से है. ये दिन कुर्बानी का दिन माना जाता है. कहा जाता है कि अल्लाह ने एक दिन हजरत इब्राहिम से सपने में उनकी सबसे प्रिय चीज की कुर्बानी मांगी. हजरत इब्राहिम अपने बेटे से बहुत प्यार करते थे, लिहाजा उन्होंने अपने बेटे की कुर्बानी देने का फैसला किया. हजरत इब्राहिम बेटे का हाल आंखों से नहीं देख सकते थे, इसलिए उन्होंने आंखों पर पट्टी बांध ली थी. इब्राहिम ने बंद आंखों से अपने बेटे की कुर्बानी दी थी, लेकिन जब उन्होंने आंखें खोलीं, तो उनके बेटे की जगह वहां एक मेमने का सिर था. तभी से इस्लाम में बकरीद मनाने की शुरुआत हुई. इस दिन को कुर्बानी का दिन कहा जाने लगा. हर साल बकरीद के मौके पर बकरे की कुर्बानी दी जाती है.

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 28 मई, 2026

नौहीद साइरूसी ने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में बताया

'अनवर' फेम नौहीद साइरूसी पिछले कुछ समय से फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं। फैंस लगातार उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछ रहे थे, जिसके बाद उन्होंने अब इस पर खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में भी बताया, जिसे सुनकर सब चौंक गए।

नौहीद ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी गैरमौजूदगी की असली वजह बताई। वीडियो में वह स्किनकेयर करते हुए नजर आईं और एक फैन के मैसेज का जवाब दिया, जिसमें पूछा गया था, 'आपकी कोई आने वाली फिल्म या शो है?'

इस पर उन्होंने साफ कहा कि यह सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला सवाल है और अब वह इसका सीधा जवाब देना चाहती हैं।

नौहीद ने बताया कि इंडस्ट्री में काम करने के दौरान कुछ ऐसी उम्मीदें होती हैं, जो उन्हें अनकंफर्टेबल कर देती हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय यह मान लिया जाता है कि एक्टर को किसिंग या इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन ऐसा नहीं होता है।

उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में आज के समय में काम करना अच्छा है, लेकिन एक चीज है जो कॉन्ट्रैक्ट में होती है। आपको किसिंग और इंटिमेट सीन करने में पूरी तरह कम्फर्टेबल होना पड़ता है। मुझे ऐसा लगता है कि आजकल बिना वजह भी ऐसे सीन जोड़ दिए जाते हैं। और सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि हम स्क्रीन पर किसिंग करते हुए अच्छे लगते हैं। पता नहीं क्यों, शायद इन्हें सही तरीके से शूट करना नहीं आता।' उन्होंने आगे बताया कि इस सोच की वजह से उन्हें अपने करियर में नुकसान भी उठाना पड़ा। उन्होंने कहा, 'कई बार तो ऐसा होता है कि मैं हां या ना भी नहीं कह पाती, उससे पहले ही मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है, क्योंकि मैं कहती हूं कि मैं किसिंग सीन में कम्फर्टेबल नहीं हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं उन लोगों में से नहीं थी जो एक्टर्स या प्रोड्यूसर्स के ग्रुप में घूमती रहती हों। मेरी एक्टिंग के अलावा भी एक पूरी जिंदगी थी। इसी वजह से मुझे अक्सर नुकसान झेलना पड़ता था। मुझे सिर्फ किसी की बहन, किसी की भाभी जैसे छोटे रोल ही मिलते थे। लेकिन मैंने सोच लिया था कि मुझे ऐसा काम नहीं करना है। मैं ऐसे रोल करने से बेहतर है कि काम ही ना करूं।' उन्होंने आगे कहा, 'फिर मुझे समझ आया कि इंस्टाग्राम ही मेरा असली रास्ता है।

बॉम्बे स्टोरीज में अपने किरदार पर खुलकर बोलीं अनुप्रिया

अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जा रही है। किसी भी कलाकार के लिए कान्स तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है और अनुप्रिया के लिए भी यह मौका बेहद खास है, क्योंकि यह उनकी पहली इंडिपेंडेंट फिल्म है। फिल्म का निर्देशन राहत शाह काजमी ने किया है और इसकी कहानी मशहूर लेखक सआदत हसन मंटो की चर्चित कहानी 'हतक' से प्रेरित है। फिल्म में समाज के उस हिस्से की कहानी दिखाई गई है, जिसके बारे में अक्सर लोग खुलकर बात नहीं करते। फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' में अनुप्रिया गोयनका एक सेक्स वर्कर के किरदार में हैं। उनके साथ फिल्म में मौनी रॉय और सुष्मिता सिंह भी अहम भूमिकाएं निभा रही हैं। फिल्म में सेक्स वर्कर्स की जिंदगी, उनके संघर्ष, समाज के नजरिए और उनके भीतर छिपी भावनाओं को दिखाने की कोशिश की गई है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अनुप्रिया ने कहा, ''मैं लंबे समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थीं। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरी पहली फिल्म मंटो की कहानी पर आधारित है। 'हतक' शब्द का मतलब अपमान होता है और फिल्म की कहानी भी इसी भावना के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरा किरदार सौगंधी समाज की नजरों और लोगों के फैसलों के बीच खुद को समझने की कोशिश करती है।'' अभिनेत्री ने अपने किरदार को समझाते हुए कहा, ''सौगंधी एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी को उसी रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसके दिल में भी प्यार और सम्मान पाने की चाहत है। वह चाहती है कि कोई उसे सिर्फ शरीर की नजर से न देखे, बल्कि उसे एक इंसान और एक महिला के रूप में महसूस करे। इस किरदार में मुझे खुद की कई भावनाएं नजर आईं। मैंने इस किरदार को निभाते हुए एक महिला के कई अलग-अलग पहलुओं को समझा और महसूस किया।'' अनुप्रिया गोयनका ने सेक्स वर्क को लेकर कहा, ''अगर कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से यह काम चुनता है, तो यह उसका अधिकार और उसका फैसला है। इसे किसी दूसरे पेशे की तरह ही देखा जाना चाहिए। लेकिन जब किसी महिला को मजबूरी में इस काम में धकेला जाता है, उसके अधिकार छीन लिए जाते हैं या उसे इंसान की तरह सम्मान नहीं मिलता, तब यह गलत और दुखद बन जाता है।'' उन्होंने कहा, ''समाज में सेक्स वर्कर्स को अक्सर सिर्फ एक वस्तु की तरह देखा जाता है, जबकि उनके भी सपने, भावनाएं हैं और उन्हें भी सम्मान की जरूरत होती है। जब तक किसी को उसकी इच्छा के खिलाफ इस काम में मजबूर नहीं किया जाता, तब तक समाज को उसे जज करने का अधिकार नहीं होना चाहिए।''

साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर बोमन ईरानी ने रखी अपनी राय

अभिनेता बोमन ईरानी की फिल्म 'पेद्दी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। फिल्म को लेकर उत्साहित अभिनेता प्रमोशन में व्यस्त भी हैं। इस बीच उन्होंने साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर अपनी राय रखी। अभिनेता का स्पष्ट तौर पर मानना है कि हम सब भारतीय हैं और इंडस्ट्री में भाषा नहीं बल्कि कहानी और काम मायने रखता है। उन्होंने भारतीय सिनेमा जगत में लंबे समय से चली आ रही उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत की बहस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इस बंटवारे से वह पूरी तरह थक चुके हैं और बताया कि आखिरकार हम सब एक हैं- हम सब भारतीय हैं। बातचीत के दौरान बोमन ईरानी ने बताया, 'सच कहूं तो, मैं अब इस उत्तर-दक्षिण भारत की बहस से ऊब चुका हूं। आखिरकार, हम सब भारतीय ही तो हैं। देश में हर 200 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई किसी दूसरे को विदेशी समझे।'

बोमन ने कहा, 'दिल्ली का रहने वाला व्यक्ति मुझसे अलग तरह की हिंदी बोलेगा लेकिन सिनेमा वही रहता है। इंसानियत वही रहती है और इस देश से प्यार करने वाले लोग भी वही हैं। आज भारतीय सिनेमा क्षेत्रीय सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका है। अलग-अलग भाषाओं में बनी फिल्में पूरे देश के साथ ही दुनिया में भी सराही जा रही है। अपनी अपकमिंग फिल्म 'पेद्दी' का उदाहरण देते हुए बोमन ने कहा, 'हैदराबाद में बनी फिल्म का प्रचार करने के लिए लोग मुंबई आ रहे हैं। यह हमारे खूबसूरत देश का ही हिस्सा है।' बोमन ईरानी ने अभिनय की गहराई पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भाषा चाहे हिंदी हो, अंग्रेजी हो या मराठी, अभिनेता को संवाद के अंदरूनी अर्थ यानी सबटेक्स्ट को समझना चाहिए। आप पहले अपनी भाषा में सोचिए, फिर उसे कहिए। दर्शकों तक भाव पहुंच जाना चाहिए।' 'मुन्ना भाई एमबीबीएस.', '3 ईडियट्स', 'खोसला का घोसला', 'डॉन' और 'पीके' जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले बोमन ईरानी की अपकमिंग फिल्म 'पेद्दी' में राम चरण, जान्हवी कपूर और दिव्येंदु शर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

क्या शाहरुख की 'किंग' का हिस्सा होंगे रणवीर सिंह?

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में 'किंग' की शूटिंग की तस्वीरें वायरल हुईं, जिसने लोगों का ध्यान खींचा है। अब खबरें आ रही हैं कि 'धुरंधर' स्टार रणवीर सिंह 'किंग' का हिस्सा होंगे। सोशल मीडिया पर कई फैंस इस बारे में ट्वीट कर रहे हैं। ऑनलाइन चल रही चर्चाओं के मुताबिक, रणवीर जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'किंग' में नजर आ सकते हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया हैंडल्स पर की गई कुछ अपुष्ट पोस्ट्स में दावा किया गया है कि इस फिल्म में रणवीर एक स्पेशल रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण भी मुख्य भूमिका में हैं। कई पोस्ट के अनुसार रणवीर ने कथित तौर पर लगभग दो हफ्ते पहले इंटरनेशनल शेड्यूल के दौरान 'किंग' के लिए एक खास सीक्वेंस शूट किया है। हालांकि इस प्रोजेक्ट में उनकी भागीदारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर यह चर्चा तब शुरू हुई जब एक्टर को फिल्म के सेट पर देखा गया। शुरुआत में, सेट पर रणवीर सिंह को देखकर यह माना गया था कि यह उनकी एक निजी यात्रा है। खबरें थीं कि रणवीर अपनी गर्भवती पत्नी दीपिका और एक साल की बेटी दुआ के साथ आए थे। हाल ही में रणवीर को फिल्म के क्रू सदस्यों के साथ पोज देते हुए भी देखा गया, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि वह फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं।

एक्शन-थ्रिलर 'बेनाम' में लीड रोल निभाएंगे वीर पहाड़िया

अभिनेता वीर पहाड़िया अपनी अगली फिल्म 'बेनाम' के साथ एक नए सिनेमाई सफर के लिए तैयार हैं। इस अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म में वीर लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं, इस प्रोजेक्ट को और दिलचस्प बनाते हुए अनुभवी फिल्ममेकर महेश भट्ट फिल्म के प्रेजेंटर के तौर पर जुड़ चुके हैं, जिससे फिल्म को एक मजबूत क्रिएटिव सपोर्ट भी मिला है। माना जा रहा है कि 'बेनाम' एक रूटेड एक्शन एंटरटेनर है, जिसमें दमदार इमोशंस के साथ हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। इसके अलावा, फिल्म में एक कमर्शियल अपील वाला म्यूजिक एल्बम भी शामिल होने की उम्मीद है। मेकर्स का लक्ष्य एक्शन, इमोशन और मनोरंजन के बीच संतुलन बनाते हुए दर्शकों को एक दमदार सिनेमाई अनुभव देना है।

सूत्रों के मुताबिक, वीर इस फिल्म में पहली बार एक रफ और रग्ड एंटी-हीरो के किरदार में नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि यह किरदार अभिनेता की अब तक की स्क्रीन इमेज से बिल्कुल अलग होगा और उनके व्यक्तित्व का एक गहरा और इंटेंस पक्ष दर्शकों के सामने आएगा। माना जा रहा है कि हो सकता है, यह फिल्म वीर के करियर में एक नया मोड़ भी साबित हो। हालांकि फिल्म की सपोर्टिंग कास्ट और तकनीकी टीम को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री में इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। वैसे आने वाले दिनों में मेकर्स आधिकारिक घोषणा के साथ फिल्म से जुड़ी और जानकारी साझा कर सकते हैं। लहाल एक दमदार एक्शन कहानी, इमोशनल ड्रामा और महेश भट्ट की मौजूदगी के साथ 'बेनाम' ने अभी से फिल्म प्रेमियों और इंडस्ट्री के लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। वहीं, यह फिल्म वीर पहाड़िया के लिए भी एक अलग और एक्शन-प्रधान अवतार में खुद को साबित करने का बड़ा मौका मानी जा रही है।

मेरी सफलता मेरी खुद की है, जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा नेअपने करियर, अभिनय और सिनेमा से जुड़े कई पहलुओं पर दिलचस्प बातें साझा कीं।

मेरी सफलता मेरी खुद की है

मंच पर पहुंचीं ऋचा से जब पूछा गया कि क्या स्टेज पर आने पर या परफॉर्म करते वक्त नर्वसनेस होती है? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'नर्वस तो नहीं होती लेकिन जब मेरी इतनी तारीफ होती है तो अविश्वसनीय लगता है। लखनऊ मेरा ससुराल है। अपनी यात्रा को लेकर मैं बहुत तहे दिल से शुक्रगुजार हूं। मुझे इस बात की खुशी है कि मुझे मेरे पसंदीदा करियर में मुकाम मिला है। मैं फिल्मी खानदान से नहीं हूं। तो यह अच्छा लगता है कि यहां तक अपने दम पर पहुंची हूं। लोग नेपोटिज्म पर बात करते हैं। मगर, इसका उल्टा भी होता है। मेरा सक्सेस मेरा खुद का है।

जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'किसी का करियर या जिंदगी एक प्रोसेस होती है। उसमें कोई डेस्टिनेशन नहीं होती। मैं जीत और हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती। मुझे अच्छा लगता है कि मैं अपने उसूलों को कायम रखकर अपना काम चुन-चुनकर यहां तक पहुंची हूं। हां, करियर की शुरुआत मैं जरूर कुछ ऐसी स्क्रिप्ट में काम किया जिन्हें कहते हैं कि अपना दिमाग घर पर रखकर आओ।'

कभी जर्नलिस्ट बनने की चाहत थी

क्या ऋचा हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं? पूछा जाने पर ऋचा ने कहा, 'बनना तो चाहती थी पर मुझे पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। मैं जर्नलिस्ट भी बनना चाहती थी। मेरी हिंदी-इंग्लिश दोनों बहुत अच्छी थी। म्यूजिक में भी रुचि थी। एक्टिंग का शौक था। फिर यह रुचि, ऋचा पर हावी हो गई और मैंने अपना करियर पथ चुना।'

मैंने हमेशा स्ट्रगल का स्वाद लिया

अपने शुरुआती दौर पर बात करते हुए ऋचा ने कहा, 'शुरुआत में मेरा बहुत स्ट्रगल रहा। मैं कोई दुख की ऐसी कहानी आपके साथ नहीं साझा करना चाहती कि मैं रेलवे स्टेशन पर सोई। मैंने स्ट्रगल का बहुत स्वाद लिया। यही सोचा कि जब मेरे पास फेम और पैसा आ जाएगा तो यह संघर्ष के दिन मुझे कितने याद आएंगे। कभी केतली में मैगी बनाकर भी खाती थी, वो स्ट्रगल सबका होता है पर ऊपर वाला बहुत कृपालु रहा।'

लोग क्या कहेंगे? यह नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'दुनिया का सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग। मुझे यह रोग नहीं पालना। मैं अपने सपनों के लिए, अपने समाज के लिए काम करना चाहती हूं। इसमें कुछ तो लोग कहेंगे... लोगों का काम है कहना, यह गाना सुनकर मैं अपना मन बहला लेती हूं। यह हमारी जर्नी का हिस्सा है।'

इंडस्ट्री को एक सोच बदलनी हो तो कहां जरूरत है उसकी?

मुझे बॉलीवुड में कुछ नहीं बदलना। वह एक सोसाइटी की झलक है। सोसाइटी बदलेगी तो बॉलीवुड बदल जाएगा। हमें ऐसी सोसाइटी बनाने है, जो बराबरी की हो, महिलाओं की इज्जत करे। ऐसा कुछ सोसाइटी होगी तो इंडस्ट्री में भी ऐसा हो जाएगी। मुझे लगता है कि औरत के अनगिनत लेबर पर हम गाने बनाते हैं। आज उसी की वजह से विज्ञापनों में कितना बदलाव है। यह बदलाव समाज में तेजी से दिखते हैं।

आप बेटी की मां हैं? आप उसे क्या सिखाना चाहेंगी?

मैं अपनी बेटी को बताऊंगी कि तुम अन्नपूर्णा हो पर शक्ति भी हो। काली का चित्र बेटी को दिखाऊंगी, जिसमें महिषासुर का सिर उनके हाथ में है। ऐसी देवी आपको कहीं नहीं मिलेगी, हिंदुस्तान के अलावा। मेरी प्रेरणा मां काली हैं। मैं अपनी बेटी को भी यह सिखाऊंगी। सिर्फ बेटी की मां नहीं, बेटों की भी। मैं चाहूंगी कि एक दिन ऐसा आए कि जो रेप पीड़िता का नाम हम छिपाते हैं, उनकी गलती थी क्या? आदमियों का नाम ब्लर करना चाहिए।

चैरिटी करने की प्रेरणा कहां से मिली?

अली की जो मामी हैं, उन्होंने पूरे लॉकडाउन में बहुत सारे कारीगरों को नौकरी से नहीं निकाला इससे मुझे बहुत प्रेरणा मिली। मुझे लगा कभी भी चैरिटी करने से अच्छा है कि किसी को इतना सक्षम कर दो कि वह अपने परिवार के लिए कमा सके। इसकी अभी शुरुआत हुई है। इसमें छपाई का काम औरत करती हैं और कढ़ाई पुरुष करते हैं। महिला और पुरुष मिलकर काम करते हैं।